खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 06 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-249

रूस के राष्ट्रपति पुतिन का बड़ा बयान

भारत, चीन और ब्राजील ही रूस-यूक्रेन युद्ध में कर सकते हैं मध्यस्थता

मॉस्को, 05 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता के लिए भारत, चीन और ब्राजील मध्यस्थता कर सकते हैं। गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान पुतिन ने कहा रूस और यूक्रेन की जंग शुरू होने के एक हफ्ते बाद ही इस्तांबुल में हुई बातचीत में शांतिवार्ता को लेकर एक प्राथमिक समझौते पर सहमति बनी थी, लेकिन इस समझौते को कभी लागू नहीं किया गया। अब अगर फिर से मध्यस्थता की बातचीत शुरू होती है तो इस्तांबुल में हुआ प्राथमिक समझौता इस बातचीत का आधार बन सकता है।

file photo

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईस्टर्न इकॉनोमिक फोरम के कार्यक्रम में पुतिन ने कहा कि हमारा प्रमुख उद्देश्य यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र को कब्जे में लेना है। फिलहाल रूसी सेना कुर्स्क से यूक्रेनी सेना को पीछे खदेड़ रही है। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को दो साल से ज्यादा का समय बीत चुका है। कई बार रूस यूक्रेन के बीच मध्यस्थता की कोशिश की गई है, लेकिन रूस के इन शांति वार्ताओं में शामिल न होने के चलते इन बैठकों का कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकल पाया। अब खुद पुतिन ने संकेत दिए हैं कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं। पुतिन का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के दौरे पर शांति की अपील की थी।

बीते महीने ही यूक्रेन दौरे पर भी पीएम मोदी ने शांति की अपील की थी और कहा था कि भारत इसके लिए मदद करने के लिए तैयार है। यूक्रेन ने भी रूस के साथ शांतिवार्ता के लिए भारत की भूमिका को अहम बताया था।

गौरतलब है कि रूस ने जंग रोकने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उसके मुताबिक यूक्रेन को दोनेत्सक, लुहांस्क, खेरसान और जपोरजिया इलाकों से अपने सैनिक हटाने होंगे। साथ ही यूक्रेन कभी भी नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा। हालांकि यूक्रेन ने शर्तों को मानने से इनकार कर दिया और यूक्रेन की मांग है कि रूस अपने सभी सैनिकों को यूक्रेन से वापस बुलाए।

भारत की मांग पर 2023 में इंटरपोल ने जारी किए 100 रेड कॉर्नर नोटिस

अब सीमाओं से बंधे नहीं हैं अपराधी, भगोड़ों को चुन-चुन कर वापस लाएंगे : सूद

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरपोल ने भारत की मांग पर 2023 में 100 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए हैं। यह संख्या एक साल में सबसे ज्यादा है। 10वें इंटरपोल संपर्क अधिकारी सम्मेलन में सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि हमने दुनियाभर के पुलिस बल से कहा है कि वे भारतीय एजेंसियों द्वारा वांछित और सीमा पार रह रहे भगोड़ों को हिरासत में लें। उन्होंने कहा कि इंटरपोल और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन सहयोगियों की मदद से 2023 में 29 और 2024 में अब तक 19 वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है।

2023 में 29 और 2024 में अब तक 19 वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया

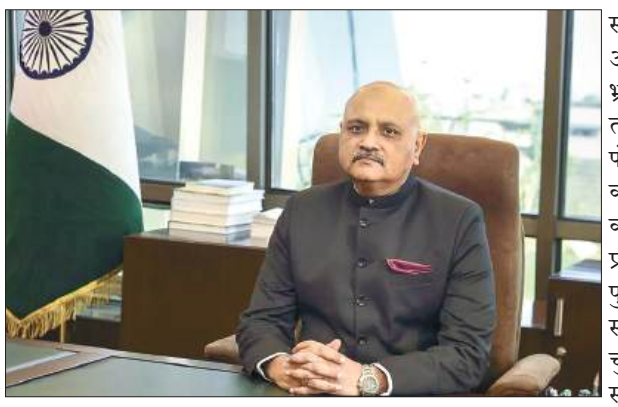

सूद ने कहा कि इंटरपोल का रेड नोटिस केवल गिरफ्तारी का वारंट नहीं है। बल्कि इसके जरिये दुनियाभर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मांग की जाती है कि वह प्रत्यर्पण और आत्मसमर्पण जैसी कानूनी कार्रवाई के लिए वांछितों का पता लगाएं और उनको गिरफ्तार करें। सीबीआई निदेशक ने यह भी कहा कि आज दुनिया आतंकवाद, साइबर वित्तीय अपराध, ऑनलाइन बाल यौन शोषण, भ्रष्टाचार, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद की फंडिंग जैसे अपराधों और खतरों का सामना कर रही है। मजबूत कानूनी ढांचे, नवाचार पहल, प्रौद्योगिकी के जरिये भारतीय पुलिस सक्रिय अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर चुनौतियों का समाधान करने में सबसे आगे रही है। सीबीआई के निदेशक ने यह भी कहा कि हमारे ग्लोबल ऑपरेशन सेंटर में 2023 में अंतरराष्ट्रीय सहायता के 17368 मामलों में कार्रवाई की। इस मौके पर गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी सीबीआई के ऑपरेशन सेंटर की तारीफ की। उन्होंने कहा यह केंद्र प्रतिदिन 200-300 मामलों पर गौर कर रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय न्याय क्षेत्र अलग होने का भगोड़ों और अपराधियों को

▶10 पर

शिवाजी की मूर्ति गिरने के मामले में महाराष्ट्र सरकार का बड़ा एक्शन

10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजे गए ठेकेदार-सलाहकार

मुंबई, 05 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के मामले में गिरफ्तार मूर्ति के ठेकेदार जयदीप आप्टे और संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को 10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि चेतन पाटिल और जयदीप आप्टे को मालवन की एक अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए उनकी हिरासत मांगी, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें 10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक शिवाजी की मूर्ति के संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को 30 अगस्त को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया था, जबकि ठेकेदार जयदीप आप्टे को घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज होने के करीब 10 दिन बाद बुधवार रात ठाणे जिले के कल्याण से हिरासत में लिया गया। वहीं मामले में ठेकेदार जयदीप आप्टे के वकील गणेश सोवानी ने कहा कि मूर्तिकार ने बुधवार रात को आत्मसमर्पण करने का इरादा बनाया था और वह जांच में सहयोग करने के लिए तैयार थे।

▶10 पर

गैर-सियासी मामलों में सरकारी वकीलों की अनुपस्थिति पर भड़का कलकत्ता हाई कोर्ट

मुख्य न्यायाधीश ने स्थिति को बताया दुखद और शर्मनाक

कोलकाता, 05 सितंबर (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अपने समक्ष आने वाले मामलों में पश्चिम बंगाल सरकार के वकीलों की अनुपस्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की, खासकर जब मामले राजनीतिक रूप से संवेदनशील न हों। बता दें कि सुंदरबन में बाघ हमले के पीड़ितों की दुर्दशा के बारे में एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवगनम ने पहले दिए निर्देशों के बावजूद राज्य के प्रतिनिधित्व के अभाव पर ये टिप्पणी की है।

मुख्य न्यायाधीश शिवगनम ने राज्य सरकार की तरफ से वकीलों को मामले सौंपे जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए स्थिति को बहुत दुखद बताया। इस दौरान उन्होंने हर मामले में राज्य के प्रतिनिधित्व के बारे में पूछताछ करने की असुविधा पर ध्यान दिया। यह कहते हुए कि वकीलों को मामलों का आवंटन राज्य सरकार की तरफ से उचित तरीके से किया जाना चाहिए, पीठ ने कहा, यदि यह कोर्ट नंबर 1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) में होता है, तो अन्य अदालतों की दुर्दशा की कल्पना करें।

वहीं न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य की भी खंडपीठ ने कहा कि यह खेद की बात है कि 9 मई को आदेश पारित करने के बावजूद राज्य की ओर से कोई भी पेश नहीं हुआ।

▶10 पर

कोलकाता केस में भाजपा ने लगाया बड़ा आरोप

संदीप घोष ने ही दिया था तोड़फोड़ का आदेश, ममता बनर्जी से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली/कोलकाता, 05 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कोलकाता के जिस अस्पताल में डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की गई थी, उसके टॉयलेट रूम को तोड़ने का आदेश अस्पताल के प्रमुख डॉक्टर संदीप घोष ने ही दिया था। भाजपा का आरोप है कि टॉयलेट को तोड़ने का आदेश 10 अगस्त को ही दे दिया गया था, जबकि डॉक्टर से दुष्कर्म की जघन्य वारदात नौ अगस्त को ही लोगों के सामने आई थी। आरोप है कि डॉक्टर को इस घटना को छिपाने के लिए सरकार के स्तर से निर्देश दिया गया था। घटना के बाद ही डॉक्टर को प्रमोट कर दिया गया था। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद संदीप घोष को गिरफ्तार कर लिया गया था। अभी भी वे सीबीआई की हिरासत में ही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने इस घटना को छिपाने और सच को दबाने की पूरी कोशिश की थी। इसे छिपाने में सरकार का सहयोग करने वालों को इसके लिए इनाम भी दिया गया था।

▶10 पर

ग्लोबल एआई शिखर सम्मेलन के पहले दिन रेवंत सरकार ने 21 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने ग्लोबल एआई शिखर सम्मेलन के पहले दिन शैक्षणिक संस्थानों, बड़ी-तकनीकी कंपनियों, स्टार्टअप और गैर-लाभकारी संगठनों सहित निजी पारिस्थितिकी तंत्र में प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के साथ 21 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। गुरुवार को यहां दो दिवसीय वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन शुरू हुआ।

सभी समझौता ज्ञापनों पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। तेलंगाना को देश में एआई सुपरपावर बनाने के लिए आवश्यक विभिन्न आयामों पर इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापनों पर प्रमुख रूप से 7 क्षेत्रों में हस्ताक्षर किए गए - कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, स्किलिंग, इम्पैक्ट असेसमेंट, स्टार्टअप इनोवेशन, जेनरेटिव एआई, रिसर्च एंड कोलैबोरेशन और डेटा एनोटेशन।

एआई सिस्टम के लिए आवश्यक राज्य में कम्प्यूटेशनल संसाधनों को बढ़ाने के लिए, सरकार ने योट्टा और सी-डैक के साथ 2 अलग-अलग समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। योट्टा हैदराबाद में एक विशेष एआई-डेटा सेंटर का डिजाइन और निर्माण करेगा। डेटा सेंटर में अत्याधुनिक जीपीयू आधारित एआई क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर होगा, जो शुरुआत में 4000 रुपये एच100 जीपीयू या समकक्ष द्वारा संचालित होगा, जिसे भविष्य में 25000 एच100 जीपीयू तक स्केल किया जा सकेगा। योट्टा स्थानीय स्टार्टअप, उद्योगों, शैक्षिक और अनुसंधान

▶10 पर

॥ श्री हरिः ॥

शोक संदेश * उठावना * बैठक * प्रसादी * पगड़ी

॥ श्री हरिः ॥ ॥ श्री हरिः ॥

श्रीमती शारदा अग्रवाल

(धर्मपत्नी : स्व. श्री विजयकुमारजी अग्रवाल, कोत्तागुडम)
का आकस्मिक निधन बुधवार 4 सितम्बर 2024 को हो गया।

उठावना (महिलाएँ एवं पुरुष) शनिवार 7 सितम्बर 2024, मध्याह्न 1:30 से 2 बजे
बैठक (महिलाएँ एवं पुरुष) रविवार 8 सितम्बर 2024, मध्याह्न 3 से 5 बजे
सोमवार 16 सितम्बर 2024 : प्रसादी मध्याह्न 1 से 3 बजे, पगड़ी की रस्म सायं 4 बजे
उपरोक्त समस्त कार्यक्रम स्थल : निवास स्थान, बरलीपीट बाज़ार, कोत्तागुड़म (तेलंगाना)

शोकाकुल : गोकुलचन्द (जेठ) इंदिराबाई (जेठानी) अशोक कुमार-सीता (देवर-देवरानी)
अनिल-दीप्ति, विनोदकुमार-अरुणादेवी, सतीश-राधिका, आनन्द कुमार 'पप्पू'-स्वाति (जेठुता-बहू)
भरतकुमार 'टींकु'-कल्याणी (पुत्र-बहू) मनोज, भारद्वाज 'छोटू' (भतीजे)
दिव्या, आराध्या, अंजलि (पौत्री) तनीष, कृश, प्रणय, नयन (पौत्र)

फर्म : मनोहरलाल हनुमानप्रसाद अग्रवाल
बरलीपीट बाज़ार, कोत्तागुड़म (तेलंगाना) फोन : 98662 46682, 98663 39946, 93999 90995
प्रतिष्ठान : शारदा मोबाईल्स * आरा सिरामिक्स

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

रमेश कुमार अग्रवाल की सलहज श्रीमती शारदा अग्रवाल के आकस्मिक व असामयिक निधन पर हम सपरिवार, परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति व परिजनों को उनके विछोह को सहने की शक्ति प्रदान करें।

:: विनम्र ::
रमेश कुमार अग्रवाल (दामाद) गिरीश-गुंजन (भांजा-बहू) कामना-रवि कुमार बंसल (भांजी-दामाद)
वेदप्रकाश अग्रवाल, जगतनारायण अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, पंकज अग्रवाल

गुलज़ारीमल रामचन्द्र सिमलावाले
मनोकामना गोल्ड प्राईवेट लिमिटेड * पंकज टेक्सटाईल एजेन्सीज़ प्राईवेट लिमिटेड
मनोकामना गोल्ड * मनोकामना चिटफंड प्राईवेट लिमिटेड

किशनलाल अग्रवाल, गोपालदास अग्रवाल, शिवचरण अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, योगेश अग्रवाल

सागरमल सुन्दरलाल सिमलावाले
शिव सागर सिंथेटिक्स * एस.एस. शर्टिंग्स * एस.एस. सूटिंग्स

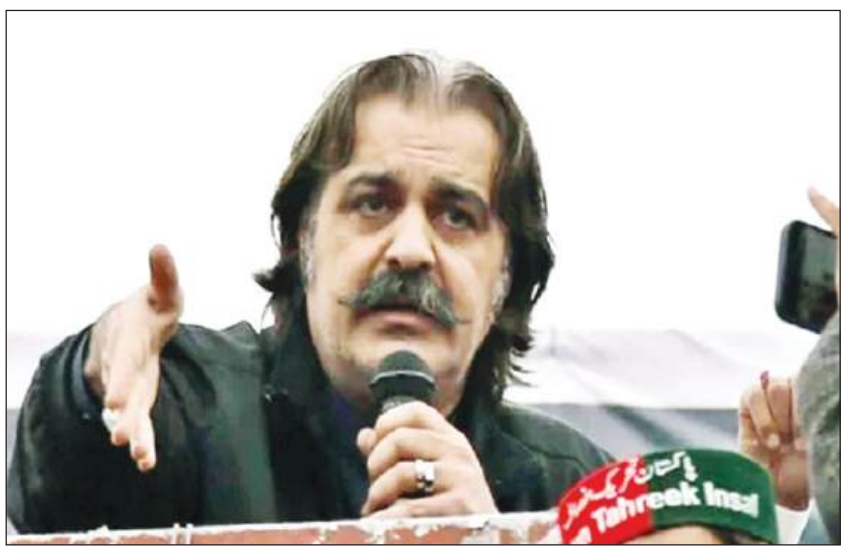

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री गंडापुर की निचली अदालत के गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट पर हाई कोर्ट से गुहार

पेशावर/इस्लामाबाद, 05 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने इस्लामाबाद की एक अदालत के गैर-जमानती वारंट के खिलाफ आज सुबह पेशावर हाई कोर्ट में गुहार लगाई। उन्होंने निचली अदालत के हथियार और शराब की बरामदगी से संबंधित एक मामले में जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट पर अस्थायी जमानत देने की मांग की, ताकि वह संबंधित अदालत में पेश हो सकें।

रिपोर्ट के अनुसार, एक दिन पहले सिविल जज शाइस्ता खान कुंडी ने बाराकाहू पुलिस स्टेशन हाउस ऑफिसर को गंडापुर को गिरफ्तार कर अदालत के सामने पेश करने का आदेश दिया था। इसके बाद पुलिस ने उन्हें तीन बार बुलाया पर वह नहीं गए। उनके वकील राजा जहूरुल हसन ने कहा कि गंडापुर अस्वस्थ हैं।

वह मेडिकल रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। वकील हसन के सहायक फतहुल्लाह बुर्की ने कहा कि बाढ़ के कारण मुख्यमंत्री अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। बाराकाहू पुलिस को गंडापुर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट प्राप्त हो गया है। अदालत ने एसएचओ को तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस्लामाबाद पुलिस ने भी गंडापुर के वकीलों को गिरफ्तारी वारंट की प्रति उपलब्ध कराते हुए कहा है कि इस संबंध में मुख्यमंत्री आवास को भी सूचित किया जा रहा है।

गंडापुर को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का तेजतर्रार नेता माना जाता है। हाई कोर्ट में दाखिल की गई जमानत याचिका में तर्क दिया गया है कि मुख्यमंत्री को बरी करने की एक याचिका पहले से ही लंबित है। गंडापुर ने निचली अदालत के गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट को अमान्य घोषित करने की भी मांग की है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, अक्टूबर 2016 में पांच कलाश्निकोव राइफल, एक पिस्तौल, छह मैगजीन, एक बुलेट प्रूफ जैकेट, तीन आंसू गैस के गोले और शराब की बोतलें बरामद होने के बाद पीटीआई नेता गंडापुर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। गंडापुर तब प्रांतीय मंत्री थे।

न्यूज़ ब्रीफ

रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की हर पहल का का स्वागत करेगा व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन एफ किर्बी ने कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग को समाप्त करने की हर पहल का व्हाइट हाउस स्वागत करेगा। किर्बी ने साफ किया कि इस संबंध में अमेरिका ऐसे हर देश का स्वागत करता है जो यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने में मदद करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हाल में रूस की यात्रा के बाद यूक्रेन की यात्रा कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने टेलीफोनिक बातचीत की। दरअसल किर्बी से बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में इस बातचीत के संबंध में सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि भारत युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभा सकता है। किर्बी ने कहा कि जो भी राष्ट्र इस युद्ध को समाप्त करने में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और वहां के नागरिकों के विशेषाधिकारों और न्यायपूर्ण शांति की योजना को ध्यान में रखते हुए ऐसा करता है तो व्हाइट हाउस निश्चित रूप से स्वागत करेगा।

कुर्स्क सैन्य अभियान में कीव के 10,100 से अधिक सैनिकों की मौत

मॉस्को, 05 सितंबर (एजेंसियां)। रूसी रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने कुर्स्क क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में सैन्य अभियानों के दौरान 10,100 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया और 81 टैंकों को नष्ट कर दिया है।मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कुल मिलाकर, कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियानों के दौरान, यूक्रेन 10,100 से ज्यादा सैनिकों, 81 टैंकों, 41 पैदल सेना से लड़ने वाले वाहनों, 72 बख्तरबंद वाहकों, 589 बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, 325 कारों को गवां चुका है। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में कीव ने कुर्स्क क्षेत्र में 370 सैनिकों और 17 लड़ाकू बख्तरबंद वाहनों को खो दिया।

मंत्रालय ने कहा कि रूसी इकाइयों ने यूक्रेनी सैनिकों के चार हमलों को विफल कर दिया और कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के हमले की कोशिश को विफल कर दिया। उसने यह भी कहा कि कीव 40 सैनिकों, एक अमेरिकी निर्मित स्ट्राइकर बख्तरबंद कार्मिक वाहक, तीन बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और पांच कारों को खो चुका है।

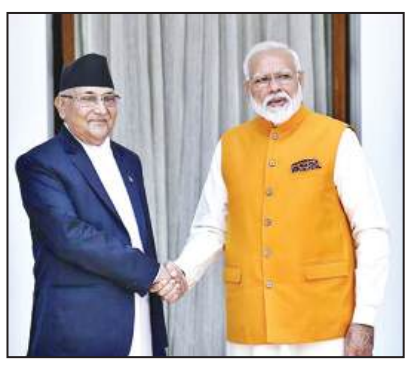

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में ओली-मोदी मुलाकात संभव

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी से ओली ने बैठक से इतर मुलाकात करने की इच्छा जताते हुए आग्रह किया है। संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति के समक्ष विदेशमंत्री राणा ने कहा कि इसके लिए काठमांडू से लेकर दिल्ली तक प्रयास किया जा रहा है। विदेशमंत्री राणा ने कहा कि नेपाल के विदेश मंत्रालय ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास को इसके लिए आधिकारिक पत्र भेजा है। दिल्ली में नेपाली दूतावास के अधिकारी भी भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं । डा. राणा ने हाल में अपने भारत भ्रमण के क्रम में भारतीय प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात की औपचारिक जानकारी भी दी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी से पंचेश्वर परियोजना से लेकर नए हवाई रूट उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही उन्हें नेपाल भ्रमण का निमंत्रण भी दिया गया।

हाई स्कूल में नाबालिग छात्र ने की गोलीबारी, चार की मौत

वाशिंगटन, 05 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के जॉर्जिया में एक हाई स्कूल में 14 वर्षीय एक छात्र ने बुधवार को गोलीबारी कर दी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना के कारण छात्रों को अपनी कक्षा में शरण लेनी पड़ी जिसके बाद उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें फुटबॉल स्टेडियम में भेजा गया। घटना के बाद अपने बच्चों की सलामती जानने के लिए अभिभावक भी स्कूल पहुंच गए। मृतकों में अपालाची हाई स्कूल के दो छात्र और दो शिक्षक शामिल हैं। विंडर अटलांटा से करीब एक घंटे की दूरी पर है। घटना में आठ विद्यार्थियों और एक शिक्षक समेत नौ अन्य लोग घायल भी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना में आठ विद्यार्थियों और एक शिक्षक समेत नौ अन्य लोग घायल

सोफोमोर कायली एबनर ज्यामिती की कक्षा में थीं जब उन्होंने गोली चलने की आवाज सुनी। आवाज सुनकर एबनर और उनकी दोस्त अपनी शिक्षक की डेस्क के नीचे छिप गईं। इसके बाद शिक्षक ने दरवाजे के सामने डेस्क को लगाकर अवरोधक तैयार किया ताकि कोई कक्षा में प्रवेश नहीं कर सके। एबनर ने बताया कि विद्यार्थियों के फुटबॉल स्टेडियम में इकट्ठा होने के बाद उन्होंने देखा कि शिक्षकों ने अपनी कमीज उतारकर घायलों के जख्मों पर पट्टी की। जॉर्जिया जांच ब्यूरो के निदेशक क्रिस होजी ने बताया कि गोली चलने की सूचना मिलने के कुछ ही मिनटों के भीतर स्कूल के दो अधिकारियों ने हमलावर छात्र को रोकने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि संदिग्ध एक स्कूली छात्र है। उसने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया और उसे हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी छात्र पर वयस्क के समान हत्या का मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद संवाददाता सम्मेलन में अधिकारियों ने बताया कि वे इस बात का पता लगा रहे हैं कि संदिग्ध को बंदूक कैसे मिली और वह बैरो काउंटी में स्कूल में कैसे घुसा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने न्यू हैंपशायर में एक चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कहा कि यह बहुत ही अपमानजनक है कि हमारे देश अमेरिका में हर दिन माता-पिता को अपने बच्चों को इस चिंता में स्कूल भेजना पड़ता है कि बच्चा जीवित घर लौट पाएगा या नहीं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक संदेश में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इन प्यारे बच्चों को एक बीमार और विक्षिप्त राक्षस ने बहुत जल्दी हमसे छीन लिया।

जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने एक बयान में कहा कि यह एक ऐसा दिन है जिससे हर माता-पिता डरेंगे और इस दुखद घटना के कारण हर जगह जॉर्जिया के लोग अपने बच्चों को कसकर गले लगाएंगे और उन्हें खुद से दूर नहीं जाने देंगे।

सिंगापुर-भारत व्यापार संबंध बढ़ाने पर सहमत, समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

सिंगापुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। **सिंगापुर और भारत ने व्यापार संबंध बढ़ाने पर सहमत होते हुए आज समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच इनका आदान प्रदान किया गया। सिंगापुर की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अब से कुछ देर पहले इस बारे में एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ चर्चा आज भी जारी रही।**

हमारी बातचीत कौशल, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, एआई और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही। हम दोनों व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर सहमत हुए।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। आपके प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद यह हमारी पहली मुलाकात है। मेरी तरफ से आपको बहुत-बहुत बधाई। मुझे विश्वास है कि फोर जी के नेतृत्व में सिंगापुर और भी तेजी से प्रगति करेगा। सिंगापुर सिर्फ एक देश नहीं है। सिंगापुर हर विकासशील देश के लिए एक प्रेरणा है। हम भी भारत में कई सिंगापुर बनाना चाहते हैं। मुझे खुशी है कि हम इस दिशा में मिलकर प्रयास कर रहे हैं। हमारे बीच जो मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक हुई है, वह एक पथ-प्रदर्शक व्यवस्था है।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की मौजूदगी में भारत और सिंगापुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ एईएम होल्डिंग्स लिमिटेड की सेमीकंडक्टर सुविधा का जायजा लिया।

कनाडा की ट्रूडो सरकार पर गहराया संकट, एनडीपी ने लिया समर्थन वापस

टोरंटो, 05 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो को बड़ा झटका लगा जब उनकी अल्पमत सरकार को समर्थन देने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अपना समर्थन वापस ले लिया है। इसके बाद ट्रूडो को सरकार गिरने का डर सताने लगा है और वह नए गठबंधन की तलाश में जुट गए है। एनडीपी नेता जगमीत सिंह ने 2022 में ट्रूडो के साथ किए समझौते को रद्द करने का ऐलान करते हुए कहा कि उनका धैर्य अब खत्म हो गया है। ट्रूडो ने शुरुआती चुनाव की बातों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता कनाडाई जनता के लिए सामाजिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हम कनाडाई लोगों के लिए काम करेंगे और उम्मीद करते हैं कि अगले चुनाव तक हम अपने कार्यक्रम पूरा कर लेंगे।

समर्थन वापसी के बाद ट्रूडो अब विपक्षी दलों पर निर्भर हो गए हैं। खासकर जब संसद में विश्वास मत की जरूरत होगी। यदि अब चुनाव होते हैं, तो हालिया सर्वे के मुताबिक ट्रूडो की लिबरल पार्टी को हार का सामना करना पड़ सकता है। कनाडा में अगला चुनाव अक्टूबर 2025 में होना है। ट्रूडो 2015 से कनाडा के पीएम हैं, पिछले कुछ सालों से विपक्षी दलों, विशेष रूप से कंज़र्वेटिव पार्टी द्वारा महंगाई और आवास संकट को लेकर आलोचना का सामना कर रहे हैं।

एनडीपी के समर्थन से उनकी सरकार ने कई सामाजिक कार्यक्रमों को लागू किया है, जिनमें से एक राष्ट्रीय डेंटल प्रोग्राम भी है। जगमीत सिंह ने खासकर खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर उनकी निराशा सबसे ज्यादा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि जस्टिन ट्रूडो ने बार-बार कॉर्पोरेट लालच के सामने घुटने टेक दिए हैं। लिबरल्स ने जनता को धोखा दिया है और उन्हें दूसरा मौका नहीं मिलना चाहिए। हालिया सर्वे के मुताबिक एनडीपी तीसरे स्थान पर है, जबकि सिंह ने पीएम पद के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया है।

चीन ने नेपाली व्यापारियों के एक सौ से अधिक कंटेनर 16 दिनों से सीमा पर रोके

काठमांडू, 05 सितंबर (एजेंसियां)। चीन से सामान आयात करने वाले नेपाली व्यापारियों ने शिकायत की है कि उनके द्वारा मंगाए गए समानों से लदे कंटेनर और ट्रक को चीनी सुरक्षाबलों ने पिछले 16 दिनों से रोक कर रखा हुआ है।

आने वाले पर्व त्यौहार को लक्षित करते हुए काठमांडू के व्यापारियों ने चीन से करीब सौ कंटेनर सामान और फल मंगवाए थे। पर व्यापारियों का कहना है कि चीन की तरफ सीमा पर सुरंग बनाए जाने की बात कहते हुए कंटेनर और ट्रकों को रोका गया है। चीन से सामान आयात करने वाले काठमांडू के व्यापारी सुशील पाखरीन ने कहा कि उनके द्वारा मंगाया गया सामान और फल पिछले 16 दिनों से चीन के तातोपानी नाका के पास रोक दिया गया है। उनका कहना है कि यदि समय पर सामान नहीं आया तो बहुत घाटा हो जाएगा। फलों के ट्रक अधिक दिनों तक रखने से सारे फल खराब होने की चिंता भी व्यापारियों की है। तातोपानी में रहे

नेपाली कस्टम ऑफिस के प्रमुख अधिकारी कमल भट्टराई ने कहा कि चीन की तरफ रोक कर रखे गए कंटेनर और ट्रक को वहां से निकालने के लिए चीनी अधिकारियों से समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तातोपानी नाका में चीन कीजिये तरफ सामान के 70 कंटेनर और फलों के 30 ट्रक रोक कर रखे गए हैं। कस्टम अधिकारियों का कहना है कि फलों के ट्रक से दुर्गंध आनी शुरू हो गयी है। भट्टराई ने कहा कि 16 दिनों से रखने के कारण फल सड़ने शुरू हो गए हैं। व्यापारी पखारिन ने कहा कि यदि अगले 10 दिनों में भी कंटेनर काठमांडू नही पहुंचे तो त्यौहार में बिकने वाले समान का कोई मतलब नहीं रहेगा। कंटेनर और ट्रक की देरी से सिर्फ सामान और फल की उपयोगिता ही कम नहीं हो रही है।

इजराइल का गाजा के दीर अल-बलाह में हवाई हमला

हमास के आतंकियों और इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर को बनाया निशाना

गाजा, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइल के सुरक्षा बल (आईडीएफ) मध्य गाजा के दीर अल-बलाह में लगातार हमला कर आतंकवादी संगठन हमास के ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। आईडीएफ ने ताजा हवाई हमला कर हमास और इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर को निशाना बनाया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शिन बेट से अहम जानकारी मिलने के बाद इजराइल की वायुसेना ने गाजा के मानवीय क्षेत्र दीर अल-बलाह में हमास और इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर पर हवाई हमला किया।

कमांड सेंटर में आईडीएफ और इजराइल के खिलाफ हमलों की योजना बनाई जा रही थी। आईडीएफ ने कहा है कि आतंकवादी नागरिक क्षेत्रों का उपयोग करके अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ रहे हैं। वह गाजा के लोगों के जीवन को खतरे में भी डाल रहे हैं। आईडीएफ ने एक्स हैंडल पर इस हमले की जानकारी साझा की है। इसमें कहा गया है कि वायुसेना के विमान ने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में छुपे आतंकवादियों पर लक्षित हमला किया। यह आतंकी दीर अल-बलाह में छुपे हुए हैं। हवाई हमला करने से पहले आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के जोखिम को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए।

फिलिस्तीनी मीडिया के अनुसार, इजराइल के तुबास क्षेत्र में हुए ड्रोन हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। मारे गए लोगों में कुख्यात आतंकवादी जककारिया जुबैदी का 21 वर्षीय बेटा मोहम्मद जुबैदी भी शामिल है। जकारिया का बेटा सितंबर 2021 में छह अन्य कैदियों के साथ गिल्बोआ जेल से भाग गया था।

आईडीएफ ने कहा कि ड्रोन हमलों में फिलिस्तीनी बंदूकधारियों को निशाना बनाया गया। आईडीएफ ने एक बयान में कहा है कि उसने तात्कालिक खतरे को कम करने के लिए मध्य गाजा के दीर अल-बलाह में घनी आबादी के बीछ छुपे आतंकवादियों पर सटीक हमला किया। हमास के आतंकवादी अल-अक्सा शहीद अस्पताल के पास इस्लामिक जिहाद कमांड सेंटर बनाकर रह रहे थे।

स्वामी नारायण मंदिर भारत-यूएई के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण: बिरला

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत यात्रा पर आए संयुक्त अरब अमीरात के संसदीय शिष्टमंडल ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ बैठक की जिसमें श्री बिरला ने कहा कि अबूधाबी का स्वामी नारायण मंदिर भारत और संयुक्त अरब अमीरात के मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण है।

संयुक्त अरब अमीरात के शिष्टमंडल का नेतृत्व रक्षा, आंतरिक और विदेशी मामलों की समिति के प्रमुख डॉ. अली राशिद अल नुआइमी कर रहे हैं। श्री बिरला ने इस मौके भारत और भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सदियों पुरानी सभ्यतागत एवं सांस्कृतिक साझेदारी के इतिहास को उद्धृत करते हुए कहा कि आजादी के बाद से ही दोनों देशों के बीच आम जन के संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक संयुक्त अरब अमीरात में रहते हैं और वहां की प्रगति में अपना योगदान दे रहे हैं ।

उन्होंने दोनों देशों के नागरिकों के बीच पारस्परिक समझ तथा साझेदारी और लोगों के बीच संपर्क को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

उन्होंने भारत में प्रौद्योगिकी, नवाचार और निवेश की प्रबल संभावनाओं की चर्चा करते हुये कहा कि सामूहिक प्रयासों के कारण आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने वर्ष 2022 में अपनी संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा का उल्लेख करते हुये यह विचार व्यक्त किया कि संसदों के बीच नियमित चर्चा संवाद से दोनों देशों के बीच अच्छी समझ विकसित हुई है। उन्होंने वैश्विक और क्षेत्रीय विषयों पर दोनों देशों के बीच आपसी सहमति को दोनों देशों के मजबूत संबंधों का आधार बताया। उन्होंने दोनों देशों में संसदीय शिष्टमंडलों के नियमित रूप से आदान-प्रदान को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिये आवश्यक बताया।

श्री बिरला ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने देशों के विकास और समृद्धि को सुनिश्चित कर रहे हैं। इस सन्दर्भ में उन्होंने सुझाव दिया कि आपसी संवाद से दोनों देशों की संसदें अपनी उपलब्धियों, बेहतर प्रथाएं और नवाचार को आपस में साझा कर सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि दोनों देशों की संसदों की समितियों के बीच नियमित चर्चा संवाद की परंपरा स्थापित होनी चाहिये, ताकि दोनों देश एक दूसरे के अनुभवों से सीख सकें।

उन्होंने भारत की विश्व बंधुत्व की भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत प्रगति के परस्पर लाभकारी रूप को महत्व देता हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि दोनों देश सांस्कृतिक और व्यापारिक आदान-प्रदान की परंपरा को नयी ऊंचाइयां प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पर्यटन को और बढ़ावा मिले। श्री बिरला ने संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय समुदाय का उल्लेख करते हुये प्रसन्नता व्यक्त की कि संयुक्त अरब अमीरात की सरकार द्वारा स्वामी नारायण मंदिर के निर्माण को सुलभ कराया गया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि को मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रमाण है।

इस अवसर पर अल नुआइमी ने दोनों देशों के बीच भाईचारे की भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने आम जन के बीच लोगों के संपर्क पर जोर देते हुये कहा कि दोनों देशों को अपने द्विपक्षीय संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने के लिये प्रयास करना चाहिये। उन्होंने विकास और समृद्धि की ओर ले जाने वाले व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक संपर्कों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के लिये दोनों देशों के दूरदर्शी नेतृत्व की भी सराहना की।

राष्ट्रपति ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 50 शिक्षकों को किया सम्मानित

नयी दिल्ली, 05 सितंबर (वार्ता)
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरुवार को विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में 50 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2024 प्रदान किया।

श्रीमती मुर्मू ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को 50,000 रुपए का नकद पुरस्कार, रजत पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। गौरतलब है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 50 शिक्षकों का चयन किया। इन शिक्षकों में 28 राज्यों, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और छह संगठनों के शिक्षक शामिल हैं। इनमें 34 पुरुष, 16 महिलाएं, दो दिव्यांग और एक दिव्यांग बच्चों के साथ काम करने वाले शिक्षक हैं।इसके अलावा, उच्च शिक्षा विभाग के 16 शिक्षक और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के 16 शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में अविनाशा शर्मा हरियाणा, सुनील कुमार हिमाचल प्रदेश, पंकज कुमार गोया पंजाब, राजिंदर सिंह पंजाब, बलजिंदर बराड़ सिंह राजस्थान, हुकम चौधरी चंद राजस्थान, कुसुम लता गरिया उत्तराखंड, चंद्रलेखा दामोदर मेस्त्री गोवा, चंद्रेशकुमार भोलाशंकर बोरीसागर गुजरात, विनय शशिकांत पटेल गुजरात, माधव पटेल प्रसाद मध्य प्रदेश, सुनीता गोधा मध्य प्रदेश, के. शारदा छत्तीसगढ़, नरसिम्हा मूर्ति एचके कर्नाटक, द्विति चंद्र साहू ओड़ीशा, संतोष कुमार कर ओड़ीशा, आशीष कुमार रॉय पश्चिम बंगाल, प्रशांत कुमार मारिक पश्चिम बंगाल, उर्फनामीन जम्मू कश्मीर, रविकांत द्विवेदी उत्तर प्रदेश, श्याम मौर्य प्रकाश उत्तर प्रदेश, डॉ. मिनाक्षी कुमारी बिहार, सुकेंद्र कुमार सुमन बिहार, के. सुमा अंडमान एंड निकोबर द्वीप, सुनीता गुप्ता मध्य प्रदेश, चारू शर्मा दिल्ली, अशोक सेनगुप्ता कर्नाटक, एच एन गिरीश कर्नाटक, नारायणस्वामी.आर कर्नाटक, ज्योति पंका अरुणाचल प्रदेश, लेफिजो अपोन नागालैंड, नंदिता च ओंगथम मणिपुर, यांकिला लामा सिक्किम, जोसेफ वनलालहुआ सेल मिजोरम, एव-रलास्टी एनजी पाइनग्रोप मेघालय, डॉ.नानी जी देबनाथ त्रिपुरा, दीपेन खानिकर असम, डॉ. आशा रानी झारखंड, जिनु जॉर्ज केरल, के सिवाप रसद केरल, मिडी श्रीनिवास राव आंध्र प्रदेश, सुरेश कुनाट आंध्र प्रदेश, प्रभाकर रेड्डी पेसरा तेलंगाना, थदुरी संपत कुमार तेलंगाना, पल्लवी शर्मा दिल्ली, चारु मैनी हरियाणा, गोपीनाथ आर तमिलनाडु, मुरलीधरन रमिया सेथुरमन तमिलनाडु, इतिर्नत्रिनु चित्रि बेडके महाराष्ट्र और सागर चित्तरंज एन बागड़े महाराष्ट्र शामिल हैं।

दमहाल-हांजीपोरा में विभाजित वोटों पर टिका सकीना इट्टू का भविष्य

जम्मू, 05 सितंबर।
इस बार के विधनसभा चुनावों में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में दमहाल-हंजीपोरा सीट पर कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी, क्योंकि पूर्व मंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) की उम्मीदवार सकीना इट्टू को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के पुराने और नए उम्मीदवारों के बीच विभाजित वोटों का सामना करना पड़ेगा। पीडीपी के वोटों के विभाजन से नेकां की इट्टू को फायदा हो सकता है, जो 2014 में अब्दुल मजीद पद्दर से हारने के बाद तीसरी बार सीट जीतने का लक्ष्य बना रही हैं।

दमहाल हंजी पोरा (डीएच पोरा) उच्च मतदान के लिए जाना जाता है, और इस चुनाव में नए रिकार्ड बन सकते हैं। पीडीपी के पिछले उम्मीदवार, अब मजीद पद्दर, जिन्होंने 2014 में सीट जीती थी, तब से अपनी पार्टी में शामिल हो गए हैं और इस चुनाव में अपनी पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं।

विश्लेषकों के अनुसार, पद्दर के पास निर्वाचन क्षेत्र में मजबूत वोट शेयर है, जो उन्हें इट्टू के लिए एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी बना सकता है, जिन्होंने 2014 में उनके खिलाफ संघर्ष किया था। पीडीपी के नए उम्मीदवार गुलजार अहमद डार, जो डीडीसी के सदस्य भी हैं, के एक मजबूत दावेदार होने की उम्मीद है। क्षेत्र में नेकां और पीडीपी के बीच लंबे समय से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता को देखते हुए, उनके चुनाव में उतरने से परिणाम प्रभावित हो सकते हैं।

यह सीट पारंपरिक रूप से नेशनल कॉन्फ्रेंस का गढ़ रही है, जिसमें सकीना इट्टू दो बार जीत चुकी हैं और उनके पिता वली मोहम्मद इट्टू चार बार निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। पीडीपी ने 2002 और 2014 में सीट जीती थी, लेकिन नए उम्मीदवार को पिछली सफलताओं को दोहराने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पिछले चुनावों में, वोटों की गिनती ने इस सीट की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को दिखाया। 2014 में, पीडीपी के अब्दुल मजीद पद्दर ने 28,698 वोट हासिल किए, जबकि सकीना इट्टू को लगभग 25,000 वोट मिले। 2008 में सकीना इट्टू ने 16,240 वोटों के साथ जीत हासिल की थी, जबकि पीडीपी के अब्दुल अजीज जरगर को 11,722 वोट मिले थे।

2002 में पीडीपी के जरगर को 3,616 वोट मिले थे, जबकि सकीना इट्टू को 3,301 वोट मिले थे। 1996 में सकीना इट्टू को 12,553 वोट मिले थे, जबकि जनता दल के गुलजार डार को 7,694 वोट मिले थे। सकीना के पिता वली मोहम्मद इट्टू ने 1972, 1977, 1983 और 1987 के चुनावों में इस सीट पर जीत हासिल की थी। इससे पहले 1967 में कांग्रेस के अब्दुल अजीज जरगर और 1962 में नेशनल कॉन्फ्रेंस के गुलाम हसन खान ने जीत हासिल की थी। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 99,037 मतदाता पंजीकृत हैं, जिसका नाम परिसीमन के बाद नूराबाद से बदलकर दमहाल-हंजीपोरा कर दिया गया था। इस सीट पर 18 सितंबर को जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण में चुनाव होगा।

गंदरबल से उमर अब्दुल्ला को लगता है डर

इसीलिए बडगाम को भी साधे चल रहे हैं

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 05 सितंबर।
नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एक बार फिर उस गंदरबल से किस्मत आजमाने जा रहे हैं जो उनके साथ एक बार गदर कर चुका है। हालांकि वर्ष 2002 के विधानसभा चुनावों में उमर अब्दुल्ला के साथ गदर करने वाले गंदरबल ने 2004 के लोकसभा चुनावों में उनमें विश्वास व्यक्त किया था। इसलिए वे इस बार गंदरबल के साथ ही बडगाम से भी चुनाव मैदान में उतरे हैं।

अब एक बार फिर उमर अब्दुल्ला को उस गंदरबल विधानसभा क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया है जहां से तीन बार उनके अब्बाजान डॉ. फारूक अब्दुल्ला और एक बार दादा मरहूम

शेख मुहम्मद अब्दुल्ला चुनाव जीत चुके हैं। वे जिस गंदरबल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने जा रहे हैं वहां से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला तीन बार (वर्ष 1987, वर्ष 1983 तथा वर्ष 1996 में) चुनाव जीत चुके हैं तथा उनके दादा स्व शेख मुहम्मद अब्दुल्ला ने भी वर्ष 1977 में इसी विधानसभा सीट से विजय पाई थी। पर वर्ष 2002 के विधानसभा चुनावों में उमर अब्दुल्ला की हार के प्रति यह चौंकाने वाला तथ्य था कि वे उस गंदरबल सीट से चुनाव हारे थे जिसे नेशनल कॉन्फ्रेंस और अब्दुल्ला परिवार का पारंपारिक विधानसभा क्षेत्र और गढ़ कहा जाता रहा था। तब उमर अब्दुल्ला को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के काजी मुहम्मद अफजल ने मात्र दो हजार वोटों के अंतर से हरा दिया था।

वर्ष 2004 में जब लोकसभा चुनाव हुए तो परिदृश्य कुछ बदला हुआ था। श्रीनगर संसदीय क्षेत्र के 15 विधानसभा क्षेत्रों में से जिन 12 में उमर अब्दुल्ला ने बढ़त हासिल की थी उनमें गंदरबल भी था जहां से उमर अब्दुल्ला को 16414 वोट मिले थे वहीं पीडीपी उम्मीदवार 11513 वोट ही वटोर पाया था। एक बार फिर उमर अब्दुल्ला उस मिथ्य को बरकरार रखने की कोशिशों में जुट गए हैं जिसमें कहा जाता है कि गंदरबल उनकी खानदानी सीट है। वे चाहते हैं कि इस बार गंदरबल उनके साथ गदर न करे। इसके लिए उन्होंने लोकसभा चुनाव जीतने के बाद से ही इंतजाम करने आरंभ किए थे। विकास कार्यों में गंदरबल को काफी अहमियत दी गई थी। अर्थात पिछले कई सालों की विकास की फसल को वे अब काटने की तैयारी में हैं।

वकालत करने वाले भी अब बड़ी संख्या में चुनाव मैदान में

जम्मू, 05 सितंबर।
जम्मू कश्मीर में इस बार के विधानसभा चुनावों में वकीलों के रूप एक उल्लेखनीय प्रवृत्ति उभर कर सामने आई है जो आमतौर पर अदालतों में वकालत करते देखे जाते हैं, अब जनता के सामने अपने मामलों पर बहस करने के लिए राजनीतिक भूमिका निभा रहे हैं। राजनीति में कानूनी पेशेवरों की रुचि में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, क्योंकि विभिन्न राजनीतिक दल इन व्यक्तियों पर अपना भरोसा जता रहे हैं। यह इसी से साबित होता है कि अभी तक मैदान में उतरने वले उम्मीदवारों में से विभिन्न दलों ने 17 वकीलों को उम्मीदवार बनाया है।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने विशेष रूप से कानूनी पेशेवरों पर मजबूत भरोसा दिखाया है, राजौरी-पुंछ क्षेत्र की आठ विधानसभा सीटों में से छह पर वकील उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अपनी पार्टी सहित अन्य दलों ने भी वकीलों को नामांकित करके इसका अनुसरण किया है, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने अभी तक किसी भी वकील उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है।

पेशेवरों की भागीदारी में यह उछाल केवल वकीलों तक ही सीमित नहीं है। पीडीपी, भाजपा, अपनी पार्टी और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा अब तक घोषित उम्मीदवारों में से करीब 30 व्यक्ति कानून, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और शिक्षा जैसे व्यवसायों से संबंधित हैं। वकीलों के बाद, डाक्टर दूसरे सबसे अधिक

प्रतिनिधित्व वाले पेशेवर समूह के रूप में उभरे हैं, जिसमें सात उम्मीदवार मैदान में हैं। पीडीपी और नेकां दोनों ने अनंतनाग से डाक्टरों को अपना उम्मीदवार चुना है। भाजपा ने भी दो डाक्टर उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। रामगढ़ से डा दविंदर मनियाल और जम्मू के आरएस पुरा से डा नरेंद्र रैना। इसके अलावा, भाजपा ने एक प्रोफेसर और एक इंजीनियर पर भरोसा दिखाया है, जो सु-चेतगढ़ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

इसी तरह, पीडीपी ने पहलगाम और अनंतनाग से क्रमशः डॉ. शब्बीर और महबूब बेग को उम्मीदवार बनाया है, जबकि जम्मू पश्चिम से एक इंजीनियर को भी मैदान में उतारा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अनंतनाग और उड़ी से क्रमशः डा वशीर और डा सज्जाद पर अपना भरोसा जताया है। पार्टी ने त्रेहगाम से एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश और एक इंजीनियर के साथ-साथ एक डाक्टर उम्मीदवार डा नूर-उद्दीन को भी मैदान में उतारा है।

आधुनिक तकनीक से किसानों को सशक्त बना रही योगी सरकार

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)।
किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ उनकी कृषि संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए योगी सरकार अनेक कदम उठा रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने गुरुवार को इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईएफसी) के सहयोग से और यूरोपीय यूनियन के कार्यक्रम एवं गूगल के साथ साझेदारी में, एग-टेक स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य कृषि को आधुनिक बनाने वाली पहलों का प्रदर्शन करना और राज्य में कृषि के भविष्य पर चर्चा करना है। उल्लेखनीय है कि एग-टेक स्टार्ट-अप समिट एक ऐसा मंच प्रदान करता है जिसमें देश भर के 25 से अधिक एग टैक्स, नीति निर्माता, निवेशक, शिक्षा जगत के प्रतिनिधि और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे पारिस्थितिकी तंत्र निर्माताओं के साथ मिलकर, कृषि आय और स्थिरता को बढ़ाने के लिए अनुकूलित प्रौद्योगिकियों और समाधानों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

होटल ताज में आयोजित एगटेक स्टार्ट-अप शिखर सम्मेलन-2024 में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने विजन डॉक्यूमेंट फ़ॉर एगटेक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सिर्फ भारत के लिए ही नहीं,

बल्कि दुनिया के लिए कृषि का पावर हाउस है। कृषि को प्रभावित करने वाली दो महत्वपूर्ण चीजें हैं, वेदर और प्राइसिंग। इन दोनों से किसानों और कृषि को निजात दिलाने के लिए आईएफसी और वर्ल्ड बैंक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस युग में टेक्नोलॉजी और डिजिटल तकनीक का उपयोग बहुत महत्वपूर्ण है। कृषि विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत कुछ वर्षों से इस इनीशिएटिव को आगे बढ़ाया है। इसमें किसानों के जीवन के साथ-साथ कृषि में सकारात्मक बदलाव करने की क्षमता है। एगटेक इसमें मददगार होगा। यह किसानों की तमाम तरह की समस्याओं का समाधान करेगा, जैसे किसानों को कम पैसे में पूरा क्रेडिट मिल जाए। प्रत्येक किसान को उसके उत्पादन की अधिक से अधिक कीमत मिले।

इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका गर्ग ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री जी के विजन के अनुरूप किसानों की आय को दोगुना करने का प्रयास कर रही है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश पहले ही एग्रीस्टैक के साथ डिजिटल कृषि के क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। भारत सरकार ने डिजिटल कृषि को लेकर सॉइल हेल्थ टेस्टिंग समेत कई प्रस्तावों की घोषणा की है। इसको देखते हुए हम प्राइवेट सेक्टर के साथ और अधिक साझेदारी पर फोकस कर रहे हैं। आईएफसी की कंट्री मैनेजर भारत एवं मालदीव वेंडी वर्नर ने कहा कि उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर के क्षेत्र में काफी अच्छा कर रहा है और इसमें काफी पोटेंशियल है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए यूपी में एक साथ काम कर रहे हैं कि प्राइवेट सेक्टर इनोवेटिव सॉल्यूशंस का एक महत्वपूर्ण माध्यम हो सकता है। हमने भारत में करीब 9 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। मालूम हो कि सम्मेलन में स्टार्टअप्स की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बुआई से लेकर कटाई के बाद के समाधान और नव-ाचारी बाजार तक पहुंच के समाधान शामिल होंगे।

सुल्तानपुर सराफा डकैती कांड

एक आरोपी एसटीएफ से मुठभेड़ में ढेर दूसरा फरार

सुल्तानपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)।
यूपी एसटीएफ की बृहस्पतिवार भोर में सराफा डकैती कांड में शामिल दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश मौके से भाग निकला, लेकिन दूसरे बदमाश मंगेश यादव को गोली लगी। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक ने उसे मरा हुआ घोषित कर दिया। मंगेश यादव जौनपुर जिले के अहरौरा थाना बक्सा का रहने वाला था।

28 अगस्त को शहर के ठठेरी बाजार में भरत जी सोनी की दुकान में डकैती हुई थी। पांच डकैत करीब डेढ़ करोड़ का सामान समेट कर भाग निकले थे। उन्हीं की तलाश में एसटीएफ समेत पुलिस की सात टीमों को लगाया गया था। आज भोर में दो बदमाश बाइक से हनुमान गंज बाईपास के पास से निकल रहे थे, तभी सीओ डीके शाही की अगुआई में एसटीएफ व कोतवाली देहात पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया। दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चली। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश भाग निकला। डकैती के आरोपी मंगेश मुठभेड़ में ढेर हो गया। इससे पूर्व मंगलवार भोर में भी पुलिस ने मुठभेड़ में इसी मामले में अमेठी के सचिन सिंह, त्रिभुवन और पुष्पेंद्र को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। अभी भी 10 बदमाशों की पुलिस को तलाश है, जो इस वारदात में शामिल थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

रचनात्मक शौक़ आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आर्थिक पक्ष के मज़बूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी। आज आप इश्क़ की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफ़ी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफ़े में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्च की वजह से जीवनसाथी से खट-पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने-संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी-मज़ाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 06 सितंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 03:03 तक
नक्षत्र : हस्त प्रातः 09:25 तक
योग : शुक्ल रात्रि 10:13 तक
करण : गर दोपहर 03:03 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 11:01 तक
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : हरितालिका तीज , मन्वादि तिथि , भद्रा उत्तर रात्रि 04:21 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

विकसित राजस्थान की यात्रा में शिक्षक बड़े साझेदार : भजनलाल

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान की यात्रा में शिक्षकों को बड़े साझेदार बताते हुए कहा है कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं, वे नवपीढ़ी में चरित्र-निर्माण की मजबूत नींव डाल कर सक्षम नागरिक बना रहे हैं तथा उनकी शिक्षा-ज्ञान से ही मनुष्य विचारशील और करुणा एवं सहानुभूति के भाव से समृद्ध होता है और एक प्रगतिशील एवं समावेशी समाज बनाता है।

श्री शर्मा गुरूवार को बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोपरि रहा है। शिक्षक प्रतिबद्धता और परिश्रम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं और समर्पण एवं निष्ठा से विद्यार्थियों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं। इसलिए विद्यालय केवल अच्छे भवन, महंगे उपकरण या सुविधाओं से नहीं बल्कि शिक्षकों के अमूल्य ज्ञान से बनता है। श्री शर्मा अपने शिक्षक शंकरलाल शर्मा को देखकर भावुक हो गए और वह मंच से उतरे, गुरु के चरण स्पर्श किए, उन्हें अपने निकट बैठाया एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक अपने शिष्यों की सफलता के लिए अथक परिश्रम करते हैं। वे एक कुम्हार की तरह होते हैं जो मिट्टी को अपने अनुभव से गूंथता है और एक सुंदर प्रतिमा बनाता है। उनके समर्पण का कोई मोल नहीं है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने बाल्यकाल में शिक्षा प्राप्त करने के अनुभव भी मंच से साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उनके असाधारण व्यक्तित्व एवं शिक्षा में उनके अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य संबंध की समृद्ध परंपरा को पुनर्जीवित करने के क्रम में राज्य सरकार विश्वविद्यालय के कुलपतियों को कुलगुरु की पदवी से नवाजे जाने की परंपरा शुरू करने जा रही है।

श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गांव से लेकर शहर तक शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए महत्वाकांक्षी योजनाओं-कार्यक्रमों पर निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने राजकीय विद्यालयों में कक्षा-कक्ष, लैब, पुस्तकालय, शौचालयों के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये और 750 स्कूलों की बिल्डिंग की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। साथ ही हम स्कूल और कॉलेज में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम के माध्यम से एक लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित कर रहे हैं। आगामी दो वर्षों में राज्य सरकार 20 आईटीआई और 10 पॉलिटेक्निक कॉलेज भी खोलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में परंपरागत शिक्षण पद्धतियों के साथ-साथ नवाचारों के लिये भी राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में स्कूलों, कॉलेजों में स्टेट स्किल पॉलिसी, अटल एन्टरप्रन्योरशिप प्रोग्राम, अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्से-लरेटर, लर्न, अर्न एण्ड प्रोग्रेस (लीप) प्रोग्राम, डिजिटल प्रवेशोत्सव इत्यादि के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 70 हजार विद्यालयों के 80 लाख विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण सर्वे भी कराया गया है। इसमें चिह्नित विद्यार्थियों को स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के अंतर्गत उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा प्रतिभाशाली हैं। उनमें प्रदेश के शिक्षा के ढांचे को और उन्नत करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के योगदान से प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में शीघ्र ही सिरमौर बनेगा। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि जहां भी आवश्यकता होगी वहां विद्यालयों का क्रमोन्नयन होगा और नए विषय भी प्रारंभ होंगे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेशभर में शिक्षकों द्वारा बेहतरीन काम किया जा रहा है। इस शैक्षिक वर्ष में विद्यार्थियों के अच्छे परीक्षा परिणाम भी आए हैं। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेशभर में सात करोड़ वृक्षार-ोपण के लक्ष्य के क्रम में शिक्षा विभाग ने अकेले ही दो करोड़ 50 लाख का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि गत पांच जुलाई को राज्यभर में तीन करोड़ 58 लाख पुस्तकें विद्यार्थियों को दी जा चुकी हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने 11 मेधावी विद्यार्थियों को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए और शिक्षक सम्मान पुस्तिका एवं शिविरा का विमोचन भी किया। साथ ही प्रदेशभर में 55 हजार 800 विद्याार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद थे।

मंत्री रणजीत सिंह ने दिया इस्तीफा टिकट न मिलने से थे खफा

सिरसा, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री चौधरी रणजीत सिंह चौटाला ने गुरुवार को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। रणजीत सिंह भाजपा द्वारा रानियां विधानसभा क्षेत्र से टिकट न देने के कारण खफा हैं। उन्होंने आज रानियां विधानसभा क्षेत्र से आजाद प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पहली सूची बीती देर शाम जारी की गई थी, इस सूची में रानिया विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के जिला अध्यक्ष शीशपाल कंबोज को टिकट दिया गया है। बता दें की रणजीत सिंह ने पिछले लोकसभा चुनाव में ही भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली थी उसी दिन भाजपा ने उनको हिसार लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बना दिया था वे हिसार में कांग्रेस के जयप्रकाश जेपी से चुनाव हार गए थे। हिसार संसदीय क्षेत्र से चौधरी रणजीत सिंह के सामने इन्हीं के परिवार की दो बहुएं नैना चौटाला जननायक जनता पार्टी व सुनैना चौटाला इंडियन नेशनल लोकदल से प्रत्याशी के तौर पर सामने आ खड़ी हुई थीं। अब रानिया विधानसभा क्षेत्र में रणजीत सिंह के सामने इंडियन नेशनल लोकदल के प्रत्याशी अर्जुन चौटाला खड़े हुए हैं। जिससे दादा पोता फिर आमने-सामने है। यहां भाजपा ने पार्टी के जिलाध्यक्ष शीशपाल कंबोज को प्रत्याशी बनाया है।

प्रत्याशी सूची आने के बाद रणजीत सिंह ने आज अपने समर्थकों की एक बैठक अपने सिरसा स्थित आवास पर बुलाई। अपने खास समर्थन के साथ बार-बार राय मशविरा किया। सलाह के बाद रणजीत सिंह ने रानी से चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। इसके तुरंत बाद रणजीत सिंह के पौत्र सूर्य प्रकाश ने उनके आवास पर लगे भारतीय जनता पार्टी के झंडे को उखाड़ फेंका।

रणजीत सिंह ने अपने फैसले बड़े मीडिया को बताते हुए कहा कि उनके पास सुबह से भारतीय जनता पार्टी के सिर्फ नेतृत्व के लोगों के फोन आ रहे हैं उन्होंने पुन कांग्रेस में जाने की अटकलें पर भी विराम लगाया। उन्होंने बताया कि वह 8 सितंबर को रानिया विधानसभा क्षेत्र में एक मार्च निकालने के बाद अपना चुनाव प्रचार अभियान छेड़ेंगे।

शिक्षकों का सम्मान स्वस्थ परंपरा : बागडे

अजमेर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने शिक्षकों के सम्मान को स्वस्थ परम्परा बताते हुए कहा है कि शिक्षक विद्यार्थी के जीवन को गढ़ते हैं और उन्हें संस्कारित कर सुनागरिक बनाते हैं, इसलिए शिक्षक समाज में वंदनीय है।

श्री बागडे गुरूवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय बान्दर सिन्दरी किशनगढ़ में आयोजित टीचर एक्सीलेंस अवार्ड सेरिमनी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान किया और आजादी के मतवाले प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसमें राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व उत्सर्ग करने वाले देशभक्तों के योगदान को इसमें प्रदर्शित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि आजादी का इतिहास 1857 से लेकर 1947 तक करीब नब्बे साल का रहा है। इसे सभी को पढना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का प्रदर्शन देखकर बहुत अच्छा अनुभव हुआ है। इसे भविष्य में भी बनाए रखने की कामना की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। किसी भी राष्ट्र के लिए वहां की उच्च शिक्षा समृद्ध सांस्कृतिक और वैज्ञानिक संपत्ति है। इससे विद्यार्थियों का व्यक्तिगत विकास ही नहीं होता बल्कि देश भी आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक रूप में सुदृढ होता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा कल का राष्ट्र उपासक और संरक्षक बने। यही नीति शिक्षा देने वाले शिक्षको की भी हो। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने में समर्थ करने वाली शिक्षा का प्रसार हमारे यहां किया जाए। इससे पहले उन्होंने केंद्रीय विश्वविद्यालय में नेशनल हाइड्रोइलैक्ट्रिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) के सहयोग से 700 किलो वाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट का लोकार्पण भी किया।

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनन्द भालेराव ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से गुरु शिष्य परम्परा रही है। इसके माध्यम से मिले वेद, विज्ञान, कला, ज्योतिष एवं साहित्य के ज्ञान ने भारत को विश्व गुरु बनाया।

समारोह में आईआईटी रूड़की के प्रो. कौशिक पाल, आईआईटी दिल्ली के प्रो. कुमार नीरज झा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा की डॉ. अनिता कुमारी और एमएनआईटी जयपुर की डॉ. निरजा सारस्वत को टीचर एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए. रविन्द्र नाथ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सोने की तस्करी का भंडाफोड़

पश्चिम एक्सप्रेस से डेढ़ करोड़ के गहने व पांच लाख नकद बरामद, दो गिरफ्तार

अंबाला, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में अमृतसर से मिली मुखबिर की सूचना पर जब आरपीएफ ने पश्चिम एक्सप्रेस में दबिश दी तो एक व्यक्ति को डेढ़ करोड़ रुपये के सोने और दूसरे को पांच लाख रुपये के साथ पकड़ लिया। दोनों व्यक्तियों की पहचान अमृतसर निवासी गगनदीप और अशोक कुमार के तौर पर हुई है जोकि सोने व कपड़े के व्यापारी बताए गए है। उक्त जानकारी दोनों से प्राथमिक पूछताछ के दौरान सामने आई है। प्राप्त जानकारी अनुसार दोनों व्यक्ति अमृतसर से ट्रेन नंबर 12926 में गुरुवार सुबह सवार हुए थे। इस दौरान गगनदीप तृतीय एसी कोच बी-2 में और अशोक कुमार प्रथम श्रेणी एसी कोच नंबर ए-3 में सफर कर रहा था।

उक्त जानकारी दोनों से प्राथमिक पूछताछ के दौरान सामने आई है। प्राप्त जानकारी

अनुसार दोनों व्यक्ति अमृतसर से ट्रेन नंबर 12926 में गुरुवार सुबह सवार हुए थे। इस दौरान गगनदीप तृतीय एसी कोच बी-2 में और अशोक कुमार प्रथम श्रेणी एसी कोच नंबर ए-3 में सफर कर रहा था। ट्रेन के रवाना होते ही मुखबिर ने इसकी जानकारी आरपीएफ के उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद ट्रेन में छापामारी और आगामी कार्रवाई के लिए आरपीएफ व सीआईबी टीम को लुधियाना रेलवे स्टेशन पर भेज दिया गया। ट्रेन जैसे ही लुधियाना रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो तुरंत टीम मुखबिर द्वारा बताए गए कोचों में दाखिल हो गई और दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया। जब उनके पास रखे ट्राली बैग की जांच की गई तो एक के बैग से सोने के गहने तो दूसरे के ट्राली बैग से पांच लाख रुपये नगद बरामद हुए।

ट्रेन के अंबाला कैंट पहुंचने पर उन्हें कोच से उतारकर पूछताछ के लिए आरपीएफ पोस्ट पर लाया गया। यहां जब गगनदीप से गहनों को लेकर बिल मांगे गए तो उन्होंने एक कच्ची पर्ची दिखाई जोकि अमान्य थी। वहीं नगदी को लेकर भी जब अशोक से बात की गई तो वो भी कोई जानकारी नहीं दे पाया। मामले की सूचना मिलते ही इनकम टैक्स के अधिकारी भी रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए। आरपीएफ ने पहले विस्तार से उन्हें मामले की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने दोनों व्यक्तियों से अलग-अलग पूछताछ शुरु कर दी। वहीं आरपीएफ ने आगामी कार्रवाई के लिए दोनों व्यक्तियों को सोने के गहनों सहित इनकम टैक्स अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया।

इस बाबत प्रभारी आरपीएफ जावेद खान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि पश्चिम एक्सप्रेस में करोड़ों रुपये की सोने की तस्करी होने वाली है। इसके आधार पर लुधियाना-अंबाला रेल सेक्शन पर ट्रेन में जांच की गई तो गगनदीप नाम व्यक्ति से डेढ़ करोड़ रुपये के सोने के गहने व कुछ नकली गहने और अशोक से पांच लाख रुपये नगद बरामद हुए जोकि आगामी कार्रवाई के लिए इनकम टैक्स विभाग के सुपुर्द कर दिए हैं।

श्रीगंगानगर जिले में एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने श्रीगंगानगर जिले में सूरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं एजीटीएफ) दिनेश एम एन ने गुरुवार को बताया कि हिस्ट्रीशीटर आत्माराम विश्नोई (50) को गिरफ्तार किया हैं। श्री एम एन ने बताया कि गैंगस्टर, हार्डकोर, वांछित इनामी अपराधियों आदि के बारे में आ-सूचना संकलन के लिए अलग-अलग शहरों में टीमें भेजकर जानकारी जुटाई जा रही है और इसी के तहत पुलिस टीम को सूरतगढ़ थाना के प्रकरण में वांछित एवं 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त के बारे में मिली आसूचना पर आरोपी की गतिविधियों का पता लगाकर सूरतगढ़ भेजा गया।

उन्होंने बताया कि टीम ने सूरतगढ़ शहर एवं आसपास के इलाकों में लगभग 30

किलोमीटर पैदल घूमकर अपर-ाधी के संभावित ठिकानों को चिह्नीत कर उसका पीछा किया तथा स्थानीय पुलिस के सहयोग से सूरतगढ़ के बीकानेर सर्किल पर एजीटीएफ टीम ने घेराबन्दी कर दबिश दी। पुलिस टीम को देख हिस्ट्रीशीटर अपनी स्कोर्पियो गाड़ी को तेज गति से भगा कर ले जाने लगा लेकिन टीम ने स्कोर्पियो के आगे एवं पीछे पुलिस वाहन लगाकर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी आत्माराम विश्नोई हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, अवैध हथियार व मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में विभिन्न थानों के 24 आपराधिक प्रकरणों में वांछित चल रहा था। आरोपी थाना सूरतगढ़ का हिस्टीशीटर एवं हार्ड कोर अपराधी है। श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक द्वारा डकैती के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

श्रीगंगानगर जिले में एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने श्रीगंगानगर जिले में सूरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक इनामी एवं कुख्यात हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया हैं। श्री एम एन ने बताया कि गैंगस्टर, हार्डकोर, वांछित इनामी अपराधियों आदि के बारे में आसूचना संकलन के लिए अलग-अलग शहरों में टीमें भेजकर जानकारी जुटाई जा रही है और इसी के तहत पुलिस टीम को सूरतगढ़ थाना के प्रकरण में वांछित एवं 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त के बारे में मिली आ-सूचना पर आरोपी की गतिविधियों का पता लगाकर सूरतगढ़ भेजा गया। उन्होंने बताया कि टीम ने सूरतगढ़ शहर एवं आसपास के इलाकों में लगभग 30 किलोमीटर पैदल घूमकर अपराधी के संभावित ठिकानों को चिह्नीत कर उसका पीछा किया तथा स्थानीय पुलिस के सहयोग से सूरतगढ़ के बीकानेर सर्किल पर एजीटीएफ टीम ने घेराबन्दी कर दबिश दी। पुलिस टीम को देख हिस्ट्रीशीटर अपनी स्कोर्पियो गाड़ी को तेज गति से भगा कर ले जाने लगा लेकिन टीम ने स्कोर्पियो के आगे एवं पीछे पुलिस वाहन लगाकर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी आत्माराम विश्नोई हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, अवैध हथियार व मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में विभिन्न थानों के 24 आपराधिक प्रकरणों में वांछित चल रहा था।

श्री गणेश चतुर्थी कल

बप्पा की पूजा के समय न करें कोई गलती

गणेश चतुर्थी से हर साल गणेश उत्सव की शुरुआत होती है। चतुर्थी को भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश सभी प्रकार की बाधाओं को दूर करने वाले और शुभ परिणाम देने वाले माने जाते हैं। इस दिन भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की जाती है और दस दिनों तक उनकी पूजा की जाती है।

हर साल भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि को यह त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार आमतौर पर अगस्त या सितंबर के बीच आता है। गणेश चतुर्थी के दिन कुछ ज्योतिषीय उपाय कर लिए जाएं, तो कई तरह की परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

गणेश उत्सव की शुरुआत

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 6 सितंबर को दोपहर 3.01 बजे शुरू होगी और अगले दिन यानी 7 सितंबर को शाम 5.37 बजे समाप्त होगी।

उदया तिथि के अनुसार इस साल गणेश चतुर्थी 7 सितंबर, शनिवार को मनाई जाएगी। इस दिन गणेश जी की मूर्ति स्थापित की जाएगी और व्रत रखा जाएगा।

गणेश चतुर्थी पर इन बातों का रखें ध्यान

बप्पा की विधिवत पूजा

गणेश चतुर्थी के दौरान भगवान गणेश की पूजा करें। गणेश जी की मूर्ति स्थापित करें और उन्हें मोदक, लड्डू और ताजे फूल चढ़ाएं। चतुर्थी के दिन उनकी पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

जरूरतमंदों की मदद करें

गणेश चतुर्थी के अवसर पर गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन या कपड़े दान करें। इस दिन दान करने से भगवान गणेश की विशेष कृपा मिलती है।

इन मंत्रों का करें जाप

गणेश चतुर्थी के दौरान ओम गं गणपतये नमः या ओम विघ्नेश्वराय नमः मंत्र का जाप करें। भगवान गणेश की कृपा पाने के लिए यह मंत्र उपयोगी है।

बप्पा को भोग लगाएं

भगवान गणेश को घर में बने मोदक का भोग लगाएं। मोदक बप्पा का प्रिय प्रसाद माना जाता है। ऐसा करने से गणेश जी का आशीर्वाद मिलता है।

गणेश चालीसा का पाठ

गणेश चतुर्थी पर गणेश चालीसा का पाठ करें। इस दिन गणेश चालीसा का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। इस तरह आपको जीवन में चल रहे कष्टों से राहत मिलेगी।

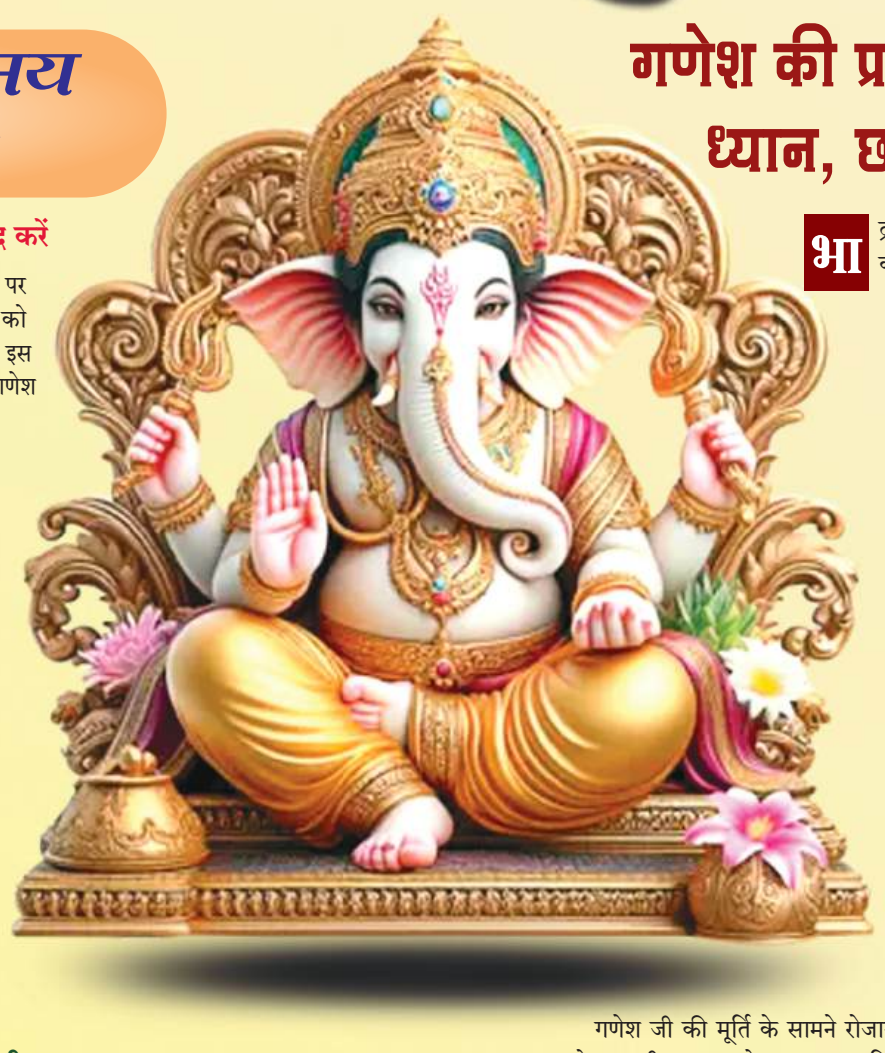

गणेश की प्रतिमा खरीदते समय 4 बातों का रखें ध्यान, छप्पड़ फाड़ बरसेगी बप्पा की कृपा

भाद्रपद में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी (7 सितंबर 2024) को दस दिन के लिए घर-घर में श्रीगणेश को विराजित किया जाएगा। इसके साथ ही सुख-समृद्धि की कामना के लिए आठों प्रहर सेवा की जाएगी। वैसे तो श्रीजी शुभता का प्रतीक हैं। इसके बाद भी मान्यता है कि प्रथम पूज्य गणपति को विराजित करने से पहले तीन प्रमुख बातों का ध्यान सनातन धर्मावलंबी रखते हैं।

मध्य प्रदेश में ग्वालियर के ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि हर महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को गणेश जी की पूजा की जाती है, लेकिन भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी का महत्व पौराणिक मान्यताओं में सबसे खास माना गया है। इस दिन गणेश उत्सव पूरी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी को लोग अपने-अपने घरों में गणपति को बैठाते हैं और अनंत चतुर्दशी के दिन 17 सितंबर को गणपति जी का विसर्जन किया जाएगा।

गणेश प्रतिमा खरीदते समय 4 बातों का रखें ध्यान

पहली: गणेशजी की प्रतिमा मिट्टी की बनी होना चाहिए।

दूसरी: सूंड़ बाईं तरफ झुकी होना शुभ माना जाता है।

तीसरी: गणेश जी आराम की मुद्रा में बैठे हुए होना चाहिए।

चौथी: एक हाथ में मोदक, दूसरा आशीर्वाद की मुद्रा में हो।

गणेश चतुर्थी पूजा शुभ मुहूर्त

गणेश चतुर्थी छह सितंबर को दोपहर में तीन बजकर एक मिनट से आरंभ होगी और उसके बाद सात सितंबर को शाम पांच बजकर 37 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार गणेश चतुर्थी सात सितंबर को मनाई जाएगी।

घर में इस विधि से करें गणपति की पूजा

गणेश जी की मूर्ति के सामने रोजाना सुबह शाम दीपक जलाएं। गणेश जी जितने दिन आपके घर में रहें उतने दिन उन्हें कम से कम तीन समय भोग लगाना चाहिए। भगवान को मोदक का भोग जरूर लगाएं।

गणेश चतुर्थी पर बप्पा को लगाएं इन खास चीजों का भोग, बदल जाएगी फूटी किस्मत

गणेश महोत्सव हर साल 10 दिनों तक बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व भगवान गणेश के जन्म का प्रतीक है, ऐसा कहा जाता है कि इस दौरान कठिन व्रत और भाव के साथ पूजा करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में शुभता का आगमन होता है।

वहीं, इस पर्व में बप्पा को क्या भोग लगाना है? उसके बारे में जानते हैं, जिससे उनका पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त हो सके, तो चलिए जानते हैं।

बप्पा को लगाएं इन चीजों का भोग

मेष राशि : मेष राशि के लोग गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातक इस शुभ दिन पर बप्पा को मोदक का भोग लगाएं।

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातक इस दिन श्री गणपति को बेसन के लड्डू का भोग लगाएं।

कर्क राशि : कर्क राशि के जातकों को विनायक चतुर्थी पर गणेश जी को मावे के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों को इस शुभ तिथि पर विघ्नहर्ता को गुड़ के मोदक चढ़ाने चाहिए।

कन्या राशि : कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर बप्पा को बेसन के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

तुला राशि : तुला राशि के लोगों को चतुर्थी पर भगवान गणेश को मोतीचूर के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों को इस शुभ अवसर पर गौरी पुत्र गणेश को मेवे के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

धनु राशि : धनु राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर बप्पा को बूंदी के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

मकर राशि : मकर राशि के लोगों को इस तिथि पर श्री गणेश को तिल-गुड़ के लड्डू अर्पित करने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को भी इस शुभ तिथि पर शिव पुत्र को काले तिल के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस शुभ अवसर पर बप्पा को नारियल के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

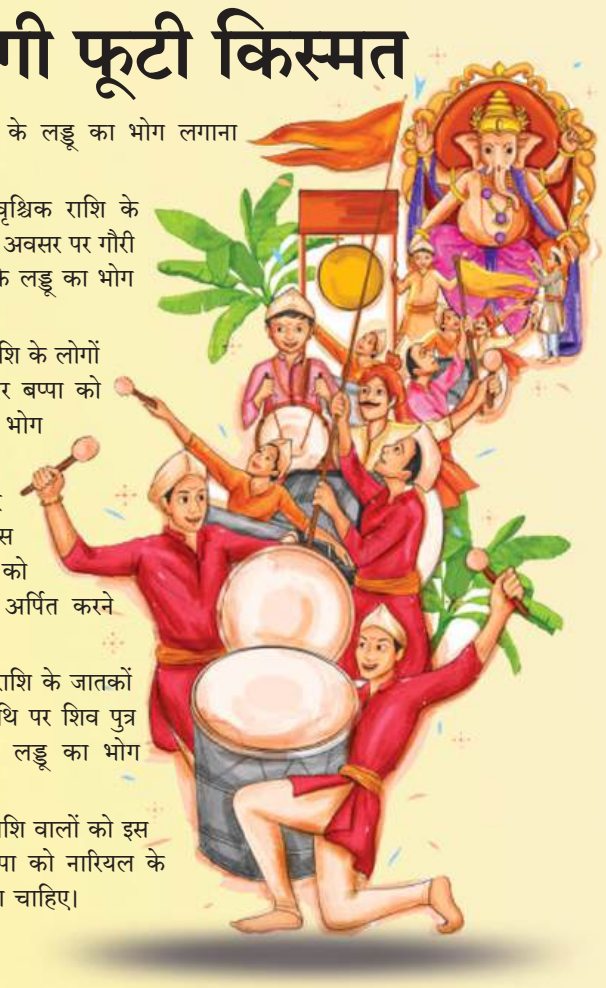

श्री सुमुख गणेश मंदिर : 53 साल से दक्षिण भारतीय परंपरा में गणेश महोत्सव

श्री सुमुख गणेश मंदिर रेलवे कंस्ट्रक्शन कालोनी में 53 साल से दक्षिण भारतीय परंपरा चली आ रही है। मुख्य पुजारी साईं भास्कर के मुताबिक रेलवे कंस्ट्रक्शन कालोनी स्थित इस मंदिर की स्थापना 1965 में दक्षिण भारत से लाई गई काले ग्रेनाइट की गणेश प्रतिमा से हुई थी। जिसे पहले एक पेड़ के नीचे स्थापित किया गया था, बाद में रेलवे की अनुमति मिलने पर 1971 में मंदिर का निर्माण कराया गया।

मंदिर की खास बात यह है कि, यहां की सभी प्रतिमाएं दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित हैं। दक्षिण भारत से आए रेलवे कर्मचारियों ने अपने देवताओं की पूजा करने के उद्देश्य से इस मंदिर की नींव रखी थी। यहां गणेश चतुर्थी पर विशेष पूजा व अभिषेक के साथ साथ धार्मिक अनुष्ठान दक्षिण भारतीय मंत्रोच्चार से किए जाते हैं। चंदन से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा, भस्मारती, चांदी अर्क से अभिषेक और शोभायात्रा के साथ यह मंदिर भक्तों के लिए एक विशेष धार्मिक स्थल बन गया है। जिससे भक्तों को अपने राज्य से जुड़े होने का अहसास होता है।

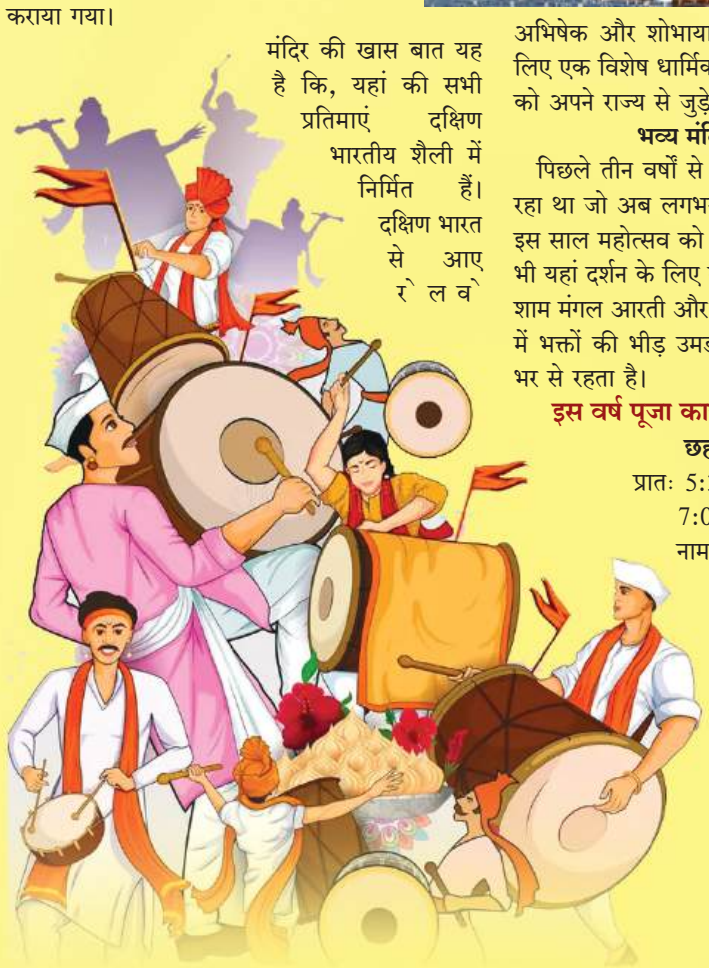

भव्य मंदिर का निर्माण पूरा

पिछले तीन वर्षों से मंदिर का नवीनीकरण कार्य चल रहा था जो अब लगभग पूर्ण हो चुका है। मंदिर समिति इस साल महोत्सव को लेकर पूरी तरह से तैयार है। भक्त भी यहां दर्शन के लिए ललायित हैं। वैसे हर दिन सुबह-शाम मंगल आरती और विशेषकर बुधवार को बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। चतुर्थी का इंतजार साल भर से रहता है।

इस वर्ष पूजा कार्यक्रम की तिथियां व समय:

छह एवं सात सितंबर

प्रातः 5:30 - 6:30 गणपति हवनप्रातः 7:00 - 9:30 अभिषेकम्, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

प्रातः 9:30 - 11:30 भक्त दर्शन और प्रसाद वितरण

सायं 4:30 - 7:00 अभिषेकम्, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

सायं 7:00 - 10:00 भक्त दर्शन और प्रसाद वितरण

आठ सितंबर

प्रातः 5:30 - 6:30 गणपति हवन

प्रातः 7:00 - 10:00 रुद्राभिषेकम्, अभिषेकम्, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

प्रातः 10:00 - 11:00 भक्त दर्शन और प्रसाद वितरण

सायं 5:00 - 7:00 चंदन लेपन, अलंकार, सहस्त्र नाम अर्चना, महादीप आराधना

किस रंग के श्रीगणेश हैं शुभ, कौन दिशा में स्थापित करने से देते हैं अत्यधिक शुभ फल

संस्कारधानी जबलपुर निवासी धार्मिक विषय ज्ञाताओं के अनुसार श्रीगणेश विग्रह के रंग पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। मिट्टी, धातु या पाषाण जैसी शुभ सामग्रियों से निर्मित गणेश प्रतिमाएं अधिकाधिक सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं।

सिंदूरी रंग के श्रीगणेश घर लाना सबसे अधिक शुभ

वस्तुतः सिंदूरी रंग की श्रीगणेश प्रतिमा घर लाना सबसे अधिक शुभ माना जाता है। इस रंग की श्रीगणेश प्रतिमा घर लाकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर लिया तो आराधक के आत्मविश्वास में अत्यधिक अभिवृद्धि परिलक्षित होती है।

श्वेत-धवल विराजने से घर में खुशहाली की बयार

श्वेत-धवल गणपति बप्पा को विराजने से घर में खुशहाली की बयार बहने लगती है। दरअसल, श्रीगणेश की जीवंत व शुभ रंगों लाल, पीला या स्वर्णिम वाली प्रतिमाएं भी घर लाई जा सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये सभी रंग जीवनी-शक्ति व समृद्धि के द्योतक होते हैं।

काष्ठ यानि लकड़ी के श्रीगणेश देते हैं दीर्घायु का वरदान

काष्ठ यानि लकड़ी के श्रीगणेश भी शुभ माने जाते हैं। इस तरह के गणेश स्वास्थ्य और दीर्घायु का वरदान देते हैं। जबकि क्रिस्टल गणेश वास्तुदोष दूर करने में सहायक होते हैं। हरिद्रा यानि हल्दी के गणेश की मूर्ति घर में विराजमान कर दी जाए तो सौभाग्य कई गुना बढ़ जाता है।

अकऊआ की जड़ के गणपति मिलें तो भाग्य के पट खुले

यदि किसी को अकऊआ की जड़ के गणपति मिल जाएं तो समझिए कि उसके भाग्य के पट खुल जाते हैं, उसे रिद्धि-सिद्धि की विशेष कृपा मिल जाती है। गणपति की मूर्ति गृह के मुख्य द्वार की ओर होने पर घर में किसी तरह की नकारात्मकता प्रवेश नहीं कर पाती।

श्रीगणेश को दूर्वा अतिशय प्रिय, प्रतिदिन दूर्वा अवश्य अर्पित करें

श्रीगणेश को दूर्वा अतिशय प्रिय है, अतः उन्हें प्रतिदिन दूर्वा अवश्य अर्पित करनी चाहिए। साथ ही गणपति के वार बुधवार को दूर्वा यानि हरितिमायुक्त रंग के वस्त्र धारण कर पूजन करने से फल अपेक्षाकृत शीघ्रता से प्राप्त होता है। इससे भाग्य बलवान होता है।

बप्पा की मूर्ति में मूषक अवश्य हो और हाथ में मोदक भी

सनातनी भक्तों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि जब वे श्रीगणेश विग्रह घर लाएं तो इस बात की तस्दीक कर लें कि श्रीगणेश की मूर्ति के साथ उनका प्रिय वाहन मूषक बैठा हो और श्रीगणेश के एक हाथ में उनको अतिशय प्रिय सुस्वादु मोदक भी अवश्य हो।

उत्तर दिशा में स्थापित गणपति देते हैं अत्यधिक शुभ-फल

यह भी महत्वपूर्ण धार्मिक तथ्य है कि उत्तर दिशा में स्थापित किए जाने वाले शिव-पार्वतीनंदन श्रीगणेश अपेक्षाकृत अधिक शुभ फल प्रदान करते हैं। यह दिशा माता लक्ष्मी और देवाधिदेव महादेव की दिशा मानी जाती है।

इस दिशा में श्रीगणेश का मुख रखने से श्रीगणेश भगवान के साथ-साथ माता लक्ष्मी और महादेव का आशीर्वाद समानांतर रूप से प्राप्त होता है।

बाईं सूंड़ के अलावा सीधी सूंड व नटराज मुद्रा भी शुभ

श्रीगणेश की बाईं ओर मुंडी सूंड के अलावा सीधी सूंड भी पूजन के लिए श्रेयस्कर मानी गई है। नृत्यमय यानि नटराज मुद्रा वाले श्रीगणेश घर में मुदिता लाने में सहायक होते हैं। इससे उन्नति का पथ प्रशस्त होता है।

किस किसको प्यार करूं का बनने जा रहा सीक्वल

चार बीवियों के चक्कर में फिर फंसेंगे कपिल शर्मा

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं आज से करीब नौ साल पहले 2015 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कपिल शर्मा की कॉमेडी और उनकी एक्टिंग को खूब प्यार मिला था। फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था और यह कपिल शर्मा के करियर की पहली फिल्म थी। इस फिल्म में एक हीरो और उसके साथ चार महिलाओं की लव स्टोरी को दिखाया गया था।

इस फिल्म के जरिए डेविड धवन की फिल्मों को श्रद्धांजलि दी गई थी। अब खबर आ रही है कि इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है। रिपोर्ट की मानें तो कपिल शर्मा की कॉमेडी फिल्म किस किसको प्यार करूंळ का दूसरा पार्ट आने जा रहा है। पोस्ट के जरिए पता चला है कि इस फिल्म में भी कपिल शर्मा और उनकी चारों पत्नियों की दिलचस्प कॉमेडी होने वाली है। हालांकि कहानी क्या होगी और फिल्म कब रिलीज होगी इस बात की तो अभी घोषणा नहीं हुई है। लेकिन अगर इस रिपोर्ट की माने तो यह तो तय है कि इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है। बता दें कि किस किसको प्यार करूं 2 के जरिए निर्माता रतन जैन और अब्बास मस्तान फिर से साथ आने वाले हैं।

अनुकल्प गोस्वामी के डायरेक्शन में बनी इस सीक्वल में कपिल शर्मा फिर से अपनी कॉमेडी के जरिए सभी को हंसाते हुए नजर आने वाले हैं। खबर तो यह भी है कि इस फिल्म की फिल्मिंग इस साल के लास्ट तक शुरू हो जाएगी। इस फिल्म में अब्बास मस्तान अपनी क्रिएटिविटी के जरिए जान डालेंगे। वहीं कपिल शर्मा इस कॉमिक स्पेस में एंट्री के बाद काफी खुश हैं और उनको इसकी स्क्रिप्ट काफी पसंद आई है।

फिल्म की कास्टिंग पर अभी काम चल रहा है। खबर है कि पहले पार्ट की तरह दूसरे पार्ट में भी कपिल शर्मा के साथ कई सारी एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं। जब कास्टिंग पूरी हो जाएगी तो इस साल के लास्ट तक किस किसको प्यार करूं 2 की शूटिंग शुरू हो जाएगी और अगले साल तक यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो सकती है। हालांकि अभी तक मेकर्स की ओर से किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर किसी भी तरह का कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

फिल्म देवरा का नया गाना दाउदी जारी

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की खूब जमी जोड़ी

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट 1 की रिलीज के दिन नजदीक आ रहे हैं। जूनियर एनटीआर के फैंस को फिल्म क देवरा पार्ट 1 का इंतजार बेसब्री से हो रहा है। अभी फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म से अभी जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की बस झलक देखने को ही मिली है। वहीं, फिल्म का एक गाना धीरे-धीरे रिलीज हुआ है, जिसे यूट्यूब पर 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अब फिल्म का एक और गाना दावूदी रिलीज हो गया है। देवरा के मेकर्स ने एलान किया था कि 4 सितंबर को फिल्म का गाना दाउदी रिलीज होने जा रहा है।सॉन्ग दावूदी को नकाश अजीज, आकाशा और रम्या बेहरा ने गाया है। गाने के बोल रामजोग्या शास्त्री, मुनीर कौसर, और विग्नेश शिवान, वरदराजा चिकन बल्ला पुरा और मनकोंबू गोपालकृष्ण ने लिखे हैं। गाने दावूदी को साउथ फिल्म इंडस्ट्री के नौजवान म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है।जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान स्टारर फिल्म देवरा पार्ट 1 को कोराताला सिवा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म से जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान अपना साउथ डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म मौजूदा महीने की 27 सितंबर को रिलीज होने जा रही है। फिल्म में जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। यह पहली बार होगा जब जूनियर एनटीआर और सैफ अली खान आमने सामने होंगे। बता दें, फिल्म आरआरआर (2022) के बाद जूनियर एनटीआर फिल्म देवरा पार्ट 1 से बड़े पर्दे पर उतर रहे हैं।

इंडस्ट्री ने हमेशा से ही मुझे अपनी कहानियां कहने का मौका दिया : अनुष्का रंजन

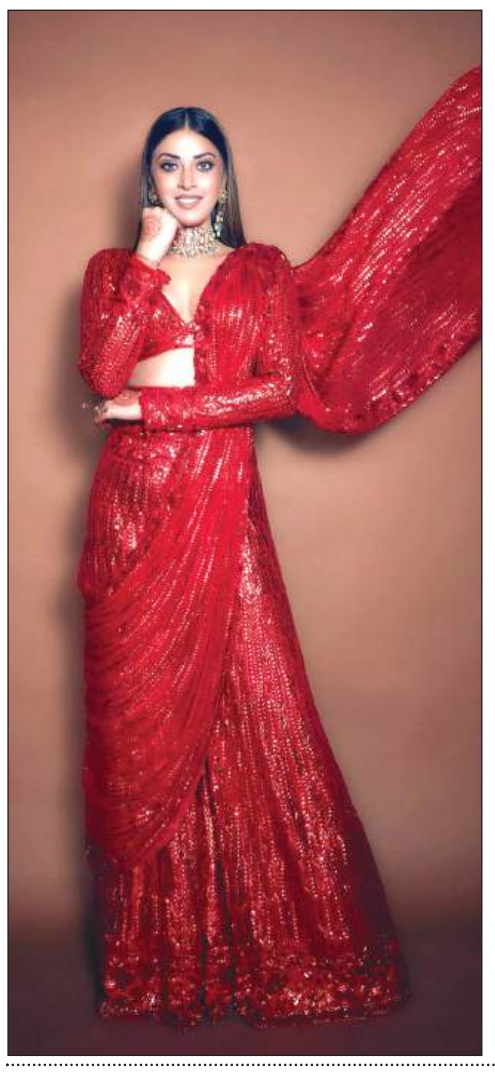

अभिनेत्री अनुष्का रंजन अपनी पहली फिल्म को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा इंडस्ट्री ने अपनी खुद की कहानियां देने के लिए हमेशा प्रेरित किया है।निर्माता अनु और शशि रंजन की बेटी अनुष्का ने कहा, निर्माता के रूप में इस यात्रा पर निकलना एक सपने जैसा है, जिसे मैंने वर्षों से संजोया है। सिनेमा की दुनिया से गहराई से जुड़े परिवार में पली-बढ़ी होने के कारण मुझे हमेशा इंडस्ट्री में अपनी कहानियों का योगदान देने की प्रेरणा मिली है।इस प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। मगर प्री-प्रोडक्शन का काम पहले ही पूरे जोरों पर चल रहा है। इसकी शूटिंग अगले साल के आरंभ में ही शुरू की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म मेरे दिल में एक खास जगह रखती है, और प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया अविश्वसनीय ऊर्जा और उत्साह से भरी हुई है। मैं एक ऐसी टीम के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं जो कहानी कहने के मेरे विजन और जुनून को दिखाती है।उन्होंने कहा कि यह अभी भी तय नहीं हुआ है कि मैं या मेरे पति आदित्य सील कलाकारों का हिस्सा होंगे या नही। मगर मेरा पूरा ध्यान एक आकर्षक कहानी बनाने पर है जो दर्शकों को आकर्षित करेगी।इस फिल्म की प्रोडक्शन के अलावा अनुष्का जल्द ही आगामी वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार सह-कलाकार अहाना कुमरा के साथ एक नकारात्मक भूमिका निभाएंगी।आगामी एक्शन थ्रिलर सीरीज का निर्देशन हनीश कालिया ने किया है। यह सीरीज अपराध और रहस्य की दुनिया में गहराई से उतरती है।पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस साल के अंत में रिलीज होने वाली मिक्सचर गोवा की सुंदर पृष्ठभूमि और मुंबई की हलचल भरी सड़कों पर आधारित है, जो दर्शकों को अपने कहानी और एक्शन सीन के साथ एक बेहतरीन अनुभव देने का वादा करती है।अनुष्का ने हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी वेडिंग पुलाव से की थी। उन्होंने श्री नारायण सिंह के निर्देशन में बनी शाहिद कपूर अभिनीत बत्ती गुल मीटर चालू में भी अभिनय किया है। साल 2020 में उन्होंने क्रिस्टल डिसूजा और उनके पति आदित्य सील के साथ फितरत में भी काम किया है।

फरहान अख्तर ने किया भारत-चीन युद्ध पर बेस्ड नई फिल्म 120 बहादुर का ऐलान

एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान किया है। फरहान अख्तर की नई फिल्म एक रियल वॉर बेस्ड फिल्म है, जिसका टाइटल है 120 बहादुर। फरहान अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नई फिल्म का एलान करते हुए इसका मोशन पोस्टर भी जारी किया है। फिल्म 120 बहादुर की कहानी क्या है? कौन इस फिल्म को डायरेक्ट करेगा? फिल्म की स्टारकास्ट में कौन-कौन शामिल है आइए जानते हैं।फरहान अख्तर ने अपनी नई फिल्म का एलान कर लिखा है, जो उन्होंने हासिल किया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा, मेरे लिए यह एक बड़े ही गौरव और सम्मान की बात है कि मैं आपको आदरणीय परम वीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह और चार्ली कंपनी, 13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों की कहानी प्रस्तुत कर रहा हूं,18 नवंबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़ी गई प्रसिद्ध रेजांग ला की लड़ाई, यह हमारे वीर सैनिकों की अद्वितीय वीरता, अदम्य साहस और नि:स्वार्थता की कहानी है, हम अत्यंत आभारी हैं कि इस अद्भुत वीरता की गाथा को पर्दे पर लाने में हमें भारतीय सेना का समर्थन और पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध को दिखाएगी। बता दें, इस जंग में हमारी हार हुई थी। भारत-चीन युद्ध में चीन के 3 हजार सैनिकों के सामने भारत के 120 बहादुरों सैनिकों ने जमकर लोहा लिया था।फिल्म 120 बहादुर को रजनीश रजी घई डायरेक्ट करने जा रहे हैं। फिल्म की स्टोरी और स्क्रीनप्ले राजीव जी मेनन ने किया है। फिल्म के डायलॉग लिखने का काम सुमित अरोड़ा ने किया है। फिल्म में अमित त्रिवेदी का म्यूजिक होगा। वहीं, फिल्म के गाने फरहान अख्तर के गीतकार पिता जावेद अख्तर लिखने जा रहे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और अमित चंद्रा हैं। फिल्म की स्टारकास्ट और इसकी रिलीज डे का भी खुलासा नहीं किया गया है।

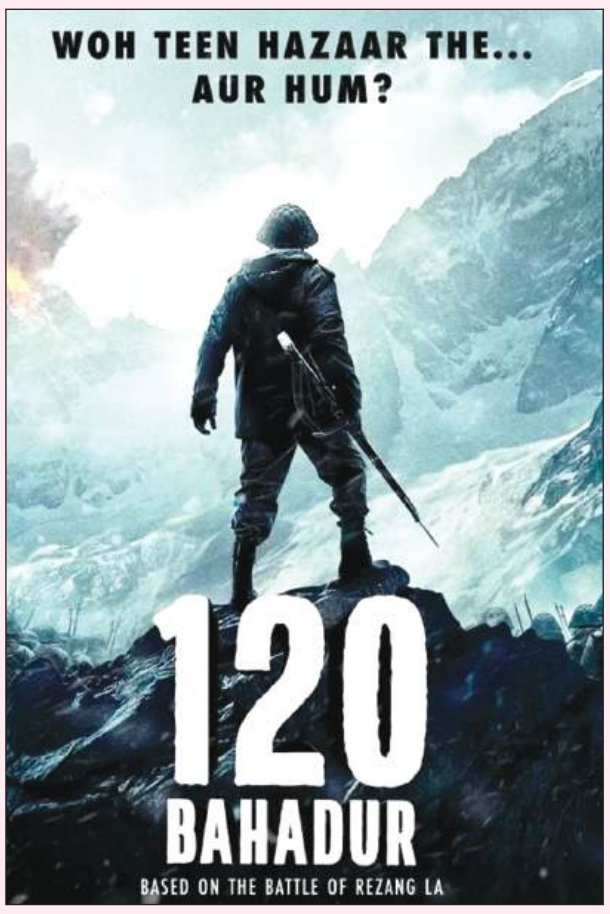

मिर्जापुर की एक्ट्रेस नेहा सरगम पारंपरिक बंगाली अवतार में

एक्शन क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज मिर्जापुर में सलोनी त्यागी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री नेहा सरगम ने नए फोटोशूट की एक झलक साझा की, जिसमें वे बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं।इंस्टाग्राम पर 8.20 लाख फॉलोअर्स वाली नेहा ने कुछ तस्वीरें साझा की, जिसमें वह गोल्डन और लाल बॉर्डर वाली बंगाली साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने इसके साथ मैचिंग स्लीवलेस ब्लाउज पहना हुआ है।मेकअप के लिए उन्होंने पारंपरिक बंगाली लुक चुना है और अपने माथे पर कल्का लगाया हुआ है। यह एक डिज़ाइन है जो बीच में लाल बिंदी और भौंहों के साथ पैटर्न के साथ बनाया गया है।उन्होंने अपने बालों को ढिलाई से बांधा हुआ है और हाथों में सुनहरे रंग की चूड़ियां और झुमके पहन रखे हैं। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कभी-कभी लगता है अपुन बंगाली है.. देव बाबू?मिर्जापुर 3 में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार मुख्य भूमिका में हैं।

नया सीजन पूर्वांचल क्षेत्र पर नियंत्रण की लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमता है।एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर द्वारा निर्देशित, यह शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।नेहा इससे पहले चांद छुपा बादल में, सपना बाबुल का... बिदाई, ये रिश्ता क्या कहलाता है, रामायण, ये है आशिकी, पुनर्विवाह - जिंदगी मिलेगी दोबारा, डोली अरमानों की, इस प्यार को क्या नाम दूं? एक बार फिर, डोली अरमानों की और परमावतार श्री कृष्ण जैसे टीवी शो में अपना किरदार निभा चुकी हैं।कॉन्टिलो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित शो यशोमती मैया के नंदलाला में उन्होंने यशोदा की भूमिका निभाई। इसमें राहुल शर्मा और हितांशु जिंसी मुख्य भूमिकाओं में थे और इसका प्रीमियर सोनी पर हुआ था।

विदामुयार्ची से रेजिना कैसेंड्रा का पहला लुक जारी

अजित-तृषा की फिल्म में निभाएंगी यह किरदार!

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार की फिल्म विदामुयार्ची अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। निर्माता पहले ही फिल्म से अभिनेता का पहला पोस्टर जारी कर चुके हैं, जिसने फैंस का उत्साह बढ़ा दिया था। इसके बाद उन्होंने अभिनेता अर्जुन सरजा और तृषा के किरदार की झलक पेश की थी। वहीं, अब निर्माताओं ने प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म से एक और कलाकार का पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर है अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा का, जिसमें उनके किरदार की झलक दिखाई गई है।अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा साउथ सुपरस्टार अजित की फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। वहीं आज निर्माताओं ने अभिनेत्री का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया है, जिसके बाद से प्रशंसक भी खुश हैं। हाल ही में, विदामुयार्ची के निर्माताओं ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से रेजिना कैसंड्रा का पहला पोस्टर साझा किया। अभिनेत्री एक खास अंदाज में दिख रही हैं, जिसमें वे एक क्रॉप्ड शर्ट, बैगी डेनिम ट्राउजर, ब्लैक जैकेट और बीन कैप पहने हुए नजर आईं। पोस्टर में वे सड़क पर चलती हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं अजित कुमार और तृषा की झलक भी बैकग्राउंड में दिखाई दे रही है और उनके चेहरे पर गंभीर भाव है।फिल्म के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, विदामुयार्ची से अभिनेत्री रेजिना कैसंड्रा का लुक पेश किया जा रहा है। बहादुरी की कोई सीमा नहीं होती। इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर प्रोडक्शन बैनर के एक्स अकाउंट पोस्ट को डांसिंग इमोजी के साथ फिर से साझा किया। हालांकि, बहुप्रतीक्षित फिल्म में रेजिना कैसंड्रा के किरदार के बारे में अभी तक कुछ भी खुलासा नहीं किया गया है।

अशोक सिंघल वेद पुरस्कार वितरण समारोह

सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है: सीएम योगी

अयोध्या, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सबके सामने विकसित भारत का मानचित्र रखा है। इसमें नागरिक कर्तव्य सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश और सनातन धर्म के लिए अब हमें अपने अधिकारों की चिंता कम और नागरिक कर्तव्यों के विषय में ज्यादा चिंतन करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन ही दुनिया का एकमात्र धर्म है। सनातन धर्म सुरक्षित एवं समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहेगा तो विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। अगर सनातन धर्म खतरे में पड़ेगा तो विश्व मानवता का जीवन खतरे में पड़ जाएगा। सीएम योगी गुरुवार को अयोध्या में सिंघल फाउंडेशन के बैनर तले आयोजित भारतात्मा अशोक सिंघल वेद पुरस्कार-2024 के पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अशोक सिंघल जी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की डिग्री ली थी, लेकिन उनका जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक प्रचारक के रुप में सनातन धर्म के लिए समर्पित था। सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और अशोक सिंघल एक-दूसरे के पूरक थे।

सीएम योगी ने कहा कि श्रद्धेय सिंघल जी के पास सोते, जागते, उठते, बैठते सिर्फ एक ही कार्य था, श्रीराम जन्मभूमि की प्राप्ति। उसके लिए वो शांति और क्रांति दोनों मार्गों को अपनाने को आतुर रहते थे। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान का प्रतिफल है कि 22 जनवरी 2024 के दिन इस सदी की सबसे उत्कृष्ट घटना घटी। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से भव्य मंदिर में प्रभु श्रीरामलला विराजमान हुए। साधना जब सच्ची होती है तो परिणाम प्राप्त होता ही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला का विराजमान होना गुलामी के अंशों की समाप्ति है, जो अब थमने वाला नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि अछूतोद्धार के लिए सिंघल जी के प्रयास अतुलनीय है। उनके द्वारा स्थापित वेद विद्यालय और एकल विद्यालय भी श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि वेदो अखिलो धर्म मूलम् यानी अखिल विश्व के धर्म का अगर कोई मूल है तो वेद हैं।

श्रद्धेय अशोक सिंघल ने वेदों के इस महत्व को अपने जीवन में अक्षरशः उतारने का कार्य किया था। सीएम योगी ने कहा कि गोरक्षक सुंदर यादव की आजमगढ़ में गोतस्करों ने हत्या कर दी थी। उस हत्या के खिलाफ आंदोलन हुआ था, जिसका अशोक सिंघल जी नेतृत्व कर रहे थे। इसी का परिणाम रहा कि गोरक्षक सुंदर यादव के हत्यारे जेल गए।

सीएम योगी ने कहा कि भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा यानी भारत की प्रतिष्ठा संस्कृत और संस्कृति में हो सकती है। यही भारत की आत्मा है और यही विश्व की आत्मा हो सकती है। उन्होंने कहा कि दुनिया आज शांति, सुरक्षा और सौहार्द्र के लिए भारत की तरफ आशा भरी निगाहों से देखती है। पूरी दुनिया में आज कोई भी घटना घटित होती है तो दुनिया की निगाह भारत के नेतृत्व की तरफ होती है। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में जब भी शांति, सौहार्द्र, सुख और समृद्धि की बात होगी तो दुनिया का ध्यान भारत के गुरुकुलों की तरफ जाएगा। भारत ही उसका नेतृत्व करेगा।

वेद मूर्ति वयोवृद्ध ब्रह्मर्षि विष्णु पटल सुब्रमण्यम को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, आचार्य गोपाल चंद्र मिश्र वैदिक उन्नयन संस्थान, काशी, उत्तर प्रदेश को उत्तम वेद विद्यालय के लिए सात लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र, आदर्श वेदाध्यापक कुलपति आर. चंद्रमौलि श्रौती, तमिलनाडु को पांच लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र, उत्कृष्ट वेद विद्यार्थी नारायण लाल शर्मा राजस्थान को तीन लाख का पुरस्कार, मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

नकली नोट छापने वाला मदरसा सील

अवैध रूप से बना था मदरसा

प्रयागराज, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में जिस मदरसे में नकली नोट बनाने के रैकेट का पर्दाफाश हुआ था, उसे प्रशासन ने सील कर दिया है। इस मदरसे में फ़िलहाल 6 राज्यों के 70 बच्चे पढ़ाई कर रहे थे, जिन्हें उनके घर भेज दिया गया है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने मदरसे को अवैध निर्माण घोषित कर दिया है। यह प्रशासनिक कार्रवाई बुधवार 4 सितंबर 2024 को हुई है।

4 सितंबर की दोपहर में प्रयागराज पुलिस मदरसा कमेटी के साथ मदरसे पर पहुंची। यहां कानूनी प्रक्रियाओं के बाद मदरसे पर पुलिस ने ताला जड़ कर सीलिंग की कार्रवाई की। सील करने के दौरान मदरसे में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा सहित 6 राज्यों के कुल 70 बच्चे मौजूद थे। इन्हें बाहर निकाला गया और उनके घरों के लिए रवाना कर दिया गया। सीलिंग के लगभग आधे घंटे के बाद प्रयागराज विकास प्राधिकरण की टीम भी मदरसे पर पहुंची। प्राधिकरण ने वहां मदरसे के अवैध होने का बोर्ड लगा दिया। इस बोर्ड पर लिखा था, अनधिकृत होने के कारण यह निर्माण सील किया गया है। इस निर्माण में सील को तोड़ना, पुनः निर्माण की कोशिश करना तथा किसी प्रकार का क्रय-विक्रय करना अवैधानिक एवं दंडनीय अपराध है।

बताते चलें कि प्रयागराज पुलिस द्वारा मदरसे में नकली नोट छापने का खुलासा किया था। इसके बाद आईबी और एटीएस की टीम जांच में शामिल हो गई। मदरसे का मौलवी तफसीरुल पिछले 6 वर्षों से बच्चों को आरएसएस विरोधी और मजहबी कट्टरपंथ का पाठ पढा रहा था। जांच एजेंसियां यहां से पढ़ाई कर चुके 630 बच्चों की पड़ताल कर रही हैं।

जांच के दौरान यह पता चला कि इस मदरसे को विभिन्न इस्लामी मुल्कों से फंडिंग की जा रही थी। जिन मुल्कों से इस मदरसे को फंडिंग मिल रही थी, उनमें तुर्किए, दुबई और अन्य अरब देश भी शामिल हैं। इन देशों से इस मदरसे को करोड़ों रुपए की फंडिंग की जा रही थी। पुलिस के रडार पर वो खातेदार भी हैं, जिनके एकाउंट में विदेशों से पैसे आते थे।

57000 ग्राम पंचायतों में खेल मैदान, 18 फुटबॉल मैदान

लखनऊ, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 18 नए फुटबॉल स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। ये सभी स्टेडियम शुरुआती तौर पर राज्य के कमिश्नरेट में बनेंगे। इसके बाद प्रदेश के सभी 827 ब्लॉक में फुटबॉल स्टेडियम बनेंगे। उन्होंने यह घोषणा 2 सितंबर को लखनऊ में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच हुए डर्बी मैच से पहले की।

सोमवार 2 सितंबर 2024 की शाम लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच फुटबॉल मैच का आयोजन था। इस मैच में योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। मैच की शुरुआत से पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश में फुटबॉल को बढ़ावा देने और खेल प्रतिभाओं को और निखारने का ऐलान किया। अपने सम्बोधन में सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए पिछले 10 वर्षों में देश में खेलों और खेल प्रतिभाओं को काफी बढ़वा मिला है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उनके द्वारा चलाए गए खेलो इंडिया और सांसद खेलकूद प्रतियोगिता जैसे अभियानों की भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही प्रेरणा से ही उत्तर प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को नई दिशा मिली है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान समय में 57,000 ग्राम पंचायतों में एक-एक खेल का मैदान बना रही है। यूपी के 825 विकास खंडों में एक-एक मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। इसके साथ सभी 75 जिलों में एक-एक स्टेडियम बनाने की भी दिशा में काम चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने विश्वास दिलाया कि फुटबॉल संघ की अपेक्षाओं पर उत्तर प्रदेश सरकार उम्मीदों से जायदा खरी उतरेगी।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी के मुताबिक, शुरुआती तौर 18 कमिश्नरियों में एक-एक फुटबॉल स्टेडियम बनेंगे। भविष्य में ब्लॉक स्तर पर 827 फुटबॉल स्टेडियम बनाने की दिशा में भी काम किया जाएगा। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश का नाम रौशन करने वाले खिलाड़ियों की भी तारीफ की।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत का संकल्प समृद्ध करेगा रामनाथ स्वामी मंदिर : योगी

अयोध्या, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने अयोध्या दौरे की शुरुआत राम नाथ स्वामी मंदिर में आयोजित महाकुंभाभिषेक व प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेकर की। कार्यशाला में स्थापित इस दक्षिण भारतीय शैली के मंदिर में नवस्थापित महादेव के शिवलिंग का पूजन व अर्चन करने के साथ सीएम योगी ने प्रदक्षिणा भी की। सीएम योगी ने रामनाथ स्वामी मंदिर की स्थापना को एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को समृद्ध करने वाला प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि रामस्वामी का कार्यशाला में विराजमान होना अत्यंत आनंद का क्षण है। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम और तमिलनाडु का विशेष रिश्ता है। ये हजारों वर्षों की परंपरा है। हजारों वर्ष पहले मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब श्रीलंका में माता सीता की खोज के लिए निकले थे तो तमिलनाडु के रामेश्वरम में सेतु बंधन के पश्चात अपने आराध्य भगवान शिव की आराधना की थी। सीएम योगी ने कहा कि संपूर्ण भारत एक है, इस संकल्प के साथ आध्यात्मिक

चेतना बढ़ रही है। मौजूदा प्रयास भी इसमें एक कड़ी है। उन्होंने कहा कि हम एक भारत श्रेष्ठ भारत के पीएम मोदी के कार्यक्रम हो ही आगे बढ़ा रहे हैं जो यहां भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरब से लेकर पश्चिम तक एक रहा है। हमारे शास्त्र व धर्मस्थल इस बात के प्रमाण हैं। सरकारें अलग अलग रही हों मगर भारत के संतों की परंपरा ने मजबूती प्रदान की है।

सीएम योगी वाराणसी में आयोजित होने वाले काशी तमिल संगमम् का उदाहरण देते हुए कहा कि काशी में तमिल संगमम् के दो संस्करण पूर्ण हो चुके हैं। काशी के बाद आज अय्या जी के कारण अयोध्या धाम भी तमिलनाडु से जुड़ चुका है।

उन्होंने आगे कहा कि एक ओर आरएसएस व विश्व हिंदू परिषद द्वारा राष्ट्र जोड़ने का कार्य हो रहा है वहीं कुछ लोग ओछी राजनीति के लिए देश को बांटने की कोशिश कर रहे है। ऐसे में, मंदिर स्थापना का यह कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को प्रशस्त करता है। अय्या जी ने भारत की एकात्मता के लिए वही कार्य कर रहे हैं जो तमिलनाडु से निकले एक संन्यासी ने सैंकड़ों वर्षों पहले पूरे सनातन धर्म को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था।

सीएम योगी ने कहा कि अब प्रभु श्रीराम का पूरा भव्य मंदिर बनने में ज्यादा देर नहीं होने वाली है। मंदिर निर्माण को पूर्ण करने के सभी कार्य तीव्र गति से जारी है जिसके लिए मंदिर ट्रस्ट के चंपत राय, गोपाल राय व अन्य पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को पीएम मोदी द्वारा हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में समाज का पूरा नेतृत्व वर्ग अयोध्या धाम में था। अयोध्या धाम में पांच सदी के बाद विराजमान हुए रामलला का करोड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि मेरा मानना है कि अयोध्या धाम एक नई गति के साथ दुनिया की सबसे आध्यात्मिक और सुंदरतम नगरी के रूप में स्थापित होकर पूरे सनातन धर्मावलंबियों के लिए एक नई प्रेरणा और प्रकाश का केंद्र बिंदु बनकर उभरेगा। वहीं, इस अवसर पर आरएसएस के पूर्व सरकार्यवाह सुरेश भैयाजी जोशी ने कहा कि दक्षिण भारतीय शैली के इस मंदिर की स्थापना ने उत्तर और दक्षिण को जोड़ने का काम किया है जिसका माध्यम भगवान शिव व प्रभु श्रीराम बने हैं।

कार्यक्रम में सीएम योगी व भय्याजी जोशी के अतिरिक्त कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, आध्यात्मिक संत अय्या जी, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महंत कमल नयन दास, स्वामी राम शरण दास, महंत अवधेश दास, जगत् गुरु दिनेशाचार्य व तमिलनाडु से आए संत, स्थानीय जनप्रतिनिधि व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीएम योगी और भय्याजी जोशी को अंगवस्त्रम व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

दो पैर के जानवर चार पैरों वाले वन्य जीवों के घरों में घुस रहे

तो भेड़िये कर रहे सामाजिक जानवरों पर हमले

बहराइच, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बहराइच में भेड़ियों का आतंक है। मार्च 2024 से शुरू हुए भेड़ियों के खूनी हमलों में अब तक 9 बच्चों समेत 10 लोगों की मौत हो चुकी है, तो 34 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं, जिसमें अधिकांश बच्चे हैं। इन घटनाओं के बाद प्रशासन की ओर से 32 राजस्व विभाग की टीम और 25 वन विभाग की टीम तैनात की गई है। ड्रोन समेत तमाम सर्विलांस उपकरणों की मदद से अब तक 4 भेड़ियों को पकड़ा जा चुका है। इसके बावजूद अभी तक 2 नरभक्षी पकड़े नहीं जा सके हैं। बहराइच में भेड़ियों के हमले की खबरें लगातार सुर्खियों में हैं।

दरअसल, भेड़िये तेजी से विलुप्त होते वन्यजीवों की श्रेणी में हैं। पूरे देश में खासकर उत्तर भारत में इनकी संख्या महज 2000 से 3000 के बीच ही बची है। अतीत में भारत में भेड़ियों की संख्या बहुत ज्यादा हुआ करती थी। अंग्रेजों के समय में भेड़ियों को मारने का बड़ा अभियान चला था, जिसमें 40 साल में 1 लाख से अधिक भेड़ियों को शिकारियों ने मार डाला था और ब्रिटिश राज से ईनाम भी हासिल किया था।

भारत में भेड़ियों का इंसानों पर हमला करना कोई नई बात नहीं है। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के समय, भेड़ियों के हमलों से कई लोगों की जान गई थी। 1866 में कैप्टन बी. रोजर्स ने निचले बंगाल में भेड़ियों द्वारा 4,287 लोगों की मौत दर्ज की, जो उस समय बाघों द्वारा की गई 4,218 मौतों से भी थोड़ी ज्यादा ही थी। इसी प्रकार, 1875 में सर्जन जनरल जोसेफ फायरर के अनुसार, उत्तर भारत में भेड़ियों ने 1,018 लोगों की जान ली थी, जो बाघों द्वारा मारे गए 828 लोगों से भी अधिक थी।

ध्यान देने वाली बात यह है कि पंजाब, राजस्थान, गुजरात और दक्कन पठार जैसे क्षेत्रों में भेड़िये के हमलों से इंसानी मौत के मामले बेहद कम थे, जबकि इन क्षेत्रों में भेड़ियों की संख्या अधिक थी। ब्रिटिश सरकार ने इस खतरे

का मुकाबला करने और भेड़ियों के हमलों को नियंत्रित करने के लिए इनाम की घोषणा की गई, जिसके परिणामस्वरूप 1871 से 1916 के बीच उत्तर-पश्चिम प्रांतों और अवध में 1 लाख से अधिक भेड़ियों को मार दिया गया। इसके बावजूद, भारतीय भेड़िए अपने जीवित रहने के लिए संघर्ष करते रहे और आज उनकी आबादी महज 3,000 के करीब ही रह गई है।

भारत में भेड़ियों के हमलों का एक लंबा और भयावह इतिहास है। 1985-86 में, मध्य प्रदेश के आष्ठा में चार भेड़ियों के एक समूह ने 17 बच्चों की हत्या कर दी, जिससे क्षेत्र में व्यापक दहशत फैल गई। इसी तरह, 1993 से 1995 के बीच, बिहार के हजारीबाग पश्चिम, कोडरमा और लेटेहर वन मंडलों में भेड़िया दलों द्वारा 60 बच्चों की मौत के मामले सामने आए। इन हमलों की वजह भी प्राकृतिक शिकार की कमी और भेड़िया-कुत्ता संकरों की वृद्धि को माना गया है।

वाई.वी. झाला और डी.के. शर्मा द्वारा साल 1996 में किए गए एक रिसर्च में, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 76 बच्चों पर हुए हमलों का विश्लेषण किया गया। उनके अध्ययन में बताया गया कि इन हमलों में एक ही अल्फा मेल भेड़िया या उसके ग्रुप की भूमिका थी, न कि कई ग्रुपों ने। पूर्वी यूपी के तीन जिलों प्रतापगढ़, सुल्तानपुर और जौनपुर में साल 1996 के मार्च से अक्टूबर महीने तक भेड़िये का आतंक था। तीनों जिलों में 30 बच्चों की मौत हुई थी। हर तीसरे दिन भेड़िया हमला करता था। हर पांचवें दिन एक बच्चे की मौत हो रही थी। हर हमले वाली जगह में कम से कम 13 किमी का अंतर होता था।

उस समय इन तीनों में जिलों में भेड़िये को वेयरवुल्फ माना गया उसे मनई कहा जा रहा था। मनई आम तौर पर इंसान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला अवधी बोली का शब्द है।

ऐसे में उस दौर में कोई अंजान आदमी प्रभावित इलाके के किसी गांव में दिख जाता था, तो लोग उसे मनई समझ कर मारने की कोशिश करते थे। ऐसे में लोगों का घरों से बाहर निकलना भी बंद हो गया था। इस मामले में सामने आया कि शिकारी भेड़िया बेहद ताकतवर था और अपने ग्रुप के मुखिया के जैसा था। ऐसे ग्रुप के मुखिया को अल्फा मेल भी कहा जाता है। बाद में उस भेड़िये को शिकारियों ने मार गिराया था।

हालांकि, यह समस्या तब तक पूरी तरह से हल नहीं हो सकती जब तक कि भेड़ियों को उनके प्राकृतिक आवास और शिकार का पर्याप्त हिस्सा नहीं दिया जाता। मानव-भेड़िया संघर्ष की समस्या को हल करने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं की आवश्यकता है। इसमें जंगली क्षेत्रों का संरक्षण, भेड़ियों के प्राकृतिक शिकार की सुरक्षा, और स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग शामिल है। साथ ही, जनता के बीच जागरूकता फैलाने और भेड़ियों के साथ सह-अस्तित्व के उपायों को अपनाने की भी आवश्यकता है।

इस तरह बहराइच में भेड़ियों के हमलों ने न केवल तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता को उजागर किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि कैसे मानव गतिविधियों का वन्यजीवों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यदि हम इस समस्या का समाधान करना चाहते हैं, तो हमें भेड़ियों को उनके प्राकृतिक अधिकारों का हिस्सा देना होगा, और साथ ही उन्हें हमारे समाज के लिए खतरा बनने से रोकने के उपाय करने होंगे।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए ग्रेटर नोएडा पहुंची न्यूजीलैंड की टीम

ग्रेटर नोएडा, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी एकमात्र टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की टीम गुरुवार को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा पहुंची।

यह मैच 9 से 13 सितंबर तक खेला जाएगा। यह ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड पर खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टिम साउथी, स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन, उप कप्तान टॉम लैथम और टीम के अन्य सदस्य गुरुवार सुबह नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे ग्रेटर नोएडा के लिए रवाना हुए। स्टार अफ़गान ऑलराउंडर राशिद खान पीठ की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से बाहर हो गए हैं। जुलाई की शुरुआत में, राशिद को अफगानिस्तान के घरेलू टी20 टूर्नामेंट, स्पीन घर टाइगर्स (एसजीटी) के लिए शपागीज़ा क्रिकेट लीग (एससीएल) में खेलते समय चोट लग गई थी। ब्लैक कैप्स पाँच स्पिन-गेंदबाज़ी विकल्पों के साथ भारत पहुँची है।

स्पिन विभाग में मिशेल सेंटनर, एजाज पटेल, रचिन रवींद्र, माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए अफगानिस्तान की टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, बहीर शाह महबूब, इकराम अलीखिल (विकेट कीपर), शाहिदुल्लाह कमाल, गुलबदीन नायब, अफसर जजई (विकेट कीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, जियाउर्रहमान अकबर, शम्सुर्रहमान, कैस अहमद, जहीर खान, निजात मसूद, फरीद अहमद मलिक, नवीद जादरान, खलील अहमद, यामा अरब।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए न्यूजीलैंड की टीम: टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेट कीपर), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, टॉम लैथम (उप कप्तान), डेरिल मिशेल, विल ओ%रुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, केन विलियमसन, विल यंग।

न्यूज ब्रीफ

बैलोन डीओर 2024: रोनाल्डो, मेसी का नाम नहीं, एमबाप्पे, हालैंड मुख्य आकर्षण

नई दिल्ली। बैलन डीओर 2024 सूची में दो दशकों में पहली बार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी का नाम नहीं है। पुरस्कार के लिए नामांकितों की सूची बुधवार को घोषित की गई। दूसरी ओर, काइलियन एमबाप्पे और एरलिंग हालैंड इंग्लैंड के प्रतिभाशाली खिलाड़ी जूड बेलिंगहैम के साथ सूची के मुख्य आकर्षण हैं, जबकि स्पेन की विजयी 2024 यूरोपीय चैम्पियनशिप के दो युवा सितारे लैमिन यामल और निको विलियम्स भी सूची में शामिल हैं। मेसी और रोनाल्डो इस पुरस्कार के दो सबसे सफल विजेता हैं। मेसी ने इस पुरस्कार को रिकॉर्ड आठ बार और रोनाल्डो ने पांच बार जीता है। बैलन डीओर 2024 के लिए नामांकितों की पूरी सूची: जूड बेलिंगहैम, हाकन काल्हानोग्लू, किलियन एमबाप्पे, एर्लिंग हैलैंड, लैमिन यमल, दानी कार्वाजल, रूबेन डायस, आर्टेम डोबविक, फिल फोडेन, एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो, मैट हम्मेल्स, हैरी केन, टोनी क्रोस, एडेमोला लुकमैन, एमिलियानो मार्टिनेज, लुटारो मार्टिनेज, मार्टिन ओडेगार्ड, दानी ओल्मो, कोल पामर, डेक्लान राइस, रोड्री, एंटोनियो रुडिगर, बुकायो साका, विलियम सलीबा, फेडेरिको वाल्वरडे, विनीसियस जूनियर, विटिन्हा, निको विलियम्स, फ्लोरियन विर्ट्ज, ग्रैनिट जाका।

टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल अभी संन्यास नहीं लेंगे

नई दिल्ली। अगले माह एशियाई चैम्पियनशिप मे भाग लेंगे दिग्गज भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे। शरत ने कहा कि वह अभी एक और सत्र में भाग लेंगे। इसी के बाद उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप के लिए पुरुष टीम की कप्तानी दी गयी है। एशियाई चैम्पियनशिप का आयोजन सात अक्टूबर से अस्ताना में किया जाएगा। शरत एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी भाग लेंगे। शरत ने दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने की भी योजना बनायी है। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। इसके साथ ही मैं भारतीय टेबल टेनिस संघ (टीटीएफआई) के साथ एक ढांचा बनाने का प्रयास करुंगा जिससे खेल प्राधिकरण (साई) और टीटीएफआई के बीच अंतर कम किया जा सके और अधिक से अधिक कारपोरेट प्रायोजक सामने आएं। शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में शामिल पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में भी शामिल रहे हैं और निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह साल 2026 एशियाई खेलों में भाग ले सकते हैं पर साल 2028 ओलंपिक में शामिल नहीं होंगे।

विराट सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कमाई के मामले जितने आगे हैं। उतने ही आयकर भरने को लेकर भी हैं। विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेटर सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ का टैक्स भरा है। विराट कोहली सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ी हैं। उनके बाद महेन्द्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और हार्दिक पांड्या जैसे क्रिकेटर हैं। धोनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विराट कोहली के बाद सबसे अधिक 38 करोड़ का टैक्स भरा है। वहीं तेंदुलकर ने 28 करोड़, गांगुली ने 23 करोड़ और हार्दिक पांड्या ने 13 करोड़ का टैक्स भरा है। इस सूची में ऋषभ पंत 10 करोड़ के टैक्स के साथ 6ठे स्थान पर हैं। हैरानी की बात ये है कि इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं।

पेरिस पैरालंपिक

धरमबीर ने पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 में नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, प्रणव को रजत

पेरिस, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में धरमबीर ने एक नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि प्रणव सूरमा ने रजत पदक जीता। 2022 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता धरमबीर ने चार फ़ाउल किए, अपने पांचवें प्रयास में वह 34.92 मीटर का थ्रो करने में सफल रहे, जो स्वर्णिम साबित हुआ। उनका अंतिम थ्रो 31.59 मीटर था। उन्होंने इससे पहले 2016 और 2020 में पैरालिंपिक में भाग लिया था, जिसमें वे क्रमश: नौवें और आठवें स्थान पर रहे थे। 35 वर्षीय धरमबीर हरियाणा के सोनीपत से हैं। 2012 में डाइविंग करते समय वे पानी के नीचे की चट्टानों से टकरा गए थे और इसके परिणामस्वरूप कमर के नीचे लकवा मार गया था। उन्होंने 2014 में अमित कुमार सरोहा के मार्गदर्शन में इस खेल को अपनाया। हांग्जो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 34.59 मीटर था जो उनके पहले प्रयास में आया। एक फाउल के अलावा, उनके बाकी चार थ्रो 34.19 मीटर, 34.50 मीटर, 33.90 मीटर और 33.70 मीटर थे। प्रणव 16 वर्ष की आयु में ही लकवाग्रस्त हो गए थे, जब 2011 में उनके घर की छत उन पर गिर गई थी। हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले 29 वर्षीय प्रणव पेशे से बैंकर हैं। प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय अमित कुमार सरोहा केवल 23.96 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो ही कर सके और 10 प्रतिभागियों में अंतिम स्थान पर रहे। 39 वर्षीय अमित ने 2012 में लंदन में पुरुषों की डिस्कस थ्रो एएफ51 स्पर्धा में अपना पैरालिंपिक पदार्पण किया था, इससे पहले उन्होंने

2016 में रियो डी जेनेरियो और 2021 में टोक्यो में पुरुषों की क्लब थ्रो एएफ51 में देश का प्रतिनिधित्व किया था। अमित कुमार सरोहा 22 साल की उम्र में एक कार दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी के दबाव के कारण क्वाड्रिप्लेजिक होने से पहले राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी थे। वह दो बार विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं और उनके पास दो स्वर्ण सहित पांच एशियाई खेल पदक भी हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ज़ेल्को दिमित्रिजेविक ने 34.18 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। क्लब थ्रो एक ऐसा इवेंट है जिसमें उद्देश्य लकड़ी के क्लब को जितना संभव हो सके उतना दूर फेंकना होता है। यह हैमर थ्रो के बराबर पैरा है जिसमें प्रतिभागी थ्रो के लिए आवश्यक शक्ति उत्पन्न करने के लिए कंधों और बाहों पर निर्भर करते हैं। बता दें कि अब तक भारत ने पैरालंपिक खेलों के चल रहे संस्करण में 24 पदक जीत लिये हैं, जिनमें पाँच स्वर्ण, नौ रजत और 10 कांस्य शामिल हैं।

हरविंदर सिंह ने रचा इतिहास, तीरंदाजी में भारत को पैरालंपिक में दिलाया स्वर्ण पदक

पेरिस। पैरालंपिक 2024 में भारत का उत्कृष्ट प्रदर्शन लगातार जारी है। पेरिस पैरालंपिक में बुधवार को तीरंदाज हरविंदर सिंह ने पुरुष रिकर्व के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके साथ अब पेरिस पैरालंपिक में भारत के 22 पदक हो गए हैं। इनमें चार स्वर्ण, आठ रजत और 10 कांस्य हैं। अब भारत पैरालंपिक की पदक तालिका में 15वें स्थान पर पहुंच गया है। हरविंदर ने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह तीरंदाजी में भारत का पहला पैरालंपिक स्वर्ण पदक है। पैरालंपिक में ये हरविंदर सिंह का दूसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने 2020 पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भारत का आर्चरी में ये पहला मेडल भी है। अब तक पैरालंपिक में भारत ने आर्चरी के अलावा शूटिंग, एथलेटिक्स और बैडमिंटन में गोल्ड मेडल जीता है। हरविंदर सिंह का गोल्ड मेडल मैच में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें पहले सेट को उन्होंने 28-24 के स्कोर से अपने नाम करने के साथ 2 अहम प्वाइंट हासिल किए। इसके बाद दूसरे सेट में हरविंदर ने फिर से 28 का स्कोर किया, जबकि पौलैंड के पैरा एथलीट 27 का स्कोर ही कर सके। एक अंक के अंतर से यह सेट भी हरविंदर के नाम रहा। फिर तीसरे सेट में हरविंदर ने 29-25 के अंतर से जीत हासिल करने के साथ 2 प्वाइंट बटोरे और 6-0 से मात देते हुए गोल्ड मेडल जीतने में सफलता हासिल की। इससे पहले हरविंदर ने सेमीफाइनल मैच में ईरान के पैरा एथलीट के खिलाफ 1-3 से पिछड़ने के बाद शानदार तरीके से वापसी करने के साथ 7-3 से जीत हासिल की और गोल्ड मेडल मैच के लिए अपनी जगह को पक्का किया था।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में नहीं खेलेंगे ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव और प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि ईशान किशन को ऑल-इंडिया बुची बाबू टूर्नामेंट के दौरान लगी कमर की चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर कर दिया गया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही है और उनके जल्द स्वस्थ होने की दिशा में काम कर रही है। चयन समिति ने संजू सैमसन को इंडिया डी टीम में किशन की जगह शामिल किया है। वहीं, बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी ऑल-इंडिया बुची बाबू टूर्नामेंट में फील्डिंग करते समय अपने दाहिने अंगूठे में मोच आने के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी चोट का आकलन कर रही है और अगले सप्ताह होने वाले आगे के मूल्यांकन से दूसरे दौर के लिए उनकी उपलब्धता का निर्धारण होगा। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा अपने बाएं क्वाड्रिसेप्स टेंडन की सर्जरी के बाद अपने रिहैब के पूरा होने के करीब हैं और दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के खेल से बाहर हो जाएंगे। इस बीच, ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को खेलने की अनुमति मिल गई है और वे चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए अद्यतन टीमें इस प्रकार हैं-

भारत ए: शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुष कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, खलील अहमद, अवेश खान, विदवथ कावेरप्पा, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत।

भारत बी: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी। एन जगदीसन (विकेटकीपर)।

भारत सी: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव यादव, विशाल विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन 4 अक्टूबर 2024 से

मुंबई, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन , 4 अक्टूबर से शुरु हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर 2024 को होगा। इस सीज़न में देश के सभी हिस्सों से 6 टीमों में कुल 180 आर्म-रेसलर्स शामिल होंगे, जो प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए पुरुष, महिला और विकलांग श्रेणियों में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रो पंजा लीग, जिसकी सह-स्थापना बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता परवीन डबास और प्रीति झंगियानी ने की है और जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज सुनील शेट्टी भागीदार हैं, ने 2023 में पहले सीजन से पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के दो संस्करण, कई मेगा मैच और कई प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए, जो 32 मिलियन अद्वितीय दर्शकों के साथ एक बड़ी सफलता साबित हुई। प्रो पंजा लीग ने भारत में आर्म रेसलिंग के खेल को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने में मदद की है।

सीजन 2 को लेकर प्रो पंजा लीग के सह-मालिक परवीन डबास ने कहा, पहले सीजन ने

साबित कर दिया कि अगर सही तरीके से पेश किया जाए तो पंजा के खेल के लिए बहुत सारे दर्शक हैं और हम दर्शकों के प्यार के लिए आभारी हैं। यह सीजन और भी रोमांचक होने का वादा करता है, क्योंकि खिलाड़ियों को इसमें बहुत बड़ी हिस्सेदारी का एहसास है और वे अब पूरी तरह से अलग स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। हम भारत में स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट के रूप में पंजा लाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को दिखाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अमेरिकी ओपन : झांग शुआई/क्रिस्टिना म्लादेनोविच महिला युगल के फाइनल में

वाशिंगटन, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन की झांग शुआई और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच ने अमेरिकी ओपन महिला युगल के फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

झांग-क्रिस्टीना की जोड़ी ने बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा को 7-5, 4-6, 6-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सामंथा स्टोसुर के साथ 2021 में यूएस ओपन महिला युगल खिताब जीतने वाली झांग अब अपने चौथे ग्रैंड स्लैम युगल फाइनल में पहुंच गई हैं। झांग और म्लादेनोविच का मुकाबला शुक्रवार को फाइनल में 7वीं वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको और ल्यूडमिला किचेनोक से होगा। सिनियाकोवा ने ग्रैंड स्लैम युगल टूर्नामेंटों में अपना दबदबा कायम रखा है, उन्होंने कोको गॉफ के साथ फ्रेंच ओपन का खिताब जीता और फिर टाउनसेंड के साथ मिलकर ऑल इंग्लैंड क्लब में ट्रॉफी अपने नाम की।

टाउनसेंड अभी भी खिताब के साथ न्यूयॉर्क से

विदा ले सकती हैं, क्योंकि वह और डोनाल्ड यंग गुरुवार को मिश्रित युगल फाइनल में खेलेंगे।

ओस्टापेंको और किचेनोक ने हाओ-चिंग चैन और वेरोनिका कुडरमेतोवा की 10वीं वरीयता प्राप्त टीम को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

सेमीफाइनल को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हूं : प्रिंस यादव

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)।

पुरानी दिल्ली 6 की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले गेंदबाज प्रिंस यादव अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग के सेमीफाइनल में गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

पुरानी दिल्ली 6 ने बीते सोमवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 33 रनों से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस मैच में प्रिंस यादव सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे थे, उन्होंने सेंट्रल दिल्ली किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू के महत्वपूर्ण विकेट के साथ तीन विकेट चटकाए थे।

इस मैच में दिल्ली 6 के लिए सबसे किफायती गेंदबाज रहे प्रिंस ने फ्रैंचाइजी द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, मैंने बहुत बार ऐसी परिस्थितियों का सामना किया है, इसलिए मुझे पता था कि ऐसे समय पर क्या करना चाहिए। मैंने ओस में गेंदबाजी का बहुत अभ्यास किया है, इसलिए यह उतना कठिन नहीं था। मैंने हमेशा अपनी टीम के लिए कठिन ओवर फेंके हैं और उस वक्त भी सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने के बारे में सोच रहा था, क्योंकि हमें किसी भी हाल में वह मैच जीतना था ताकि हम क्वालिफाई करने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर न रहें।

एक समय पिछड़ती सी दिख रही पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीतकर दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार वापसी की है। ऐसा पहली बार था, जब पुरानी दिल्ली 6 ने लगातार दो गेम जीते हों।

प्रिंस ने आगे कहा कि, हमें टीम ऑनर, सहयोगी स्टाफ और कोच ने बहुत ज्यादा प्यार दिया है। स्थिति चाहे जैसी रही हो सभी ने माहौल को हमेशा बहुत हल्का और ठंडा रखा, जिससे हमें खिलाड़ी के रूप में मानसिक तौर पर काफी मजबूती मिली। उन्होंने आगे कहा, मैं सेमीफाइनल को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हूं और अब टीम की निगाह दिल्ली प्रीमियर लीग की चमचमाती हुई ट्रॉफी पर है।

पुरानी दिल्ली 6 अपना शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल मुकाबला खेलेगी।

पुरानी दिल्ली 6 टीम: ललित यादव, ईशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण।

यूएस ओपन 2024: मुचोवा लगातार दूसरी बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

न्यूयॉर्क।

यूएस ओपन 2023 में कलाई की चोट के बाद केवल छठे टूर्नामेंट में वापसी कर रही गैर वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने बुधवार को ब्राजील की बीट्रिज हदाद मैया को 6-1, 6-4 से हराकर लगातार दूसरे साल न्यूयॉर्क सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

मुचोवा, जो फरवरी में सर्जरी के कारण लगी चोट से उबरने के बाद जून में एक्शन में लौटी थीं, ने कूल्हे की तकलीफ से जूझते हुए अपने बैकहैंड स्लाइस पर भरोसा किया और ब्राजील की 22वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 85 मिनट में हराया।

मुचोवा ने तेज शुरुआत की और 4-0 की डबल ब्रेक लीड हासिल की और उसे अंत तक बरकरार रखा।

हदाद मैया ने दूसरे सेट में सुधार किया, लेकिन मुचोवा, जो अचानक पॉइंट के बीच अपने कूल्हे को पकड़ने लगीं, ने फिजियो के साथ कोर्ट छोड़ने से पहले 3-2 की बढ़त के लिए बैकहैंड

विनर लगाया।

मुचोवा, जिन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में एक भी सेट नहीं गंवाया है, अब न्यूयॉर्क फाइनल में जगह बनाने के लिए छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी।

संपादकीय

दिखावे का आपराधिक बिल

पश्चिम बंगाल विधानसभा में 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक' (आपराधिक कानून एवं संशोधन) सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिटिया के रेप-मर्डर के बाद जो तनाव, गुस्सा, आक्रोश और विरोध-प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गए हैं, उन्हें शांत करने का यह एक सियासी प्रयास है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इतने व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार बिखर सकता है, लिहाजा बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीडऩ की कड़ी सजाओं के मद्देनजर उन्हें यह बिल पारित कराना पड़ा। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया, क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबत्ता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक कर रह सकता है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। सभी राज्यों में अपराध और अन्य मामलों में केंद्रीय कानून ही प्रभावी और लागू होते हैं। वैसे राज्यों को अलग कानून बनाने का भी अधिकार है, लेकिन वे केंद्रीय कानून में बदलाव नहीं कर सकते। यदि राज्य ऐसा करता है, तो राज्यपाल को उस पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना होता है। बंगाल विधानसभा में जो बिल पारित किया गया है, उसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो) में संशोधन की बात कही गई है। ये कानून संसद द्वारा पारित किए गए हैं। केंद्रीय कानूनों की धाराओं के तहत बलात्कार, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के लिए 20 साल की सजा, उम्रकैद और फांसी की सजा का प्रावधान है, जबकि 'अपराजिता बिल' में सिर्फ फांसी के प्रावधान का ही प्रस्ताव है। बीएनएस के तहत बाल अपराधियों के लिए रियायतों का प्रावधान है, लेकिन 'अपराजिता' में उन्हें खत्म करने का प्रस्ताव है। गौरतलब है कि जांच, न्याय और सजा के लिए जो अवधि तय की गई है, वह अव्यावहारिक है, क्योंकि भारत में न्याय की परतें कई हैं। यदि फास्ट ट्रैक कोर्ट आरोपित को फांसी की सजा सुना भी देती है, तो उस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। उच्च न्यायालय के बाद सर्वोच्च अदालत है। अंततः राष्ट्रपति को दया-याचिका दी जा सकती है। मात्र 10 दिन में इन सभी आयामों से न्याय पाना असंभव है, लिहाजा 10 दिन में फांसी की सजा महज नारेबाजी है। जनता को भ्रमित करने की राजनीति है, ताकि कोलकाता की सडक़ें तमाम तरह की सियासत से मुक्त हो सकें। 2012 के 'निर्भया कांड' का अंतिम फैसला 8 लंबे सालों के बाद मिला था। नतीजतन उसके बाद ही बलात्कारियों को फांसी पर लटकाया जा सका। उसके बाद किसी भी बलात्कारी को मृत्युदंड नहीं दिया जा सका। यह हमारे कानून के छिद्र हैं, हालांकि 'निर्भया कांड' के बाद जस्टिस जेएस वर्मा आयोग बनाया गया था। इस आयोग ने व्यापक विमर्श के बाद, बहुत ही कम समय में, अपनी रपट दी थी। उसके आधार पर केंद्र ने जो कानून बनाया, उसमें भी दोषी को अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड का प्रावधान था। हमारे देश और समाज में बलात्कार के औसतन 86 केस हर रोज दर्ज कराए जाते हैं, कितनों को फांसी की सजा दी जाती है? बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस विपक्षी खेमे की एक महत्वपूर्ण पार्टी है। इससे पहले आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र ने भी 'मौत की सजा' को अनिवार्य करने वाले बिल पारित किए थे, लेकिन केंद्र से मंजूरी नहीं दी गई। यही नियति अब बंगाल की हो सकती है। ममता बनर्जी ने बिल की आड़ में भी खुन्नस भरी राजनीति की है। उन्होंने सदन में ही प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उन मुख्यमंत्रियों के भी इस्तीफे मांग लिए, जिनके राज्यों में बलात्कार की संख्या लगभग निरंतर है। चूंकि प्रधानमंत्री पूरे देश के संवैधानिक प्रभारी हैं, लिहाजा वह इस्तीफा दें, क्योंकि वह महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहे हैं। क्या राजनीतिक मजाक है यह! दरअसल बलात्कार को 'राजनीतिक हथियार' के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देश की बदनसीबी है।

कोलकाता आरजी कर अस्पताल में डॉक्टर बिटिया के रेप-मर्डर के बाद जो तनाव, गुस्सा, आक्रोश और विरोध-प्रदर्शन बंगाल के कई हिस्सों में देखे गए हैं, उन्हें शांत करने का यह एक सियासी प्रयास है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आशंका है कि इतने व्यापक विरोध से उनका परंपरागत जनाधार बिखर सकता है, लिहाजा बलात्कार, हत्या, यौन उत्पीडऩ की कड़ी सजाओं के मद्देनजर उन्हें यह बिल पारित कराना पड़ा। प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी बिल का समर्थन किया, क्योंकि यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। अलबत्ता यह दिखावे का बिल साबित होगा और 'राष्ट्रपति भवन' में लटक कर रह सकता है। दरअसल कोई भी राज्य केंद्रीय कानूनों के समानांतर कानून नहीं बना सकता। सभी राज्यों में अपराध और अन्य मामलों में केंद्रीय कानून ही प्रभावी और लागू होते हैं। वैसे राज्यों को अलग कानून बनाने का भी अधिकार है, लेकिन वे केंद्रीय कानून में बदलाव नहीं कर सकते। यदि राज्य ऐसा करता है, तो राज्यपाल को उस पारित विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजना होता है।

धन के नष्ट होने पर भी चरित्र सुरक्षित रहता है, लेकिन चरित्र नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है

समाज के नायक शिक्षकों का सम्मान

अनुज आचार्य

जब हम अपने श्रेष्ठ अध्यापकों द्वारा शिष्यों के प्रति निभाई गई उनकी कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें याद करते हैं, सम्मानित करते हैं तो वहीं उन कतिपय कदाचारी अध्यापकों का भी स्मरण हो आता है जिनकी निकृष्ट सोच, हवस और गिरी हुई हरकतों के चलते समस्त शिक्षक जगत को आलोचना प्रताडऩा का संताप झेलना पड़ता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण ही होता है, जिससे आगे चलकर साहस, ऊर्जा, दृढ़ता, बुद्धि, विवेक और अन्य गुणों में वृद्धि होती है और आप इन गुणों के बलबूते ही अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं।

गाइ कावासाकी के अनुसार, 'अगर आपको किसी को ऊंचे स्थान पर रखना है, तो शिक्षकों को रखें। वे समाज के नायक हैं।' जब हम अपने श्रेष्ठ अध्यापकों द्वारा शिष्यों के प्रति निभाई गई उनकी कर्तव्यपरायणता के लिए उन्हें याद करते हैं, सम्मानित करते हैं तो वहीं उन कतिपय कदाचारी अध्यापकों का भी स्मरण हो आता है जिनकी निकृष्ट सोच, हवस और गिरी हुई हरकतों के चलते समस्त शिक्षक जगत को आलोचना प्रताडऩा का संताप झेलना पड़ता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण ही होता है, जिससे आगे चलकर साहस, ऊर्जा, दृढ़ता, बुद्धि, विवेक और अन्य गुणों में वृद्धि होती है और आप इन गुणों के बलबूते ही अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होते हैं। चरित्र रक्षण को लेकर संस्कृत साहित्य में कहा भी गया है कि, 'वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमेति च याति च। अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः॥' अर्थात चरित्र की यत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए। धन तो आता-जाता रहता है। धन के नष्ट होने पर भी चरित्र सुरक्षित रहता है, लेकिन चरित्र नष्ट होने पर सब कुछ नष्ट हो जाता है। लेकिन हम साल दर साल कई शिक्षकों के अमर्यादित आचरण से कलंकित होते शिक्षक समाज की व्यथा से पार नहीं पा रहे हैं। आजकल हमारे अध्यापकों के समक्ष वर्तमान भौतिकतावादी जीवन के दृष्टिगत अपने शिक्षार्थियों में न केवल भारतीय संस्कृति के अनुरूप उच्चकोटि के संस्कारों का परिमार्जन करने की चुनौती है, अपितु उन्हें आगामी जीवनपथ पर आने वाली कठिनाईयों-संघर्षों से लडऩे का जीवट कैसे पैदा हो, यह सामथ्र्य व साहस भरने का दृष्टिकोण विकसित करने की गुरुतर जिम्मेदारी भी है। अध्यापकों को शिक्षण कार्य के इतर कई प्रकार की गतिविधियों को संचालित करना होता है ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण चहुंमुखी विकास हो, लेकिन इधर बीते वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को ही बेतरतीब भारी भरकम पाठ्यक्रम, शैक्षणिक कार्य के अलावा अन्य कार्यों का संपादन एवं विभिन्न दिवसों के आयोजन के घालमेल वाला बना दिया गया है। आज नन्हें बच्चों का बस्ता भारी है, प्राइमरी शिक्षा प्रणाली वाले स्कूलों में अध्यापकों

का अभाव है और बच्चों के लिए भम्रण कार्यक्रमों आदि की व्यवस्था न होना भी उनके सर्वांगीण विकास को प्रभावित कर रहा है। स्कूलों में खेल, वाद विवाद, भाषण, संगीत आदि प्रतियोगिताओं का महज खानापूर्ति के लिए आयोजन होने से हम आज भी वास्तविक शैक्षिक लक्ष्यों से कोसों दूर हैं। लेकिन हमें तमाम अवरोधों बाधाओं के बावजूद आगे बढऩा होगा। विनम्रता, धैर्य और दृढ़ता ये सभी गुण एक प्रेरक शिक्षक की पहचान हैं। शिक्षकों में बालकों के समक्ष आने वाली चुनौतियों से सामना करने के लिए और उनका मार्गदर्शन करने का महनीय सामथ्र्य होना चाहिए। तभी वे समाज में सार्थक बदलाव ला सकते हैं और अपने शिष्यों के महान रोल मॉडल भी बन सकते हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश की शैक्षिक प्रगति का सवाल है तो हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर अब आजादी के समय के 8 प्रतिशत से बढक़र 88 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इसमें पुरुष साक्षरता दर 89.53 प्रतिशत है जबकि महिला साक्षरता दर 75.93 प्रतिशत है। वर्तमान समय में प्रदेश में लगभग 15 लाख छात्र शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत छात्र सरकारी संस्थानों में हैं एवं राज्य सरकार नामांकन प्रतिशत को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने डा. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना शुरू की है, जिसके तहत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। हिमाचल सरकार सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे बोर्डिंग स्कूल भी बना रही है जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा विद्या केंद्र का शुभारंभ किया है। केंद्र सरकार के समग्र शिक्षा विकास कार्यक्रम के तहत समीक्षा केंद्र खोलने वाला हिमाचल देश का तीसरा राज्य बन गया है। विद्या समीक्षा केंद्र डेटाबेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगा। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 200 शिक्षकों को एक्सपोजर विजिट के लिए सिंगापुर भेजा गया था और अब सरकार ने विद्यार्थियों को भी एक्सपोजर विजिट पर विदेश भेजने का निर्णय लिया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री सुख शिक्षा योजना शुरू की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विधवा, बेसहारा, तलाकशुदा महिलाओं और दिव्यांग माता-पिता को उनके बच्चों की शिक्षा और कल्याण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। शिक्षा विभाग में शून्य पंजीकरण वाले 99 स्कूलों और दो से पांच संख्या विद्यार्थियों वाले 460 स्कूलों को बंद करके सरकार ने सकारात्मक बदलाव की दिशा में साहसिक कदम बढ़ाए हैं। प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस हमें एक मौका उपलब्ध करवाता है जब हम कह सकते हैं कि शिक्षक का हमारे जीवन में अमूल्य योगदान है। शिक्षकों के बिना यह मनुष्य जीवन सार्थक नहीं है। हर किसी के जीवन में एक गुरु या शिक्षक का होना बेहद आवश्यक है। इसलिए हम सभी को सदा शिक्षकों का मान-सम्मान करना चाहिए और उनकी बातों पर अमल करना चाहिए। हमारी बाल्यावस्था से लेकर महाविद्यालयीन शिक्षा के दरमियान अनेकों शिक्षक हमारा मार्गदर्शन करते हैं और विभिन्न तौर तरीकों, उपायों और तकनीकों से हमें भावी जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। जब कोई विद्यार्थी किसी शिक्षक को मिलकर यह कहता है कि आदरणीय गुरुवर आज मैं जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचाने में आपका भी योगदान है, तो समझिए उस शिक्षक के लिए इससे बड़ी प्रशंसा और क्या हो सकती है। आज शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं दैनिक 'दिव्य हिमाचल' के सुधी पाठकों को हार्दिक बधाईयां।

दृष्टिकोण

माननीय न्यायालय रोकिए इन्हें, ये देश में आपस में लड़ा देंगे !

ये विषय देश की आंतरिक सुरक्षा, सद्भाव और परस्पर समरसता से जुड़ा है। अभी लगातार दो तरह की घटनाएं घटती दिख रही हैं, एक तरफ राहुल गांधी स्वयं से नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं तो दूसरी ओर जेएनयू जैसे शिक्षा संस्थान और स्वयंसेवी संस्थाएं हैं जिन्हें टूलकिट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उद्देश्य दोनों का समान है, भारत में अराजकता का माहौल पैदा करना। वर्तमान केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास की भावना आम जन में भर देना ताकि किसी भी तरह से देश में दंगे-फसाद कराए जा सकें और फिर किसी तरह से वर्तमान नेतृत्व को सत्ता से बाहर कर सत्ता हथियाई जा सके। वैसे देश की एकता, अखण्डता एवं समरसता के लिए पहले भी न्यायालय कई विषयों पर आगे से स्वतः संज्ञान लेकर हस्तक्षेप करता रहा है। इस मुद्दे पर भी माननीय न्यायालय से आग्रह है कि वह आगे आए । देश में घटनाएं कैसे घट रही हैं, आप देखिए; पहले, राहुल गांधी का एक वीडियो सामने आता है, इसे उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में संविधान सम्मान सम्मेलन का बताया जा रहा है। इस सम्मेलन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी मिस इंडिया कॉन्टेस्ट को लेकर यह दावा करते नजर आ रहे हैं कि देश में नब्बे प्रतिशत लोग सिस्टम का हिस्सा नहीं हैं, कह रहे हैं, मैं तो मिस इंडिया की लिस्ट देख रहा था, उसमें कोई दलित-ओबीसी-आदिवासी, अल्पसंख्यक ही नहीं है। उनके पास हर तरह की प्रतिभा मौजूद है, लेकिन फिर भी वे सिस्टम से जुड़े नहीं हैं। यही कारण है कि हम जाति जनगणना की माँग कर रहे हैं। उनका ये बयान सामने आने के बाद मीडिया ने भी इसे तेजी के साथ आगे बढ़ाया। स्वभाविक है, जो आंकड़ों में नहीं जाते, अध्ययन करने पर कम, अपने नेता या वरिष्ठ के कहे पर विश्वास अधिक करते हैं । जो साक्षर हैं किंतु शिक्षित नहीं, वस्तुतः देश में ऐसे करोड़ों लोग हैं। अब ऐसे में राहुल गांधी का दिया ये बयान उन्हें सही नजर आ सकता है ! स्वभाविक तौर पर उनके मन में आक्रोश भी पनप सकता है कि बताओ, स्वाधीनता के 77 वर्ष बाद भी देश में अनुसूचित जाति-जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को उनका अधिकार क्यों नहीं दिया गया है, बलकि अभी पर कुछ चुनिंदा अपने में तथाकथित बड़ी जातियों ने कब्जा करके रखा है ! किंतु क्या राहुल गांधी यहां जो कह रहे हैं वह सच है ? माननीय न्यायालय आप जानते हैं कि राहुल गांधी यहां जूठ बोल रहे हैं। देश में सिर्फ मिस इंडिया ही नहीं अनेक प्रमुख प्रतिष्ठति स्थानों पर अजा, जनजा, अल्पसंख्यक लोग विराजमान रहे हैं और वर्तमान में भी हैं। इस संदर्भ में अनेक तथ्य मौजूद हैं, जैसेकि भारतीय जनता पार्टी नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा ने स्वाधीनता के बाद से अब तक उन महिलाओं की सूची साझा की है, जिन्होंने 'मिस इंडिया' का क्राउन पहना है। इस लिस्ट को जारी करते हुए तजिंदर बग्गा ने एक्स पर लिखा भी कि इस देश में मिस इंडिया कॉन्टेस्ट 1947 में शुरू हुई, उसमें अल्पसंख्यक समाज की कई बहनें विजेता बनी। उन्होंने जो लिस्ट साझा करते हुए एस्टर विक्टोरिया अब्राहम, इंद्रानी रहमान, फेरिअल करीम से लेकर नायरा मिर्जा, अंजुम मुमताज, फरजारा हबीब, सोनू वालिया, गुल पनाग, साराह जेन डायस, नवनीत कौर ढिल्लन तक के नामों का उल्लेख किया है। वस्तुतः लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इतना कहने के बाद भी चुप नहीं रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार पर बड़े आरोप लगा दिए । इसी संविधान सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम में बोलते दिखे कि संविधान की रक्षा, दलित, आदिवासी, ओबीसी करते हैं। यहां प्रश्न यह है कि क्या अन्य जन जो इस सूची से बाहर हैं, वह संविधान की रक्षा नहीं करते? फिर उनका यहां यह कहना कि देश के उद्योगपति में कोई दलित आदिवासी नहीं, मोची, धोबी और बढ़ई के हाथों में जबरदस्त स्किल है, पर देश में हुनर की इज्जत नहीं ह, कितना सही है? आगे वे कहते दिखे, स्किल डेवेलमेंट की शुरुआत यूपीए ने की थी किंतु 90 प्रतिशत लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं। पीएम मोदी राजा-महाराजा वाला मॉडल चाहते हैं। अब माननीय न्यायालय आप देखिए, यह संविधान बचाने के नाम पर देश को किस-किस तरह से आपस में यहां के जनसमुदायों को जाति के आधार पर भिड़ाने की कोशिश की जा रहे हैं ! जबकि हकीकत यही है कि देश में अनेक उद्योगपति हैं, जोकि अजा, जनजा, पिछड़ावर्ग से आते हैं और वे अपने व्यवसाय में पूरी तरह से सफल हैं । यहां भी राहुल का इस संबंध में किया दावा गलत ठहरता है। इस वक्त राहुल गांधी जिस तरह से आबादी के हिसाब से नीतियां बनाने की बात कह रहे हैं, हम सभी जानते हैं कि वह साम्यवाद का वामपंथी मॉडल है, जो कहता है कि सभी को उनकी जनसंख्या के हिसाब से लाभ मिले। दरअसल, सुनने में यह बहुत अच्छा लगता है। किंतु इस मॉडल के अनेक खतरे हैं। पूरी दुनिया इस मॉडल को रिजेक्ट कर चुकी है, यहां तक कि जहां से वामपंथ शुरू हुआ था, वह देश वियतनाम, चीन, जर्मनी, रूस या अन्य कोई देश क्यों न हो। सभी का अनुभव इस मामले में एक जैसा ही है कि यह नीति अपने देश की बहुजनसंख्या को निकम्मा बना देने का काम करती है। अब इस सिद्धांत से चलेंगे तो जो काम करेगा उसे भी उतना ही भाग मिलेगा जितना कि बगैर काम करनेवाले को ।

कुछ अलग

मुखौटों से भरी दुनिया

बदलते हुए समाज विज्ञान की शोध में नए आंगन खुलते रहते हैं। नई शोध का विषय पिछले दिनों एक यह भी रहा है कि कार्टून बनाने वाले क्यों यह सच बांचते नजर आते हैं, जब वे देश के महाभ्रष्ट लोगों और सब कुछ समेट कर अपनी जेब में डाल लेने वाले लोगों को भारी-भरकम और तोंदियल बताते हैं तो जंचता है। मुफ्त लंगर और राशन बांटने वाले की कतारों में जो लोग अंतहीन नुक्कड़ तक खड़े नजर आते हैं, वे तो लगता है, अभी गिरे कि गिरे क्योंकि सब सींकिया बदन और फटेहाल हैं। होने भी चाहिएं। आजकल बेकारी, बीमारी और निकम्मेपन के दिनों में भिक्षा पात्र लेकर भिक्षा देहि के नारों के साथ द्वार-द्वार भटकना एक ऐसा आमफहम सत्य हो जाता है कि लगता है कि अगर इसे देश का नया घरेलू उद्योग घोषित कर दिया जाए, तो अतिकथन न होगा। सरकारी स्तर पर आम जनता के इन कठिन दिनों में मुफ्तखोरी को दया धर्म कह कर दुरुह समस्याओं का एक सरल समाधान मान लिया गया है। समस्या तो एक भी हल होती नजर नहीं आई, बल्कि बेकारी माशा अल्लाह नए कुलांचे भर रही है। अब तो बेकारों की कतार इतनी लंबी होती नजर आ रही है कि विद्वान बताते हैं कि पिछले पैंतालीस बरस में इतनी महंगाई नहीं देखी। बात न कीजिए बढ़ती महंगाई की। वर्तमान सुशासन युग शुरू हुआ था तो घोषणा की गई थी कि न रहेगा बांस और न बजेगी बांसुरी अर्थात न रहेगी महंगाई और न करेगा कोई चोर बाजारी, लेकिन ये कैसे दिन आए बन्धु, चोर बाजारी तो इस देश के लोगों की स्वाभाविक वृत्ति बन गई है। अब देखो न नई नई महामारियों का संक्रमण भय मौत का डंडा सिर पर बजा रहा है और चार लोग दवाओं की बात छोड़ो, उनके माकूल होने की अफवाहों पर भी चोर बाजारी कर रहे हैं। बढ़ती हुई कीमतों की भली पूछिए। सरकार कहती है कि इन दिनों में आर्थिक गतिविधियां बहुत तेज हैं। सरकारी खजाना भरा हुआ है। लेकिन फिर भी कर्मचारियों का वेतन लेटलतीफ हो रहा है, लेकिन जरूरी चीजों की कीमतें आतिशबाजी होकर आकाश की ओर उड़ रही हैं। ऐसी ऐसी बातें होती हैं कि असल सच किसी के पल्ले नहीं पड़ता। अब भला पूछिये मेहरबानों से कि दुनिया भर में पैट्रोलियम उत्पादों की कीमतें गिरकर धरती चूम रही हैं और अपने देश में पैट्रोल और डीजल की कीमतों का कनकौआ आसमान की ओर क्यों उड़ाया जा रहा है? पहले कहा, सरकारी खजाना भरना है, इसलिए कीमत स्तर को काठ मार जाने दो, इसे गिरने नहीं देना है। देखते ही देखते बाजार में जरूरी वस्तुओं की कीमतें कुलांचें भरने लगीं और आम आदमी उदास होकर सोचता है कि भैय्या यह कैसी तरक्की है? 'यह तो जाते थे जापान पहुंच गए चीन, समझ गए न।' अब गाने में तो कहा गया है, 'मन्नू तेरा हुआ अब मेरा क्या होगा?' अब आम आदमी क्या अपने अच्छे दिनों की इसी तरह उम्मीद करें? जी नहीं, उससे पहले राज्य सरकारों को भी तो अपनी गरीबी दूर करनी है। उन्हें भी तो अपना वैट बढ़ा कर अपनी स्थानीय आर्थिक दुर्दशा की मरहम पट्टी करनी है। हां, चुनावी मजबूरी आ गई तो उन्हीं स्थानीय करों को घटाकर वाहवाही लूटी जा सकती है। बंधु, यह काम थोड़ा छिप-छिप कर भी करना पड़ता है। अब देखो न पहले गैस का ईंधन सिलेंडर दो दामों पर मिलता था। एक थोड़ा सस्ता अनुदान सहायता प्राप्त और दूसरा सामान्य बिना सहायता के। अब पैट्रोलियम उत्पादों की घटती कीमतों का यह प्रभाव हुआ कि मिर्जा नौशा भी कह उठे, 'बर्फ गिरती है तो बेचारे मुसलमीनों पर', अर्थात सामान्य सिलेंडर की कीमत ही कम होकर कटौती वाले सिलेंडर के बराबर हो गई। अब चाहे अनुदान प्राप्त सिलेंडर खरीद कर मुसलमीन कहलाओ। जब कटौती है ही नहीं तो पैसा तुम्हारे खाते में जाएगा कैसे? इसलिए हे दुनिया के कार्टूनिस्टो, तनिक सावधान! पहले भ्रष्ट की पहचान करनी हो तो तोंदियल और मोटा बनाते थे और मरभुक्खे को सींकिया बदन दुबला पतला दिखाते थे।

देश दुनिया से

माटी चुन-चुन महल बनाया

जीवन में रहते हुए यह शरीर सुख-दुख भोगता है, बीमारी आदि भोगता है। अगर मोटी-मोटी बात करें तो हमारा एक और शरीर भी है जो सूक्ष्म शरीर है। सूक्ष्म शरीर एक प्रकाश पुंज मात्र है। हमारा यह सूक्ष्म शरीर बहुत शक्तिशाली है। यह भी सुख-दुख भोगता है। मृत्यु के पश्चात यदि हमें मोक्ष न मिले तो हमारा सूक्ष्म शरीर धरती की दुनिया से ऊपर की दुनिया में चला जाता है और समय आने पर फिर से जन्म लेकर संचित कर्मों के फल भोगता है तथा नए कर्म करता है। अगला जन्म लेने से पूर्व यही शरीर स्वर्ग-नर्क भी भोगता है। आत्मा इन दोनों शरीरों से परे है। यह सुख-दुख से परे है और परमात्मा का शुद्ध अंश है। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में इसी के बारे में बताया है कि यह अजर-अमर है।

हम सब एक शरीर के साथ जन्म लेते हैं। यह शरीर जो हमें दिखता है, यह एक स्थूल शरीर है और इसकी अपनी सीमाएं हैं। जीवन में रहते हुए यह शरीर सुख-दुख भोगता है, बीमारी आदि भोगता है। अगर मोटी-मोटी बात करें तो हमारा एक और शरीर भी है जो सूक्ष्म शरीर है। सूक्ष्म शरीर एक प्रकाश पुंज मात्र है। हमारा यह सूक्ष्म शरीर बहुत शक्तिशाली है। यह भी सुख-दुख भोगता है। मृत्यु के पश्चात यदि हमें मोक्ष न मिले तो हमारा सूक्ष्म शरीर धरती की दुनिया से ऊपर की दुनिया में चला जाता है और समय आने पर फिर से जन्म लेकर संचित कर्मों के फल भोगता है तथा नए कर्म करता है। अगला जन्म लेने से पूर्व यही शरीर स्वर्ग-नर्क भी भोगता है। आत्मा इन दोनों शरीरों से परे है। यह सुख-दुख से परे है और परमात्मा का शुद्ध अंश है। भगवान श्री कृष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में इसी के बारे में बताया है कि यह अजर-अमर है। इस पर हवा, पानी, आग और हथियारों आदि का कोई असर नहीं होता। निर्वाण की स्थिति में आत्मा ही परमात्मा में विलीन होती है जिससे हमें जीवन-मरण के चक्र से छुटकारा मिल जाता है। ऋषियों, मुनियों, मनीषियों ने इस संसार को मिथ्या और जीवन को सपना इसलिए कहा क्योंकि हमारा यह शरीर नश्वर है और जीवन के बाद कभी न कभी मृत्यु का होना भी निश्चित है। मृत्यु के बाद यह शरीर नहीं रहता। जब हम जरा गहराई में जाते हैं तो यह समझ आता है कि यह जीवन वास्तव में एक स्कूल है जहां हम इसलिए आते हैं ताकि निर्वाण की प्राप्ति के लिए हम अभी तक जो नहीं सीख पाए हैं, वह सीख लें और जीवन-मरण के चक्र से मुक्त होकर सर्वेश्वर परमपिता परमात्मा से जा मिलें। जब हम दोबारा जन्म लेते हैं तो हम अपने संचित कर्मों का फल तो भोगते ही हैं, पर साथ ही हम नए कर्म भी करते हैं। ये नए कर्म ही अगर ऐसे हों जो हमें परमात्मा के और करीब ला सकते हों, तो हम निर्वाण की ओर बढ़ते चलते हैं। शरीर नश्वर है और जीवन के साथ मृत्यु अवश्यंभावी है, तो हमारे कर्मों के अलावा यहां प्राप्त की गई अथवा जोड़ी गई शेष हर चीज यहीं रह जाएगी। हमें कोई संपत्ति विरासत में मिले या हम स्वयं अर्जित करें, वो अंततः यहीं रह जाएगी। अक्सर तो ऐसा भी होता है कि किसी ने बहुत मेहनत करके, कंजूसी करके, बचत कर-कर के कुछ बनाया, लेकिन अपने जीवन में उसे कभी भोग नहीं पाया और चाहे अपनी संतानों के लिए अथवा दुनिया के लिए छोडक़र स्वर्गवासी हो गया। इसीलिए संत कबीर दास जी ने कहा कि माटी चुन-चुन महल बनाया, लोग कहें घर मेरा, ना घर तेरा, ना घर मेरा, चिड़िया रैन बसेरा, कौड़ी-कौड़ी माया जोड़ी, जोड़ भरेला थैला, कहत कबीर सुनो भाई साधो, संग चले ना धेला, उड़ जाएगा हंस अकेला, जग दो दिन का मेला। हम सब अक्सर समय की कमी का रोना रोते हैं। अक्सर हम कहते हैं कि अगर हमारे पास समय होता तो हम फलां-फलां काम कर लेते, पर असली सच यह है कि समय ही एक ऐसी वस्तु है जिसका हम सबसे ज्यादा दुरुपयोग करते हैं, समय ही ऐसी वस्तु है जिसे हम सबसे ज्यादा बेकार में गंवाते हैं, समय ही एक ऐसा उपहार है कि हम जिसकी कीमत नहीं समझते और इसे व्यर्थ के कामों में, उलझनों में, लड़ाई-झगड़ों में, किसी की आलोचना में, किसी की निंदा में, षड्यंत्रों में और गपशप में गंवा देते हैं। तभी तो हमारे ऋषियों, मुनियों, संतों और मनीषियों ने कहा है कि हीरा जनम अमोल सा, कौड़ी बदले जाए, जबकि इसी समय का सदुपयोग करके हम निर्वाण की ओर कदम बढ़ा सकते थे और सर्वशक्तिमान त्रिलोकीनाथ सवेश्वर परमात्मा से मिल पाने का जुगाड़ कर सकते थे। सवाल उठता है कि हम परमात्मा से मिलन के लिए क्या कर सकते हैं, और कैसे कर सकते हैं। हर धर्म परमात्मा के मिल पाने के रास्ते बताता है। 'सहज संन्यास मिशन' ने इसे 'न भागो, न त्यागो, सिर्फ जागो' का मंत्र देकर बहुत आसान बना दिया है। इस मंत्र का खुलासा करें तो हमें समझ में आता है कि परमात्मा की प्राप्ति के लिए हमें संसार से भागने की आवश्यकता नहीं है, संसार को त्यागने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सिर्फ जागरूक होकर आत्म-मंथन करके अपनी सोच और अपने जीवनयापन के ढंग में कुछ छोटे-छोटे और आसान बदलाव करके आध्यात्मिकता की ओर बढ़ते रहना है। इसी दुनिया में रहकर, समाज में रहकर, परिवार में रहकर, अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए, हमें सिर्फ इतना करना है कि हम किसी भी तरह की कोई हिंसा न करें। यहां हमें यह समझना होगा कि 'हिंसा' की अवधारणा बहुत व्यापक है। जीव की हत्या तो हिंसा है ही, पर उसके अलावा जब हम किसी की निंदा करें, चुगली करें, शिकायत करें, दोषारोपण करें, अपमान करें, क्रोध करें तो यह भी हिंसा है। किसी का दिल दुखाना हिंसा है, पर सिर्फ किसी का दिल दुखाना ही हिंसा नहीं है, अपना दिल दुखाना भी हिंसा है। जब हम अपमानित महसूस करते हैं, अपनी किसी गलती पर पछताते हैं, किसी पर गुस्सा करते हैं, तो हम दुखी हो जाते हैं। यह समझना आवश्यक है कि क्रोध इसलिए आता है क्योंकि हम दुखी हुए।

आप का नजरिया

फर्ज की तौहीन

करमुक्त मानसिकता के आलोक में दौड़ती हिमाचल की गाड़ी अचानक पहियों से बाहर निकल गई और यकीन न हो तो नब्बे हजार करोड़ के कर्ज में डूबे 'विचित्र आशावाद' के गड्ढे देख लेना। आश्चर्य यह कि हमारा नागरिक समाज केवल सरकार की अभिलाषा में जीता है। निजी शान के लिए प्रगति, इम्तिहान के लिए सरकारें। क्या आप गिन सकते हैं कि पिछले एक दशक में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति वाहन, जेसीबी मशीनें, सीमेंट-सरिया, ब्रांडेड कपड़े और खानपान के लिए फूड चेन का चयन हमने किया। हम अगर पिछड़े हैं तो प्रदेश को वांछित कर चुकाने में ही देश भर में पीछे हैं। हम शहरी मानसिकता से ओतप्रोत गांव में हल नहीं, भवन उगाते हैं। पूरे प्रदेश की सडक़ों पर वाहन पार्क करके या किनारों पर व्यापारिक भवन बनाकर अपने फर्ज की इतिश्री कर देते हैं। यकीन न हो तो बल्ह घाटी या कुल्लू से भुंतर के बीच इमारतों के जमघट में उखड़ी फसलों की जड़ों में जमे सीमेंट को देख लें। देख लें कि हर सडक़ पर बाजार दौड़ रहा। यही बाजार पपरोला से बैजनाथ के बीच दौलत की नुमाइश-पैमाइश बन जाता है, लेकिन व्यवस्थित होने को कहर मानकर और टीसीपी के दायरे में आने भर की सूचना से कोहराम मच जाता है। पालमपुर-धर्मशाला को नगर निगम की वकालत में नागरिक सुविधाओं का अंबार चाहिए, लेकिन टीसीपी की जरूरत में शहरीकरण का यह पैगाम मंजूर नहीं। शहरी नियोजन यह समझाने में असफल रहा कि शहरीकरण की उम्मीदों में जीने की कुछ लागत व योजना के दायरे में भविष्य की शर्तें नत्थी हैं। आश्चर्य यह कि आधी सदी से आया ग्राम एवं नगर योजना कानून अपने पक्ष में इतना सा तर्क भी पैदा नहीं कर सका कि जनता आज स्वयं आगे बढक़र इसे अंगीकार करती। विडंबना भी यही है कि नेताओं ने प्रदेश की मिट्टी को इतना नर्म कर दिया कि आर्थिक विषमताओं से बचने के लिए बाड़बंदी तक नहीं हो सकी। प्रदेश में 24 लाख पंजीकृत वाहनों की तादाद बताती है कि शायद ही किसी घर में अब गरीबी बची होगी, लेकिन हमारे नियमों का सौदा सडक़ पर होने लगा। क्यों नहीं यह प्रदेश जीने के आदर्श और राज्य के प्रति नागरिक फर्ज की आचार संहिता बना पाता। कम से कम शहरों में इमारतों के नक्शे में पार्किंग की शर्त इस तरह लागू हो कि वाहन का पंजीकरण तब ही प्रमाणित होगा जब मालिक के पास माकूल जगह हो। दूसरी ओर वाहन पंजीकरण के साथ एकमुश्त पार्किंग फीस लेकर ऐसा फंड बनाया जाए तो वाहनों की संख्या के अनुरूप हर शहर से कस्बे तक पार्किंग व्यवस्था को मुकम्मल बनाया जा सकता है। अगर कर्मचारियों की ओपीएस बहाल हुई, तो वित्तीय प्रबंधन में इन्हीं के बीच राज्य के बांड जारी करके, एक आंतरिक वित्तीय व्यवस्था की मद में अगर उत्पादक निवेश को तरजीह दी होती, तो प्रति व्यक्ति आय में अग्रणी हिमाचली समाज अपनी बचत को सरकार की गारंटी व विश्वसनीयता के आधार पर, एक निश्चित लाभ की अपेक्षा में लगा देता।

देश बदलावों के लिए तैयार, भारत सतत वृद्धि के पथ पर अग्रसर : शक्तिकांत दास

मुंबई,05 सितंबर (एजेंसियां) ।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को कहा कि देश सतत वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी चालक गति पकड़ रहे हैं। इन बदलावों के लिए देश तैयार है।

शक्तिकांत दास ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के संयुक्त रूप से आयोजित सालाना एफआईबीएसी 2024 सम्मेलन में यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने उद्घाटन भाषण में कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों तथा बाजारों में व्यापक बदलाव हो रहे हैं, देश इन बदलावों के लिए तैयार है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रिजर्व बैंक ने 7.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के लिए अपने विकास दर के अनुमान को संशोधित करके अब इसे 7 फीसदी पर रखा है। वहीं, दो दिन पहले विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के विकास के अनुमान को बढ़ाकर सात फीसदी कर दिया है। ऐसे में मुझे लगता है कि सभी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और रिजर्व बैंक की ओर से लगाए गए आर्थिक वृद्धि दर की बात करें, तो हमारी धारणाएं और अनुमान एक दूसरे से मेल खा रहे हैं।

गवर्नर दास ने आगे कहा कि एफआईबीएसी वार्षिक सम्मेलन में वापस आकर खुशी हो रही है। यह सम्मेलन विशेष है क्योंकि यह उद्योग जगत के नेताओं, वित्तीय क्षेत्र के खिलाड़ियों और नियामकों को समकालीन प्रासंगिकता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर लाता है। मैं इस वार्षिक सम्मेलन के आयोजन के लिए फिक्की और आईबीए को बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। उन्होंने कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों और बाजारों में बड़े पैमाने पर बदलाव हो रहे हैं। एक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में हमारे देश की यात्रा कारकों के एक अनूठे मिश्रण से शक्ति प्राप्त कर रही है। ये एक युवा और गतिशील आबादी, एक लचीली और विविध अर्थव्यवस्था, एक मजबूत लोकतंत्र, उद्यमशीलता और नवाचार की एक समृद्ध परंपरा है।

न्यूज ब्रीफ

सेमीकंडक्टर उद्योग में सप्लाई चेन और स्किल की चुनौती

नई दिल्ली। ताइवान की सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कंपनियां बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत को वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही हैं, लेकिन इस संभावित साझेदारी को साकार करने की राह में कई चुनौतियां हैं। ताइवान आसियान अध्ययन केंद्र की निदेशक क्रिस्टी त्सुन-त्जू हसू ने कहा कि किसी देश या स्थान में निवेश करने का फैसला लेते समय ताइवान की कंपनी पांच प्रमुख बातों को ध्यान में रखती है। इनमें स्थानीय ग्राहक सहायता, बुनियादी ढांचे की पूर्णता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, स्थानीय सरकार का नीतिगत समर्थन और पर्याप्त प्रतिभा की उपलब्धता शामिल हैं। हाल में मुंबई में आयोजित अश्वमेध इलारा इंडिया डायलॉग 2024 में हसू ने कहा कि टीएसएमसी के साथ केवल एक टाटा की साझेदारी कभी भी काफी नहीं रहेगी। भारत को प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और कारोबारी साझेदारों की व्यापक श्रृंखला के साथ संबंध बनाने की आवश्यकता है। देश में शैशव अवस्था वाले सेमीकंडक्टर उद्योग को विदेश में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभाओं को वापस देश में आकर्षित करना भी चुनौतीपूर्ण लगता है। ताइवान में प्रशिक्षण हासिल करने वाले भारतीयों के बारे में हसू ने कहा कि ताइवान में प्रशिक्षण लेने के बाद उनमें से बहुत से लोग काम पर वापस आने के इच्छुक नहीं होते हैं।

यात्री वाहन की खुदरा बिक्री अगस्त में पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली। ग्राहक खरीद में देरी, खराब उपभोक्ता धारणा तथा लगातार भारी बारिश की वजह से भारत में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में अगस्त में सालाना आधार पर पांच फीसदी की गिरावट देखी गई है। अगस्त में कुल 3,09,053 यात्री वाहन (पीवी) का पंजीकरण हुआ, जबकि अगस्त 2023 में यह संख्या 3,23,720 थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बयान में कहा कि त्यौहारी मौसम के बावजूद बाजार पर काफी दबाव बना हुआ है। वाहन अब 70-75 दिन तक गोदाम में रखे रहते है और इन्वेंट्री कुल 7.8 लाख वाहनों की है, जिसका मूल्य 77,800 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, पी.वी. मूल उपकरण निर्माता (ओ.ई.एम.) मासिक आधार पर डीलर को भेजे जाने वाले सामानों की संख्या में वृद्धि कर रहे हैं, जिससे समस्या और भी गंभीर हो रही है। उन्होंने कहा कि फाडा सभी बैंकों तथा एनबीएफसी से तत्काल हस्तक्षेप करने और अत्यधिक स्टॉक रखने वाले डीलर को दिए जाने वाले वित्तपोषण को नियंत्रित करने का आग्रह करता है।

एडटेक दिग्गज बैजूस के लेनदार फिर से करें अपीलः एनसीएलटी

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सुनवाई के दौरान एडटेक दिग्गज बैजूस के अमेरिकी लेनदारों से कहा है कि लेनदारों की समिति को हटाने वाली याचिका की सुनवाई के लिए नई अपील करे। एनसीएलटी ने मामले की सुनवाई 11 सितंबर तक टाल दी। बैजूस के अमेरिकी लेनदारों का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्लास ट्रस्ट ने एक पत्र में दावा किया कि अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) ने सीओसी से लेनदारों को गैरकानूनी तौर पर निकाल दिया है। यह जानकारी ग्लास ट्रस्ट के ईमेल से मिली। जानकार सूत्रों ने बताया कि आईआरपी पंकज श्रीवास्तव ने ग्लास ट्रस्ट को सीओसी से हटा दिया और दावा किया कि वह कंसोर्टियम के न्यूनतम 51 फीसदी लेनदारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इस बारे में श्रीवास्तव से संपर्क की कोशिश की गई लेकिन वह नाकाम रही। अयोग्य ठहराए जाने पर अमेरिकी लेनदारों ने एक ईमेल में कहा कि अयोग्य ठहराए जाने का मामला किसी भी तरह से थिंक ऐंड लर्न की वित्तीय देनदारी के खिलाफ ग्लास ट्रस्ट के दावे को कहीं से भी कमतर नहीं बताता, जिसे पहले पंकज ने मानते हुए मूल रूप से ग्लास ट्रस्ट को सीओसी में शामिल किया था।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार में गिरावट के बावजूद निवेशकों ने की 53 हजार करोड़ की कमाई

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी लेकिन बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिर कर लाल निशान में आ गए। हालांकि, खरीदार लगातार लिवाली का जोर बना कर शेयर बाजार को सहारा देने की कोशिश करते रहे, जिसके कारण दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव भी होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिनभर हुई खरीद बिक्री के दौरान आईटी, मीडिया, मेटल, टेलीकॉम और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर कैपिटल गुड्स, रियल्टी, पावर, ऑयल एंड गैस और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

बाजार में आई गिरावट के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 465.66 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 53 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,037 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,260 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,667 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,443 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,476 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 967 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 117.15 अंक की मजबूती के साथ 82,469.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 264.85 अंक की बढ़त के साथ 82,617.49 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि ये मजबूती अधिक देर कायम नहीं रह सकी, क्योंकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 222.20 अंक की कमजोरी के साथ लुढ़क कर 82,130.44 अंक के स्तर तक गिर गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 151.48 अंक की गिरावट के साथ 82,201.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 51.80 अंक की बढ़त के साथ 25,250.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 25,275.45 अंक तक पहुंच गया। इस उछाल के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 70.95 अंक फिसल कर 25,127.75 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद खरीदारों के एक्टिव हो जाने की वजह से इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी ने 53.60 अंक टूट कर 25,145.10 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

दिन भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 3.19 प्रतिशत, एलटी माइंडट्री 1.29 प्रतिशत, विप्रो 1.10 प्रतिशत, बीपीसीएल 0.97 प्रतिशत और आईटीसी 0.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सिप्ला 1.46 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.42 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.35 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.32 प्रतिशत और ब्रिटानिया 1.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

मोदी की यात्रा का असर

सिंगापुर की कंपनी ने भारत को लेकर किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली,05 सितंबर (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर पहुंचने से कुछ घंटे पहले ही वहां की एक कंपनी ने बड़ा ऐलान कर दिया। सिंगापुर की प्रमुख रियल एस्टेट निवेश कंपनी कैपिटालैंड इन्वेस्टमेंट ने घोषणा की है कि 2028 तक भारत में उसका अपने फंड अंडर मैनेजमेंट को दोगुना से अधिक बढ़ाने का लक्ष्य है। वर्तमान में भारत में कैपिटालैंड के पास 7.4 बिलियन सिंगापुर डॉलर का फंड है। कंपनी ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी ने कई योजनाएं बनाई हैं। मोदी की यात्रा का उद्देश्य भारत-सिंगापुर दोस्ती को बढ़ावा देना, रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना और सिंगापुर से निवेश आकर्षित करना है। कैपिटालैंड के समूह के सीईओ ली ची कून ने कहा कि भारत वैश्विक कंपनियों और संस्थागत निवेशकों से क्वालिटी एसेट्स को आकर्षित कर रहा है। कून ने यह भी कहा कि कैपिटालैंड भारत में रिन्यूएबल एनर्जी और रियल एस्टेट प्राइवेट क्रेडिट सेगमेंट में प्रवेश के अवसर देखेगा। पिछले महीने, कैपिटलैंड ने भारत में बिजनेस पार्क विकास के लिए एक फंड लॉन्च किया था। इससे कैपिटालैंड के फंड अंडर मैनेजमेंट पोर्टफोलियों में 70 करोड़ डॉलर जुड़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सिंगापुर पहुंचे और उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत की। मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और अन्य सरकारी अधिकारी भी सिंगापुर में मौजूद हैं।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बेचकर 5,000 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिये संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने धन जुटाने के लिए 29 अगस्त को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) जारी किया था। प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया ?कि निदेशक मंडल की वित्त पोषण जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत निवेशकों को 1,674 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 2,98,68,578 शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य समिति द्वारा निर्धारित 1,755.09 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य से 4.62 प्रतिशत कम था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अब सीमाओं से...

लाभ नहीं मिलना चाहिए। उनको न्याय की जद में लेकर आना जरूरी है।

सीबीआई के निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि तकनीकी के जरिये होने वाले अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। इनसे निपटने के लिए अब अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अपराध अब सीमाओं में बंधे नहीं हैं। अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कानून प्रवर्तन के पेशेवरों को अंतरराष्ट्रीय सहायता, समन्वय के माध्यमों की जानकारी होना जरूरी है। सम्मेलन में भाग ले रहे प्रतिभागियों को विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रत्यर्पण, अनंतिम गिरफ्तारी और स्थानीय अभियोजन के बारे में जानकारी दी। सम्मेलन में बीकेए (जर्मनी), एफबीआई (यूएसए), सीबीआई, राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी (जापान), राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (यूके), पीडीआई (चिली), नेपाल पुलिस के वक्ताओं ने भाग लिया।

10 सितंबर तक...

वहीं सुनवाई के दौरान सोवानी ने अदालत से कहा, वह प्रतिमा के डिजाइन और अन्य दस्तावेजों के बारे में सभी विवरण पुलिस को सौंपने के लिए तैयार हैं।

वहीं इस मामले में सीएम एकनाथ शिंदे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति बनाने वाले जयदीप आप्टे की गिरफ्तारी पर कहा, मैंने पहले भी कहा था, कानून के सामने सभी समान हैं और उसे गिरफ्तार होना ही था, मामले की गहन जांच होगी। छत्रपति शिवाजी महाराज हमारे भगवान हैं और जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था। मामले का राजनीतिकरण बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

सिंधुदुर्ग पुलिस ने पिछले महीने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में जयदीप आप्टे और चेतन पाटिल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की लापरवाही और अन्य अपराधों की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी। ठाणे जिले के रहने वाले मूर्तिकार जयदीप आप्टे ने ही शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची प्रतिमा बनाने का काम किया था।

मुख्य न्यायाधीश ...

जबकि अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 26 सितंबर को तय की है। हालांकि पश्चिम बंगाल सरकार के वकील मोहम्मद गालिब, जो अदालत में मौजूद थे, लेकिन जनहित याचिका में शामिल नहीं थे, ने राज्य की ओर से बिना शर्त माफी मांगी। उनसे अनुरोध किया गया कि वे सरकारी वकील के कार्यालय को सूचित करें ताकि सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। पीठ ने कहा कि उसके समक्ष मौजूदा याचिका में न्यायालय ने 9 मई को याचिकाकर्ता को सरकारी वकील के कार्यालय में नोटिस देने का निर्देश दिया था, ताकि राज्य की ओर से एक वकील उपस्थित हो सके और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उसके समक्ष दलीलें रख सके। न्यायालय ने कहा कि अप्रैल में पहले भी राज्य का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ वकीलों ने किया था।

संदीप घोष ने ही...

उन्होंने आरोप लगाया है कि इस मामले में पश्चिमी बंगाल सरकार की स्पष्ट भूमिका सामने आ गई है और ममता बनर्जी को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। पार्टी ने इस घटना पर विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के नेताओं को चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। भाजपा ने प्रदर्शनकारियों के साथ कदम मिलाते हुए इस घटना में कोलकाता पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। पार्टी का आरोप है कि कोलकाता के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने इस घटना की जांच में गंभीरता नहीं दिखाई है, उलटे उसने अपनी ताकत का उपयोग घटना और दोषियों को छिपाने के लिए किया है, कोलकाता पुलिस कमिश्नर को उनके पद से हटाया जाना चाहिए।

ग्लोबल एआई शिखर...

संस्थानों के साथ क्लाउड और एआई प्रौद्योगिकियों के आसपास एक सहयोगी अनुसंधान एवं विकास पहल भी स्थापित करेगा। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) टी-एआईएम संचालित स्टार्टअप के लिए परम सिद्धि - एआई और एआईरावट पीओसी तक मुफ्त पहुंच प्रदान करेगा।इन स्टार्टअप्स को छह महीने के लिए 1,000 मुफ्त जीपीयू घंटे मिलेंगे, जिससे उनकी लागत कम होगी और प्रमुख क्षेत्रों में एआई नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में महत्वपूर्ण और उभरते क्षेत्रों में एआई को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, सरकार उत्कृष्टता केंद्र बनाने के लिए पाथ और नाज़ारा टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी कर रही है।पाथ, एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी स्वास्थ्य संगठन, और तेलंगाना सरकार सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एआई में एक सीओई (सीओई-ए14पीएच) का निर्माण करेगी, जिसका उद्देश्य तेलंगाना में हेल्थकेयर सेवा वितरण के लिए एआई का व्यापक रूप से लाभ उठाना है। ई-स्पोर्ट्स और मोबाइल गेमिंग कंपनी, नज़रा, सरकार के सहयोग से, गेमिंग, इंटरैक्टिव मीडिया और डिजिटल सामग्री में एआई-संचालित नवाचार और नीति-निर्माण पर केंद्रित एक अत्याधुनिक नाज़ारा एआई उत्कृष्टता केंद्र

आदिवासी महिला के यौन उत्पीड़न की एनएचआरसी करे जांच: भाजपा महिला मोर्चा

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा महिला मोर्चा (भाजपाएमएम) की राज्य इकाई ने गुरुवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के जैनूर गांव में एक आदिवासी महिला के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या के प्रयास की गहन स्वतंत्र जांच करने का आग्रह किया।

एनएचआरसी को संबोधित अपने पत्र में, भाजपाएमएम की राज्य इकाई की अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी ने आयोग से पीड़िता की स्वतंत्र मेडिकल जांच कराने और पीड़िता को शीघ्र न्याय और सहायता देने का भी आग्रह किया। उन्होंने पत्र में कहा, जैसा कि प्रारंभिक रिपोर्टों में एसके मक्कुदम द्वारा महिलाओं पर हमले की पुष्टि की गई है, जिसने हमले के बाद उसे छोड़ दिया और पहचाने जाने के डर से उसे मारने के इरादे से वापस आ गया।उन्होंने कहा, ऐसी खबर है कि पीड़िता को आगे के इलाज के लिए हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्होंने आयोग से मामले में हस्तक्षेप करने और पीड़िता को न्याय दिलाने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि 2023 में तेलंगाना में अपराध दर बढ़कर 12 प्रतिशत हो गई है और यह चिंताजनक है कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध और साइबर अपराध बढ़ रहे हैं।

सरकारी शैक्षणिक संस्थानों को मुफ्त बिजली आपूर्ति प्रदान करेगी रेवंत सरकार

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्य की कांग्रेस सरकार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य के सभी सरकारी शैक्षणिक संस्थानों को मुफ्त बिजली आपूर्ति प्रदान करने का निर्णय लिया है। सरकार के सचिव (ऊर्जा विभाग) डी. रोनाल्ड द्वारा गुरुवार को यहां जारी जीओ के अनुसार यह योजना तत्काल प्रभाव से लागू होगी। कार्यान्वयन के लिए योजना के तौर-तरीकों में शामिल है कि टीजी डिस्कॉम राज्य के सभी सरकारी शैक्षणिक संस्थानों के संबंधित विभागों को दिए गए लॉगिन के साथ एक ऑनलाइन पोर्टल बनाएगा और संबंधित विभाग के सचिव योजना में शामिल होने वाले संस्थानों की सूची को अंतिम रूप देंगे।प्रत्येक संस्थान के लिए मासिक बिलिंग की जाएगी और विभाग के लॉगिन में प्रदर्शित की जाएगी। पोर्टल खपत, बिल राशि, ऐतिहासिक खपत, बिलिंग, भुगतान और शेष राशि से संबंधित रिपोर्ट को संस्थान-व्यापी, मंडल-वार और जिले-वार तैयार करने में भी सक्षम करेगा और सभी विभागों के लिए उपलब्ध होगा।

प्रेरणा फाउंडेशन द्वारा इको फ्रेंडली गणेश जी मूर्तियों का निःशुल्क वितरण आज

हैदराबाद, 5 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेरणा फाउंडेशन संस्था द्वारा शुक्रवार दि. 06 सितंबर 2024 को इको फ्रेंडली गणेश जी की मूर्तियों का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। हमडा के सौजन्य से, संस्था की संस्थापिका एवं संचालिका श्रीमती पूजा गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उक्त कार्यक्रम अशोक नगर स्थित शीतल ग्रैंड बाजार के समीप प्रातः 11.30 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. के .लक्ष्मण (राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा भाजपा एवं सांसद) रहेंगे। संस्था की सभी सदस्यायें एवं अन्य इको फ्रेंडली भाई बंधु से आग्रह किया गया है कि कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण को शुद्ध बनाने में अपना योगदान दें।

तेलंगाना के राज्यपाल ने पर्यावरण अनुकूल मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं वितरित कीं

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने गुरुवार को यहां राजभवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्राकृतिक जैविक रंगों से चित्रित पर्यावरण अनुकूल मिट्टी की गणेश मूर्तियां वितरित कीं।

राज्यपाल ने सभी कर्मचारियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विघ्नहर्ता भगवान गणेश हमारे राज्य और राष्ट्र की एकता, शांति, प्रगति और समृद्धि के मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर कर देंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 06 सितंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल शिक्षा समिति में मनाया गया शिक्षक दिवस

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा समिति के सेडमल हॉल में 5 सितंबर 2024 को शिक्षक दिवस मनाया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर मंच पर समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन, संयुक्त अकादमिक निर्देशक डॉ. राजेश अग्रवाल उपस्थित थे। इस अवसर पर समिति के संस्थाओं के प्रधानगण, शिक्षकगण आदि उपस्थित रहे।

समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा समिति आप सभी शिक्षकों की मेहनत से उन्नति कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी को जीवन निर्माता नहीं अपितु एक परिवार का भी जीवन निर्माता होता है, उन्होंने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थी को अपनी प्रेरणा व्यवहार से जीवन का सही महत्व बताए। शिक्षक को चाहिए कि वह विद्यार्थी के समक्ष दोस्त व दार्शनिक बनकर रहे।

अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन ने शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए अपने 50 वर्ष के अनुभव द्वारा बताया कि विद्यार्थी कभी अपने शिक्षकों को नहीं भूलते। शिक्षक विद्यार्थी का जीवन निर्माण करता है। शिक्षक सही दिशा द्वारा विद्यार्थी के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्ण के जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है तथा शिक्षा के महत्व को दर्शाता है।

अकादमिक निर्देशक डॉ. राजेश अग्रवाल ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि अध्यापक मेरा जुनून है और उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वह पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से अपना कार्य करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करे।

समिति की कृष्णा कुमारी मैडम ने कहा कि प्रत्येक शिक्षक अच्छा होता है और वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं उन्हें क्या करना है।

अवसर पर शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें म्यूजिकल चेयर व गायन आदि सम्मिलित थे । कार्यक्रम का संचालन छात्राओं द्वारा किया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का जॉब मेला 22 को

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मीडिया कमेटी के चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल ने प्रेस को जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि अग्रवाल समाज तेलेंगाना एक नयी पहल करते हुए इस वर्ष महाराजा अग्रसेन जी की 5148वीं ज्यंती उत्सव पर दि. 22 सितंबर, 2024 को क्लासिक गार्डन सिकंदराबाद में भव्य रूप से जॉब मेला का आयोजन करने जा रहा है ।

राघव रत्न स्थित अग्रवाल समाज के कार्यालय में इस संदर्भ में आयोजित बैठक में यूथ कॅरियर एंड एजुकेशन कौंसिल, ट्रेनिंग एंड जॉब कमेटी के चेयरमैन प्रेम अग्रवाल ने बताया कि उन्हें विभिन्न कम्पनियों रोज़गार के लिए कुल 300 रिक्त स्थनों की सूची प्राप्त हुई है और अभी लगभग 150 बंधुओं के रोज़गार के आवेदन पत्र उनके पास आ चुके हैं। उन्होंने आगे बताया कि कुछ और कम्पनियों के साथ वे संपर्क में हैं जहां पर रोज़गार के लिए रिक्त स्थान है । अग्रवाल समाज तेलेंगाना अग्रबंधुओं के लिए नियमित रूप से टैली प्रशिक्षण भी देता आ रहा है. जिससे अग्रबंधुओं को रोज़गार मिलने में सुविधा हो। कमेटी के वाईस चेयरमैन ललित अग्रवाल ने बताया कि जॉब मेले में प्रवेश पंजीकरण द्वारा ही संभव होगा । रोजगार पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर योग्यता अनुसार दिये जाएँगे। रोज़गार हेतु आवेदन देने के इच्छुक बंधु कमेटी चेयरमैन प्रेम अग्रवाल (8247410688), वाईस चेयरमैन आशुतोष अग्रवाल (9989112924) एवं ललित अग्रवाल (9885216664) से संपर्क कर सकते हैं ।

बैठक में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरशोत्तम अग्रवाल, कमेटी चेयरमैन प्रेम अग्रवाल, वाईस चेयरमैन ललित अग्रवाल, रुपेश अग्रवाल, राकेश जालान, संजय पसारी, संजय गुप्ता , फ़तह चंद मित्तल आदि उप-स्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलेंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बैठक में कहा कि यह अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा एक नयी पहल है और पहल भविष्य में समाज के कई बंधुओं के लिए वरदान साबित होगी ।यह हमारा इस क्षेत्र में सार्वजनिक रूप से प्रथम प्रयास है और भविष्य में भी हम इस प्रकार के आयोजन करने का प्रयास करेंगे।

बाबा रामदेव के जन्मोत्सव पर 17वीं पदयात्रा आयोजित

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामदेव सेवा समिति, कोत्तुर के तत्वावधान में भादवा सुदी दूज बाबा रामदेव सा पीर के जन्मोत्सव पर पदयात्रा का आयोजन किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कोतुर से शिवरामपल्ली स्थित बाबा रामदेव जी के धाम तक निकाली गई। इस पदयात्रा में भक्तों ने बड़ी श्रद्धा से भाग लिया। रामदेव सेवा समिति विगत 17 वर्षों से उक्त यात्रा का आयोजन कर रही है। इस अवसर पर अरविंद मिर्धा सांखला, निर्मल दाधीच, हीरालाल, सज्जन लाल, अशोक पटेल, मुरलीधर शर्मा, मनोज वैष्णव, दिनेश शर्मा , चेतन, अशोक, कालूराम गोदारा, हनुमान सुनील अमित शर्मा, श्रवण शर्मा, भंवरलालएवं बड़ी संख्या में श्रदालुओं ने भाग लिया।

एक दिवसीय संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया के केंद्रीय कार्यालय (उपभवन) हैदराबाद के सभागार में 05 सितंबर को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का संयुक्त आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद एवं क्षेत्रीय कार्यालय- पंजागुट्टा द्वारा किया गया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला में भारत सरकार की राजभाषा नीति से लेकर प्रयोजनमूलक हिन्दी पर आधारित गहन सत्र लिए गए। साथ ही प्रतिभागियों को बैंकिंग शब्दावली, पत्राचार, आंतरिक कामकाज में हिन्दी का प्रयोग, जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। बैंक के राजभाषा पोर्टल - कोर

राजभाषा सोल्यूशन और बैंक की प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के दौरान सबसे सक्रिय 6 प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रवि मारेम, उप क्षेत्र प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद, हैदराबाद द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बैंक के वर्तमान वित्तीय-वर्ष के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओँ का प्रत्यक्ष रूप से महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा और व्यक्ति जिस भी भूमिका में कार्यरत है वहाँ उसे अपना शत प्रतिशत योगदान देना चाहिए। अंचल कार्यालय, हैदराबाद के राजभाषा प्रमुख, देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक ने भी इस अवसर पर अपना महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने बदलते परिदृश्य में भाषा की भूमिका और कृत्रिम बुद्धि के साथ भाषा के समन्वयन की महत्ता को रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया।

पुरस्कार वितरण में रवि मारेम, उप क्षेत्र प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद, हैदराबाद एवं श्रीमती नम्रता भारती, मुख्य प्रबंधक ने अपनी महती उपस्थिति से सभी स्टाफ़ सदस्यों का उत्साह वर्धन किया। श्रीमती तपस्विनी दास, प्रबंधक (राजभाषा) , क्षेत्रीय कार्यालय पंजागुट्टा और सुश्री श्रुति पांडेय, सहायक प्रबंधक (राजभाषा), क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद ने आद्यांत संकाय और कार्यक्रम समन्वयक की भूमिका निभाई।

पेयजल संयंत्र उद्घाटन एवं पेयजल वाटर कैन वितरण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा गुरूवार 05 सितम्बर 2024 को दोपहर 12.00 बजे अमंगल स्थित रामपुर गांव में समाजसेवी जसमत पटेल के जन्मदिन के अवसर पर वाटर केन (जार, पात्र) का वितरण किया गया।

यहाँ लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि रामपुर गांव मे स्व. मो. हबीबुद्दीन की स्मृति में मो. नयीमुद्दीन परिवार द्वारा स्थापित पेयजल संयंत्र उद्घाटन किया गया तथा ग्रामवासियों में सेल्लो वाटर केन 5 लीटर (पात्र) का वितरण किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से अखिल भारत संन्यासी संगम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीश्रीश्री चेन्डालंगर शेम्बागामन्नार रामानुजा जीयर स्वामी, तिरूमला तिरूपति देवस्थानम हिन्दू धर्म प्रचार समिति के सदस्य स्वामी कमलेश महाराज, श्री जगन्नाथ स्वामी मठ जीरा के मठाधिपति अच्युत रामानुजार्य (अजय महाराज), प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरीयल फाउण्डेशन की संस्थापक मंत्री रिद्धीश जागीरदार, श्री गुजराती ब्रह्म समाज अध्यक्ष तरूण महेता, मंत्री अजय ओजा, समाज सेवी रमेश मजेठिया, डोंग्रेजी महाराज गौशाला के जयंतीलाल पटेल आदि ने भाग लिया।

रिद्धीश जागीरदार ने अवसर पर बताया कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन संस्था द्वारा गौसेवा कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है । जिसमें जरूरतमंदों की सहायता करना मुख्य है। संस्था विगत कई वर्षो से दशहरा, दिप-ावली ीसमल एवं रमजान ही नहीं बल्की भारत मे मनाये जाने वाले सभी त्यौहार व पर्व के अवसर पर भी विभिन्न क्षेत्रों में निशुल्क पोशाक, कम्बल, भोजन वितरण, स्वास्थय किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन करती आ रही है। उन्होने आगे कहा कि आज संस्था द्वारा फाउंडेशन के चेरमेन जसमतभाई पटेल के जन्मदिवस के पावन अवसर पर ग्रामवासियों मे वॉटर जग (जार) का वितरण किया गया जिससे जरूरतमंद ग्रामजनो को स्वच्छ तथा थंडा पानी पीने के लिए उपलब्ध हो इस हेतु से सेलो जार (पात्र) का वितरण किया जा रहा है। हमे हमेशा उन निःसहाय एवं जरूरतमंदो लोगों का भी खयाल रखना चाहिये, जो ऐसा नहीं कर सकते है।जीयर स्वामी ने इस अवसर पर कहा कि लव फॉर काऊ फाउण्डेशन द्वारा किये जा रहे कार्य निसंदेह प्रशंसनीय है। अन्य संस्थाओं को भी आगे आकर इस प्रकार के कार्यों को बडे पैमाने पर आयोजित करना चाहिये। संस्था विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यामो को बढावा दे रही है जो की निसंदेह एक हर्ष का विषय है।कमलेश महाराज ने कहा कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन तथा खासकर जसमतभाई पटेल द्वारा किये जा रहे गौसेवा का कार्य अत्यन्त ही अनुमोदनिय है वह हमेशा अलग एवं अनोखा तरिके से कार्य करते है, उनके द्वारा चलाये जा रहे गौमाता राष्ट्र माता घोषित हो इस संकल्प कार्याम का आज देश मे अपनी पहचान बनायी है। गौमाता उन्हे सुख, शांति, स्मृद्धि प्राप्त हो ऐसी मंगलकामनाये।

अच्युत रामानुजाचार्य ने कहा कि उनके मठ द्वारा आयोजित सभी कार्यामो मे जसमतभाई पटेल का तन, मन, धन से स हमेशा सहयोग प्राप्त होता है। उनके बारे मे जितना कहा जाये कम है। जसमतभाई सभी के लिए एक आदर्श व्यक्तित्व है उनको जगन्नाथ मठ द्वारा 2 साल पूर्व गौरत्न पुरस्कार से अलंकृत कर सम्मानित किया गया था, इस बात का हमे हमेशा गर्व रहेगा।अवसर पर जसमत पटेल ने इस अवसर पर सभी ग्रामवासियो को गौसेवा करने, गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रूपये का दान देने का निवेदन किया। उन्होने कहा कि तेलंगाना तथा आंध्रप्रदेश मे आई बाढ से प्रभावित लोंगो के लिए फाउडेशन द्वारा जल्दी ही एक कार्य योजना तैयार करने तथा प्रभावितो की सहायता के लिए जल्द ही सहयोग करने का आश्वासन दिया।कार्याम मे सभी अतिथि, शुभचिन्तको, ग्रामवासीयो आदि ने जसमतभाई पटेल का इस अवसर पर अभिनंदन शाल, माला, गुलदस्ते का साथ किया गया। कार्याम पश्चात सभी के लिये भोजन की व्यवस्था रखी गयी। ग्रामजनो ने मो. नयीमुद्दीन परिवार एवं लव फॉर काऊ फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त किया। अवसर पर जयंती पटेल, ददु पटेल, शांतिलाल पटेल, मनसुख पटेल, प्रभु पटेल, सरपंच श्यामसुंदर, आचार्य, वेंकटय्या, श्रीनिवास, कृष्णा तथा बडी संख्या मे ग्रामवासि उपस्थित थे।

केंद्रीय हिंदी संस्थान: हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 474वें नवीकरण पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र द्वारा आंध्रप्रदेश राज्य के मॉडल स्कूल के माध्यमिक हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 2 से 14 सितंबर तक हैदराबाद केंद्र पर 474वें नवीकरण पाठ्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह 3 सितंबर को संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने आभासी माध्यम से की। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सह-निदेशक, दूरदर्शन, हैदराबाद डॉ. पुट्टपर्ति नाग पद्मिनी उपस्थित थीं।

इस दौरान आभासी पटल से पाठ्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय

निदेशक प्रो. गंगाधर वानोडे, पाठ्यक्रम प्रभारी डॉ. फत्तराम नायक, विशिष्ट अतिथि डॉ. योगेंद्रनाथ मिश्र, कार्यालय अधीक्षक डॉ. एस. राधा तथा डॉ. संदीप कुमार मंच पर उपस्थित थे। इस नवीकरण पाठ्यक्रम में कुल 33 (महिला- 14, पुरुष- 19) हिंदी अध्यापक प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया। सर्वप्रथम मंचस्थ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित किया। माँ सरस्वती वंदना, संस्थान गीत व स्वागत गीत सजग तिवारी के सहयोग से प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर आभासी मंच से केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हिंदी के प्रति आपकी आस्था और प्रेम के लिए सभी कटिबद्ध हैं। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से आपके व्यक्तित्व विकास, विभिन्न कौशलों के विकास तथा अध्ययन कार्य को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए हम प्रयासरत् हैं। उन्होंने आगे कहा कि समूह चर्चा और विचार विमर्श को लेकर भी सार्थक प्रयास किया जाए। हिंदीतर प्रांतों के होने के कारण मानक हिंदी बोलते, लिखते समय गलतियाँ होती हैं।

श्री कोठी जैन श्री संघ में साध्वी प्रीति सुधा मा.सा. आदि ठाणा की निश्रा में भगवान महावीर जन्म वाचन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

पूर्व विधायक शिवलाल की पुण्यतिथि मनाई गई

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिवलाल स्मारक समिति द्वारा पूर्व विधायक स्व. शिवलाल की 42वीं पुण्यतिथि पर स्मृति सभा का आयोजन जाली हनुमान मंदिर स्थित शिवलाल किड्स केयर सेंटर एवं प्रौढ शिक्षा केंद्र में किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत स्व. शिवलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। अवसर पर पूर्व विधायक विष्णुवर्धन रेड्डी ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए स्व. शिवलाल के अभूतपूर्व कार्यों को स्मरण किया। अवसर पर अवसर पर पार्षद लाल सिंह, लोध समाज के अध्यक्ष एम. महेश सिंह, पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह, डी. अनिल सिंह, नरेश सिंह, गौ करण सिंह, ए. चंद्रशेखर, एलकेजीए के अध्यक्ष दशरथ सिंह, रणवीर सिंह, ज्ञानी चंदर सिंह, योगेश सिंह, राजेश सिंह, डी. शैलेंद्र सिंह, बल्देव सिंह, केवल सिंह, रमेश सिंह, लाल सिंह, राजन टी. सचिन सिंह, बिरजू सिंह, राकेश, शैलेंद्र सिंह, जे.डी. नितिन, जितेंद्र सिंह व अन्य उपस्थित थे।

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्री रामदेवरा दरबार, शिवरामपल्ली में बाबा रामदेव जी के जन्मोत्सव के अवसर पर बुधवार 4 सितंबर को रात्रि 8.00 बजे हवन पूजन किया गया। जिसमें शहर के प्रसिद्ध समाज सेवी गोपाल बल्दवा ने भाग लिया। इस अवसर पर मध्यरात्रि 12.31 बजे से अभिषेक किया गया जिसमें सैकड़ों भक्तजनों ने भाग लिया। भक्तों द्वारा बड़ी संख्या में बाबा की बड़ी दशमी तक दर्शन के लिए पधारने को देखते हुए शुक्रवार दि. 6 से 17 सितंबर, 2024 तक सुबह 8.00 से दोपहर 12.00 तथा सायं 5.00 से रात 9.00 बजे तक लंकर प्रसाद की व्यवस्था की गई। बाबा की बड़ी दशमी मंदिर में विशेष रूप से मनाई जा रही है।

गुरु नानक विश्वविद्यालय में एचआर कॉन्क्लेव-2024 आयोजित

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु नानक यूनिवर्सिटी हैदराबाद ने तीसरे राष्ट्रीय स्तर के एचआर कैंपस कनेक्ट 2024 (एचआर कॉन्क्लेव) की मेजबानी की। जिसका विषय था- चुनौतियों को अवसरों में बदलना,फ्रेशर्स कैरियर की सफलता के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों का लाभ आदि पर केंद्रित रहा।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह आयोजन नए स्नातकों के लिए करियर शुरू करने के साथ आने वाली चुनौतियों पर काबू पाने और उन्हें सफलता की सीढ़ी में बदलने के लिए अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक महत्व-पूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। इस मीट का उद्देश्य छात्रों को किसी भी प्रतिकूल परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए बहु-कुशल बनाना है। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. एच.एस. के संबोधन से हुई। सैनी- गुरु नानक विश्वविद्यालय के प्रबंध निदेशक और कुलपति हैं। जिन्होंने आज के गतिशील नौकरी बाजार में लचीलेपन और अनुकूलनशीलता के महत्व पर जोर देकर दिन के लिए माहौल तैयार किया।

इसके बाद आकर्षक भाषणों और पैनल चर्चाओं की एक श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें उद्योग जगत के सबसे सम्मानित मानव संसाधन पेशेवर शामिल हुए। जिन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आगे बढ़ने के लिए अपने अनुभव और रणनीतियों को साझा किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीविनय पुरपाला, निदेशक - मानव संसाधन, डाइबोल्ड निक्सडॉर्फ शामिल हुए। जिन्होंने निरंतर सीखने और परिवर्तन के अनुकूल होने के महत्व पर चर्चा की।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मानव संसाधन उद्योग में नवीनतम रुझानों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला और बाधाओं को अवसरों में बदलने के बारे में व्यावहारिक सलाह दी। इन चर्चाओं के बाद इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किए गए, जहां छात्र अपने करियर पथ पर मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए वक्ताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे। एचआर कैंपस कनेक्ट 2024 विशिष्ट अतिथियों के अभिनंदन और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में निदेशक डॉ. एस. श्रीनाथ रेड्डी, डॉ. संजीव श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. के वेंकट राव, संयुक्त निदेशक पी. पार्थसाराधी व अन्य संबंधित प्रमुखों और छात्रों ने भाग लिया।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 134वां नि:शुल्क मेडिकल कैम्प 8 को

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा गोशामहल सेवा दल के सहयोग से 134वां निशुल्क मेडिकल कैम्प आगामी रविवार, दि. 8 सितंबर को सुबह 10.00 से दोपहर 2.00 बजे तक आगापुरा चार कंदील स्थित इंटीग्रल फाउंडेशन हाई स्कूल में आयोजित किया जा रहा है।

यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर किम्स सनशाइन अस्पताल बेगमपेट, एल-सीएस डूंडू आई इंस्टीट्यूट, श्री भगवान महावीर विकलांग समिति हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया जायेगा। शिविर में जनरल फिजिशियन ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी तथा शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे और योग्य के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी। अवसर पर आर्थोपेडिक और कार्डियोलॉजी आर्थोपेडिक, कार्डियोलॉजी की सेवा दी जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा नि:शुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंडस एवं डायलिसिस रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा प्रदान की जाएगी। सभी से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। शिविर के लिए नाम पंजीकरण सुबह 10.00 से दोपहर 12.00 बजे तक किया जायेगा और कैंप दोपहर 2.00 बजे जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, डॉ. जोय अजय जोन्स, मनोज सिंह, मोहम्मद इफ्तिखार से संपर्क किया जा सकता है।

विप्र फ़ाउण्डेशन जोन-16 तेलंगाना द्वारा आगामी दि. 15 सितंबर, 2024 को आयोजित होने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह में विशेष अतिथि के रूप में केशव मेमोरियल एज्युकेशन ट्रस्ट के सचिव ए. सुब्रह्मण्यम को आमंत्रित करते हुए फ़ाउण्डेशन के महामंत्री रामदेव नागला, कार्यक्रम संयोजक आनंद शर्मा, सुरेश शर्मा एवं अन्य।

बेगमपेट स्थित हल्दीराम होटल में लोढ़ा की साखियों द्वारा भाजपा नेता एवं समाज सेवी सपना गुप्ता का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कंचन, रेखा अंजू, सोनिया, सुनीता, उमा, प्रमिला, मधु, रचना, उषा, सुनीता, जनक, रेखा, पिंकी, विमल गुप्ता, विनीत गुप्ता व अन्य।

नीरज अग्रवाल ने दमरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नीरज अग्रवाल ने गुरुवार 05 सितंबर को को रेल निलयम, सिकंदराबाद में अतिरिक्त महाप्रबंधक (एजीएम), दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के रूप में पदभार ग्रहण किया। वह भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसई) के 1987 बैच से हैं। वर्तमान कार्यभार से पहले उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, निर्माण के रूप में काम किया।नीरज अग्रवाल ने भारतीय रेलवे में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है और उन्होंने डीएफसीसीआईएल (डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) और के-राइड (कर्नाटक सरकार का एक संयुक्त उद्यम) जैसी कंपनियों में वरिष्ठ कार्यकारी के रूप में भी काम किया है। उन्होंने अपना करियर पश्चिम रेलवे से शुरू किया और दक्षिणी रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे जैसे विभिन्न क्षेत्रों में काम किया। उनके द्वारा संभाले गए कुछ महत्वपूर्ण पद हैं, मुख्य परियोजना प्रबंधक/डीएफसीसी आईएल (इलाहाबाद), महाप्रबंधक,

डीएफसी सीआईएल (नई दिल्ली), मुख्य अभियंता, नई दिल्ली (एमआरटीएस), वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, हाजीपुर (पूर्व मध्य रेलवे), निदेशक, के-राइड (बैंगलोर) और मुख्य परियोजना निदेशक, दक्षिण पश्चिम रेलवे। नीरज अग्रवाल, मैक्सवेल स्कूल ऑफ सिटिजनशिप एंड पब्लिक अफेयर्स, सिरैक्यूज़, यूएसए से सार्वजनिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे प्रसिद्ध संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद विशाल प्रशासनिक कौशल से संपन्न हैं, एमडीआई, गुड़गांव से प्रदर्शन उत्कृष्टता के लिए मानव संसाधन में सर्वोत्तम प्रथाओं पर पाठ्यक्रम, आईएसबी, मोहाली से उद्यम जोखिम प्रबंधन; आईपीई, हैदराबाद से निविदाओं और अनुबंधों का रणनीतिक प्रबंधन, आईआईटी, खड़गपुर से हाई-स्पीड रेल प्रणाली पर शीतकालीन सत्र, आईएसबी, मोहाली से रणनीतिक प्रबंधन और नेतृत्व, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके द्वारा लोकतंत्रों में बड़े बुनियादी ढांचे के विकास के लिए मेगा प्रोजेक्ट-नेतृत्व, मिलान, पेरिस, बार्सिलोना में डीएफसीसीआईएल से इलेक्ट्रिकल मॉड्यूल पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण और भ्रष्टाचार विरोधी एवं नैतिकता, आईएसीए वियना, ऑस्ट्रिया में क्षमता निर्माण आदि शामिल हैं।

हमारा लक्ष्य तेलंगाना को ट्रिलियन-डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य की साल-दर-साल 11.3 प्रतिशत की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि और 176 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पर प्रकाश डालते हुए, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने गुरुवार को तेलंगाना के लक्ष्य की पुष्टि करते हुए कहा कि निकट भविष्य में एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना।

मंत्री ने तेलंगाना के अन्य जिलों को प्रमुख योगदानकर्ता बनाने की योजना की भी रूपरेखा प्रस्तुत की। राज्य की

आर्थिक वृद्धि के लिए यह पहल राज्य के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है। उन्होंने कहा निकट भविष्य में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था और अगले दशक के भीतर 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य है। तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित दो वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में अपने मुख्य भाषण में श्रीधर बाबू ने कहा, तेलंगाना न केवल इस क्रांति में भाग ले रहा है बल्कि इसका नेतृत्व कर रहा है।

एआई क्रांति में सबसे आगे राज्य की स्थिति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हम हैदराबाद के पास 200 एकड़ के केंद्र में फ्यूचर सिटी के रूप में हम एक एआई सिटी विकसित कर रहे हैं, जो एआई अनुसंधान, विकास और अनुप्रयोग के लिए समर्पित है। यह परियोजना अत्याधुनिक कंप्यूटिंग सुविधाओं, व्यापक डेटा झीलों और मजबूत कनेक्टिविटी की पेशकश करते हुए, तेलंगाना को वैश्विक एआई नवाचार के केंद्र में स्थापित करने के लिए तैयार है।

मंत्री ने घोषणा की, यह एआई सिटी अभूतपूर्व प्रगति का उद्गम स्थल होगी, जो एक तकनीकी महाशक्ति के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करेगी।

हम अपने एआई शहर में एक एआई स्कूल शुरू करने की भी योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना ने एआई-संचालित कंपनियों के लिए 2 लाख वर्ग फुट विश्व स्तरीय कार्यालय स्थान प्रदान करने के लिए वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डब्ल्यूटीसी), शमशाबाद के साथ साझेदारी की है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि एआई सिटी के आकार लेने के दौरान वे तेजी से परिचालन शुरू कर सकें। एआई-पावर्ड तेलंगाना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, तेलंगाना सरकार ने निजी पारिस्थितिकी तंत्र में प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के साथ लगभग दो दर्जन समझौता ज्ञापन (एमओयू) में प्रवेश किया, जिनमें शैक्षणिक संस्थान, बड़ी-तकनीकी कंपनियां, स्टार्टअप और अन्य लाभकारी संगठन शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना को देश में एआई महाशक्ति बनाने के लिए आवश्यक विभिन्न आयामों पर इन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, उन्होंने कहा कि इन एमओयू पर प्रमुख रूप से 7 क्षेत्रों में हस्ताक्षर किए गए जिनमें कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, स्किलिंग, इम्पैक्ट असेसमेंट, स्टार्टअप इनोवेशन, जेनरेटिव एआई, अनुसंधान एवं सहयोग, और डेटा एनोटेशन।श्रीधर बाबू ने एआई विकास में नैतिक शासन के महत्व पर भी जोर दिया। तेलंगाना एक मजबूत एआई शासन ढांचा स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है जो नवाचार को नैतिक जिम्मेदारी के साथ संतुलित करता है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज बाढ़ प्रभावित खम्मम का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार को तेलंगाना के खम्मम जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय के साथ चौहान हवाई सर्वेक्षण करेंगे। उन्हें हाल की भारी बारिश के दौरान संपत्ति के नुकसान के बारे में संबंधित अधिकारियों द्वारा जानकारी दी जाएगी।गुरुवार को यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि बाद में, संजय शाम को क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए कोडाद की ओर बढ़ेंगे। केंद्रीय कोयला मंत्री और राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी ने पहले राज्य में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए बंडी संजय और पार्टी सांसद एटाला राजेंदर के नेतृत्व में दो टीमों की प्रतिनियुक्ति की है।

संजय की टीम पूर्व विधायक संकिनेनी वेंकटेश्वर राव, भाजपा के राज्य महासचिव गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी और विधायक पैदी राकेश रेड्डी के साथ खम्मम और कोडाद का दौरा करेगी। एटाला राजेंदर की टीम पार्टी के विधायक दल के प्रमुख अलेटी महेश्वर रेड्डी, राज्य महासचिव कासम वेंकटेश्वरलू और विधायक रामाराव पाटिल के साथ महबूबाबाद और मुलुगु का दौरा करेगी।

शुभेंदु ने राष्ट्रपति से कोलकाता पुलिस आयुक्त से पदक वापस लेने का किया आग्रह

कोलकाता, 05 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया कि कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को दिए गए दो प्रतिष्ठित पदक वापस ले लिए जाएं या उन्हें जब्त कर लिया जाए।

राज्य के प्रमुख भाजपा नेता ने श्री गोयल पर आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के कथित दुष्कर्म-हत्या के स्थल पर साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया, जिसका शव 09 अगस्त को उसके कार्यस्थल आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में मिला था।

श्री अधिकारी ने अपने एक्स हैंडल पर कहा मैंने भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उनसे अनुरोध किया गया है कि वे विनीत गोयल को दिए गए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेजिडेंट डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की जांच के दौरान उनके निंदनीय और शर्मनाक आचरण को देखते हुए वापस ले लें।

नंदीग्राम के भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि 14 अगस्त की रात को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई तोड़फोड़ के दौरान सामग्री सबूतों को नष्ट करने और जानबूझकर निष्क्रियता में श्री गोयल की मिलीभगत को मीडिया में अच्छी तरह से दिखाया गया है। श्री अधिकारी जो चिकित्सक हत्या मामले में भाजपा के विरोध का नेतृत्व कर रहे हैं, ने कहा, पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में चल रहे वित्तीय और नैतिक रैकेट को छिपाने के इरादे से, राज्य की राजनीतिक कार्यपालिका की सनक को पूरा करने के लिए, आज देश में संभवतः सबसे जघन्य और संवेदनशील अपराध की

जांच को विफल करने के उनके निंदनीय प्रयास उन्हें ऐसे पुरस्कारों को बरकरार रखने के अयोग्य बनाते हैं। उनके कार्यों ने 168 वर्षों में कड़ी मेहनत से बनाई गई कोलकाता पुलिस की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है और पश्चिम बंगाल पुलिस को शर्मसार किया है। कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने के लिए उनकी गतिविधियों ने पश्चिम बंगाल में पहले से ही खराब कानून और व्यवस्था की स्थिति को और खराब कर दिया है।

भाजपा नेता ने कहा उन्होंने राज्य और राष्ट्र को बहुत शर्मसार किया है और राज्य के लोगों में गुस्सा है, क्योंकि नागरिक समाज उन्हें पश्चिम बंगाल राज्य में सभी गलत चीजों का प्रतीक मानता है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी इसी तरह का पत्र लिखा है। नौ अगस्त से राज्य भर के सभी सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों द्वारा काम बंद करने का अभियान चला रहे पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट ने श्री गोयल के इस्तीफे की मांग की है और उन पर दुष्कर्म-हत्याकांड में सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने और 14 अगस्त को अस्पताल में हुई तोड़फोड़ को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया है। हाल ही में डॉक्टरों ने शहर के पुलिस मुख्यालय लालबाजार के पास व्यस्त इलाके को 24 घंटे से अधिक समय तक जाम रखा और इस्तीफे की मांग करते हुए उन्हें ज्ञापन सौंपा। उन्होंने उनके कक्ष में बैठक के दौरान उन्हें प्लास्टिक से बनी प्रतीकात्मक रीढ़ भी भेंट की।

राष्ट्रीय निकास परीक्षा का प्रावधान शैक्षिक वर्ष 2021–23 से लागू होगा

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने गुरुवार को कहा कि आयुष पद्धति के चिकित्सक की पात्रता प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय निकास परीक्षा (नेक्स्ट) का प्रा-वधान शैक्षिक सत्र वर्ष 2021-22 तथा उसके बाद से लागू किया जाएगा।

श्री जाधव ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रीय निकास परीक्षा पर गठित समिति की यह सिफारिशों को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि समिति की मुख्य सिफारिश के तहत राष्ट्रीय निकास परीक्षा के प्रावधान विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक सत्र 2021-22 और उसके बाद से लागू किया जाना चाहिए जिससे छात्रों की प्रमुख चिंता और शिकायत दूर हो जाएगी। इसके अलावा समिति ने यह भी सिफारिश की है कि दोनों आयोग नकारात्मक मूल्यांकन (निगेटिव मार्किंग) के प्रावधान पर फिर से विचार करेंगे और साथ ही साथ अंडरग्रैजुएट विद्यार्थियों को उनके अंतिम वर्ष में तथा इंटर्नशिप करने की अवधि के दौरान भी नेक्स्ट की परीक्षा को दे सकेंगे जिससे उन्हें इसे उत्तीर्ण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार ने समिति की ये दोनों सिफारिशें स्वीकार कर ली है और आयोग को समुचित निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि देशभर में आयुष विद्यालयों के आंदोलन कर छात्रों के लिए यह एक सुखद समाधान सिद्ध होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार देश में अच्छी गुण-वत्ता की आयुष शिक्षा का तंत्र विकसित करना चाहती है। इसके लिए देश भर के सरकारी और निजी कॉलेजों में भी शिक्षा की गुणवत्ता को उच्च स्तर पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार ने राष्ट्रीय विकास परीक्षा उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता लागू करने के संबंध में अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की थी जिनमें कहा गया था कि अधिसूचना जारी करने की तिथि के बाद से सभी आयुष शिक्षा के स्नातक इंटर्न विद्यार्थियों को डिग्री लेने के लिए यह परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। इस अधिसूचना के बाद से देश भर के अंडरग्रैजुएट छात्र आंदोलन कर रहे थे। इस मामले पर विचार करने के लिए सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था जिसके अध्यक्ष राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा थे। इसमें राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के साथ-साथ देश के कई वरिष्ठ विशेषज्ञ और छात्रों के दो प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया था।

तेलंगाना में पुलिस मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए

भद्राद्री कोत्तागुडेम, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भद्राद्री कोठागुडेम जिले के रघुनाथपल्ली वन क्षेत्र के पास गुरुवार को पुलिस के साथ मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए।

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने रघुनाथपल्ली के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया था। अभियान के दौरान माओवादियों ने पुलिस का सामना किया और गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस कर्मियों ने भी गोलीबारी की, जिसके कारण छह माओवादी मारे गए।

बताया जा रहा है कि मारे गए माओवादी लछन्ना दलम के सदस्य थे। मृतकों में कथित तौर पर तेलंगाना का एक वरिष्ठ माओवादी नेता भी शामिल है। पुलिस ने बताया है कि इलाके में अभियान अभी भी जारी है।

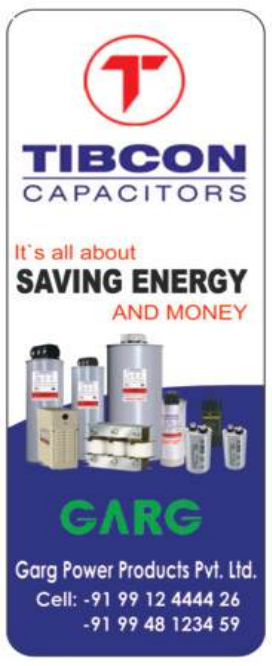

सड़क हादसे में भारतीय सेना के चार जवानों की मौत

प. बंगाल के पेदोंग से सिक्किम के पाक्योंग जा रहे थे

गंगटोक/ कोलकाता, 05 सितंबर (एजेंसियां)। सिक्किम के पाक्योंग जिले में गुरवार को को भारतीय सेना के चार जवानों की सड़क हादसे में मौत हो गई। ये जवान पश्चिम बंगाल के पेदोंग से सिल्क मार्ग से जुलुक जा रहे थे।

पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के बिन्नागुड़ी में तैनात सेना के ईएमसी कर्मियों को ले जा रहा वाहन रेनॉक-रोंगली राजमार्ग पर वर्टिकल भीर में सड़क से फिसल गया और नीचे जंगल में जा गिरा। पुलिस ने बताया कि वाहन में चार लोग सवार थे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के सिपाही प्रदीप पटेल, इंफाल के सीएफएन डब्ल्यू. पीटर, हरियाणा के नायक गुरसेव सिंह और तमिलनाडु के सूबेदार के. थंगापंडी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक, सैन्यकर्मियों के शव सेना को सौंप दिए गए हैं।

कार की चपेट में आने से दो बाइकों पर सवार छह लोगों की मौत

जयपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अनुपगढ जिले के विजयनगर थाना में अनियंत्रित कार की चपेट में आने से दो मोटरसाईकिलों पर सवार छह लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि अनुपगढ जिले में सुरजगढ विजयनगर सडक मार्ग पर कुछ लोग रात्रि जागरण से लौट रहे थे। इस दौरान 25 जी बी क्षेत्र में सामने से तेज रफतार आई एक कार ने दोनों मोटरसाईकिलों को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा तीन को विजयनगर के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया। इसके बाद वहां से बेहतर उपचार के लिए श्रीगंगानगर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीनों की मौत हो गई।

पुलवामा में एक आतंकवादी सहयोगी की गिरफ्तारी से संभावित हमला टला

जम्मू, 05 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक आतंकवादी सहयोगी की गिरफ्तारी से संभावित आतंकवादी हमला टल गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि आतंकवादी के सहयोगी अरसलान अहमद शेख को करीमाबाद के एक चेकपॉइंट पर गिरफ्तार किया गया है। तलाशी के दौरान, उसके पास से एक हथगोला बरामद किया गया।

पुलिस ने एक बयान में कहा प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी ने नाका के दौरान तैनात सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंकने की योजना बनाई थी, जिससे सुरक्षा बलों के साथ-साथ सार्वजनिक सुरक्षा को भी गंभीर खतरा पैदा हो सकता था। उन्होंने समय पर कार्रवाई करके हमले को विफल कर दिया, जिससे जान-माल की हानि पहुंचने की संभावना नहीं रही। पुलवामा थाना में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा क्षेत्र में अन्य आतंकी गतिविधियों के लिए आगे के विवरण और संभावित लिंक को उजागर करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

देश में चलेगा प्रकृति परीक्षण अभियान

नई दिल्ली, 05 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग इस वर्ष अक्टूबर से नवंबर तक पूरे देश में प्रकृति परीक्षण अभियान चलाएगा।

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रकृति का स्वास्थ्य रक्षण में बहुत महत्व होता है और प्रकृति की जानकारी से आम नागरिक खुद को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या, ऋतुचर्या के अनुरूप अपनी नित्य कार्यों में छोटे-छोटे बदलाव लाकर स्वस्थ रह सकते हैं। उन्होंने बताया कि देश भर के एक करोड़ से ज्यादा नागरिकों का प्रकृति परीक्षण देश के आयुर्वेद महाविद्यालयों के एक लाख 35 हजार विद्यार्थी, 20 हजार स्नातकोत्तर शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थी, 18 हजार अध्यापक तथा तीन लाख चिकित्सक करेंगे। इनकी कुल संख्या मिलाकर साढ़े चार लाख होगी। इन्हें प्रकृति परीक्षण स्वयंसेवक कहा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान के कारण आयुर्वेद की प्रति जन सामान्य का रुझान बढ़ेगा और आयुर्वेद की अर्थव्यवस्था को भी आगे बढ़ाने में मदद होगी।

विनेश देश की बेटी से कांग्रेस की बेटी बनना चाहती हैं, तो हमें क्या एतराज : अनिल विज

अंबाला, 05 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस द्वारा पहलवान विनेश फोगाट को टिकट दिए जाने पर तंज कसते हुए कहा कि अगर विनेश फोगाट देश की बेटी से कांग्रेस की बेटी बनना चाहती हैं, तो इसमें भाजपा को कोई ऐतराज नहीं है। गुरुवार को अंबाला छावनी में भाजपा के चुनावी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विज ने यह टिप्पणी की। विज ने बजरंग पुनिया को भी कांग्रेस द्वारा टिकट दिए जाने की अटकलों पर कहा कि कांग्रेस तो पहले दिन से ही इन खिलाड़ियों को अपने पक्ष में करना चाह रही थी, और उनके उकसाने से ही आंदोलन चला। नहीं तो खिलाड़ियों का मुद्दा पहले ही सुलझ सकता था।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा द्वारा जारी की गई पहली सूची के बाद टिकट न मिलने से पार्टी में फैली नाराजगी पर अनिल विज ने कहा कि 90 सीटों का चुनाव है, और हर सीट से कई लोग चुनाव लड़ने की इच्छा रखते हैं। पार्टी ने उम्मीदवारों को ध्यान में रखते हुए 67 लोगों की सूची जारी की है। छोटी-मोटी नाराजगियां होती हैं, लेकिन उन्हें मना लिया जाएगा। नेताओं के इस्तीफों पर पूछे गए सवाल पर विज ने कहा कि सभी नाराज नेताओं को समझाने का काम किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पार्टी में कोई असंतोष न रहे।

आठ साल बाद मिला इंसाफ

चरस तस्कर बताकर दिव्यांग को भेज दिया था जेल

कानपुर, 05 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर में काकादेव पुलिस द्वारा आठ साल पहले दिव्यांग के पास से 11 किलो चरस बरामद दिखाकर और उसे चरस तस्कर बताकर जेल भेजने का मामला कोर्ट में भी झूठा साबित हुआ। अपर जिला जज सप्तम आजाद सिंह ने सबूतों के अभाव में आरोपी को दोषमुक्त करार दे दिया है।

काकादेव थानाध्यक्ष उदय प्रताप यादव ने 15 जनवरी 2016 को काकादेव थाने में चरस तस्कर की गिरफ्तारी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कहा था कि वह गश्त पर थे तभी रात को पुलिस को देखकर भाग रहे मोटरसाइकिल सवार गड़रियनपुरवा निवासी नीरज पाल को विजयनगर तिराहे के पास गल्ला मंडी चौराहे पर घेरकर पकड़ लिया था।

उसके पास से 11 किलो चरस और जेब से 12400 रुपए बरामद दिखाए गए थे। अभियोजन की ओर से उदय प्रताप और आनंद शर्मा समेत सात गवाह कोर्ट में पेश किए गए, लेकिन पुलिस की कहानी में इतने पेंच थे कि अभियोजन नीरज को दोषी साबित नहीं कर सका। आखिरकार कोर्ट ने उसे दोषमुक्त करार दे दिया।

कोर्ट में नीरज ने तर्क रखा था कि एसओ उदय प्रताप पर एक युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगा था। नीरज पाल भी उदय द्वारा महिला के साथ की गई ज्यादती का विरोध कर रहा था, जिसके चलते उदय ने फर्जी तरीके से नीरज को घर से उठाकर चरस तस्कर बताकर जेल भेज दिया था। अभियोजन की ओर से दिसंबर 2018 में तीन स्वतंत्र गवाह अनिल सिंह, मुकेश गुप्ता और अतुल वाजपेई को तलब करने की अर्जी कोर्ट में दी गई थी जिसे कोर्ट ने मंजूर भी कर लिया था। इसके बाद अतुल सिंह 15 जनवरी 2019 को गवाही देने कोर्ट आया। उसके बयान दर्ज हो गए लेकिन इसके बाद लगभग साढ़े पांच साल तक बार-बार समय दिए जाने के बावजूद अनिल जिरह के लिए कोर्ट नहीं पहुंचा। इस पर 30 अप्रैल 2024 को कोर्ट ने अभियोजन साक्ष्य का अवसर समाप्त कर दिया।

बदचलन और भ्रष्टाचारी निकला दारोगा

झूठा मुकदमा दर्ज करने के आरोप पर एसएसपी के निर्देश पर मामले की विभागीय जांच कराई गई थी। सीओ बाबूपुरवा अजीत कुमार पाठक, विशाल पांडे और रमेश चंद्र के अलावा सीओ नजीराबाद नम्रता श्रीवास्तव द्वारा की गई विभागीय जांच की रिपोर्ट भी कोर्ट में पेश की गई जो नीरज की बेगुनाही का सबूत बनी। जिस मोटरसाइकिल पर नीरज के चरस के साथ सवार होने की बात कही गई थी वह मोटरसाइकिल सिपाही बलेंदर पाल के पिता के नाम पर पंजीकृत थी। बलेंदर ने मोटरसाइकिल को नीरज के भाई मनोज को बेचने की बात कही थी जबकि इसका कोई प्रमाण पेश नहीं किया गया। 11 किलो चरस 24 पैकेट में बरामद होना बताया गया था लेकिन विधि विज्ञान प्रयोगशाला में सिर्फ एक ही पैकेट से चरस निकालकर भेजने की बात कही गई। कोर्ट में पुलिस के गवाहों के बयानों में ही कई अंतर मिले। नक्शा नजरी भी संदेहजनक थी।नीरज के परिजनों की शिकायत पर तत्कालीन एसएसपी आकाश कुलहरि ने विभागीय जांच कराई थी। इसमें उदय और आनंद शर्मा समेत 12 पुलिसकर्मी दोषी पाए गए थे। इनके खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई भी की गई थी। दिव्यांग को चरस तस्कर बताकर गिरफ्तार करने वाले दरोगा उदय प्रताप यादव पर शादीशुदा होने के बावजूद एक महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप भी है। चेन स्नैचिंग की रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची महिला की वर्ष 2013 में तत्कालीन सचेंडी थानाध्यक्ष उदय प्रताप से मुलाकात हुई थी। तहरीर से पीड़िता का नंबर लेकर उदय उससे बातचीत करने लगा। प्रेम प्रसंग का सिलसिला चला, लेकिन शादी करने से दरोगा ने इन्कार कर दिया। मुकदमे का दबाव पड़ने पर दरोगा ने मंदिर में शादी कर ली लेकिन पहली पत्नी से तलाक न होने का खुलासा होने पर महिला ने एडीजी जोन कानपुर से शिकायत कर दी। झांसी में तैनाती के चलते झांसी के एसपी सिटी को जांच सौंपी गई। एसपी की संस्तुति के बाद दरोगा के खिलाफ अप्रैल 2016 में महिला थाने में दुष्कर्म व मारपीट की एफआईआर दर्ज हुई थी।

महिला द्वारा लिखाए गए मुकदमे में फाइनल रिपोर्ट लगने के बाद महिला ने निचली अदालत में आपत्ति दाखिल की थी लेकिन वह खारिज हो गई। सेशन कोर्ट में भी रिवीजन याचिका खारिज हो गई। इसके बाद महिला ने 11 अक्टूबर 2017 को महिला थाने में दूसरी एफआईआर दर्ज कराई थी। महिला का कहना था कि रिपोर्ट लिखे जाने के बाद उदय ने बयान बदलने का दबाव बनाया और मुकदमा खत्म होने पर शादी करने की बात कही थी। बहकावे में आकर उसने बयान बदल दिए और मुकदमे में एफआर लग गई लेकिन बाद में उसे उदय के शादीशुदा होने और उसे धोखे में रखकर बयान बदलवाने का पता चला, तब उसने दूसरी एफआईआर दर्ज कराई थी।

शेयर मार्केट

बीएसई : 82,201.16
-151.48 -0.18% ↓
एनएसई :25,198.70
-53.60 (-0.21%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,100/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 86,220/-
(प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^{0}
न्यूनतम : 26^{0}

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I. PANNE LAL YADAV is legally dependent Father of Service No. 22057866P, Rank: SEP/NA, Name: HARISCHANDRA YADAV, Unit: MILITARY HOSPITAL, SECUNDERABAD, Residing at Vill: GOPALPUR TOLA MAHAV, PO: AMWABUJURG, Teh: PHARENDA, Dist: MAHARAJGANJ, State: UTTAR PRADESH, Pin:273157, I have changed my name from **PANNE LAL YADAV** to **PANNELAL** My Date of Birth is 01-01-1982, Affidavit Singed By advocate and Notary B. Yadagiri, MMCP, BA, LLB

CHANGE OF NAME
I, SIMRATI DEVI is legally dependent Mother of Service No. 22057866P, Rank: SEP/NA, Name: HARISCHANDRA YADAV, Unit: MILITARY HOSPITAL, SECUNDERABAD, Residing at Vill: GOPALPUR TOLA MAHAV, PO: AMWABUJURG, Teh: PHARENDA, Dist: MAHARAJGANJ, State: UTTAR PRADESH, Pin:273157,I have changed my name from **SIMRATI DEVI** to **SIMRTI**, My Date of Birth 01-01-1979, Affidavit Singed By advocate and Notary B. Yadagiri, MMCP, BA, LLB

CHANGE OF NAME & DOB
I, Y MANJULA Spouse of Service No. 14333973L Ex.Hav YALAVARTI RAMESH, R/o.2-22-196/4, Flat No 202, Vinayaka Residency, Jayanagar, Kukatpally, Hyderabad-500072 have changed my name and DOB from **Y MANJULA, DOB:01-01-3001** & **DOB:14-11-1971** to **YALAVARTHI MANJULA, DOB:14-04-1972** vide affidavit dt:5-9-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15420045F Hav/AA HARUN RASHID of Unit: 454 Field Hospital, C/o.56 APO hereby declare that my daughter name is to be changed from **MAHEK PRAVEEN** to **MAHEK PARVEEN** vide affidavit dt:4-9-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, KUMARI LALTI spouse of Service No.JC-772481A Sub SURENDRA PRASAD YADAV, R/o.Vill:Kewali, P.O.:Churi, Dist:Gaya, Bihar-823002 have changed my name from **KUMARI LALTI** to **LALTI KUMARI** vide affidavit dt 4-9-2024 before IV Spl Judicial Magistrate, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, Parvathi Devi spouse of Army No.14654124W Hav A VENKATA RANGA REDDY, R/o. Ramapuram, Racherla, Prakasam, Andhra Pradesh-523368 have changed my name from **PARVATHI DEVI** to **ANNAPUREDDY PARVATHI DEVI** vide affidavit dt:5-9-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Gita Ghosh, Mother of 14834238K, Sep/MT Susanta Ghosh of Unit/Regt:554 ASC BN, C/O: 56 APO, R/o. Village: Radhamohanpur, Post: Saralia, Tehsil: Taldangra, Dist: Bankura, West Bengal-722152, have changed my name from GITA GHOSH to GITARANI GHOSH, DOB is 19-05-1967, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL on 3-9-2024.

CHANGE OF NAME
I, JC769762L, Sub Selvam K of Unit/Regt:MCEME, Secunderabad, Father of S Thean Mozhi, R/o. Village: Samagoundanpur, Post: Patchur, Tehsil: Nattarampalli, Dist: Tirupattur, Tamilnadu-635854, have changed daughter's name from S THEAN MOZHI to S THENMOZHI, DOB is 21-2-2007, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL on 4-9-2024.

CHANGE OF NAME & DOB
I, PATI RAJ SINGH is legally Father of Akhilesh Kumar Singh R/o Vill-Madhi, PO-Madhi,Teh-Kerakat, District-Jaunpur,PIN-222129 State-Uttar Pradesh have changed my name from PATI RAJ SINGH to PATIRAJ and date of birth from 01/07/1979 to 01/01/1947 add in my son service documents vide affidavit date 04/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, PREETI PATHAK, is legally Wedded Wife of Service No. 14686658P, Rank: NK, Name: BINOD KUMAR PATHAK, Unit: 2 TRG BN, 1 EME CENTER, SECUNDERABAD, residing at VILL: PATKHAULI, PO: NANDPUR, Teh: CHHAPRA, Dist: SARAN, State: BIHAR, Pin:841313,I have changed my name from **PREETI PATHAK** to **PREETI KUMARI** my date of birth 14-01-1989, Affidavit Singed By advocate and Notary G Samuel Bsc LLB

CHANGE OF NAME & DOB
I, GIRIJA SINGH is legally Mother of Akhilesh Kumar Singh R/o Vill-Madhi, PO-Madhi,Teh-Kerakat,District-Jaunpur, PIN-222129 State-Uttar Pradesh have changed my name from GIRIJA SINGH to GIRJA DEVI and date of birth from 01/07/1953 to 01/01/1953 add in my son service documents vide affidavit date 04/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, RAJENDRA KUMAR SAHANI is legally Father of Sunil Kumar Sahani R/o H.No-257, Vardhman Colony, Mehthwas Birlagram Nagda,PO-Birlagram Nagda, District-Ujjain,PIN-456331, State-Madhya Pradesh have changed my name from RAJENDRA KUMAR SAHANI to RAJENDRA PRASAD and date of birth from 05/06/1958 to 24/01/1954 add in my son service documents vide affidavit date 04/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

तेलंगाना सरकार एआई का भविष्य बनाएगी : रेवंत

हैदराबाद, 05 सितंबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए तैयार है और मानक स्थापित करके एआई की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

एचआईसीसी में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल एआई समिट में अपने उद्घाटन भाषण में, श्री रेड्डी ने कहा एआई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता नई नहीं है, क्योंकि हम पहले ही एआई के लिए बड़े कदम उठा चुके हैं और अपने भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखना चाहते हैं। अगर हम भारत के भविष्य के बारे में सोचते हैं, तो कोई भी शहर इसके लिए हैदराबाद जितना पूरी तरह से तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे शहर में, हम न केवल भविष्य को गले लगाते हैं, बल्कि हम इसे बनाते भी हैं।

उन्होंने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने में प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका महत्वपूर्ण है और तकनीकी विकास के बिना बदलाव की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ट्रेन और इंजन के आविष्कार ने दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। हवाई जहाज बनाने की तकनीक का आविष्कार होने के बाद दुनिया पूरी तरह से बदल गई है। इसी तरह, विद्युत, बिजली के बल्ब, टीवी, कैमरा और कंप्यूटर के उत्पादन के नवाचार ने दुनिया को दूसरे स्तर पर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा हमारी पीढ़ी भाग्यशाली है कि हमारे पास टेलीविजन, कंप्यूटर, इंटरनेट और मोबाइल फोन तक पहुंच है और हम तकनीकी लाभों का आनंद लेते हैं। श्री रेड्डी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज प्रौद्योगिकी की दुनिया में सबसे अच्छा नवाचार है, लेकिन जब एक नई तकनीक का आविष्कार होता है तो कुछ आशंकाएं और अनिश्चितता होना स्वभाविक हैं। उन्होंने कहा कि नई तकनीक और हमारे जीवन पर इसके प्रभाव का विश्लेषण किया जा रहा है और नौकरी खोने का डर भी सामान्य है। मुख्यमंत्री ने कहा इतिहास बताता है कि हम अतीत में औद्योगिक क्रांति के बिना नहीं चल सकते थे। हैदराबाद शहर को छोड़कर कोई भी अन्य शहर उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है। हम सभी को भारत के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए और अगली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एआई को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति का लाभ उठाने में सरकार की ईमानदारी पर संदेह करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एआई के उपयोग के लिए पहले ही कई उपाय किए हैं और अब एआई के क्षेत्र में अपने भविष्य के लिए एक मजबूत नींव रखना चाहते हैं।

तेलंगाना में दो दिवसीय एआई शिखर सम्मेलन–2024 शुरू

हैदराबाद, 05 सितंबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार का दो दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिखर सम्मेलन गुरुवार को शुरू हुआ।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नेताओं की उपस्थिति में सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन का मुख्य विषय सभी के लिए एआई को काम करना सुनिश्चित करना है। श्री रेड्डी ने सम्मेलन स्थल पर एआई प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

देश में पहली बार, हैदराबाद ने ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जो तकनीकी प्रगति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। विश्व भर से 150 से अधिक वक्ता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उद्योगों और स्टार्टअप्स के लगभग दो हजार प्रतिनिधि दो दिवसीय वैश्विक कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस सम्मेलन के माध्यम से राज्य में आईटी विकास को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया जा सकेगा और हैदराबाद को दुनिया में आईटी निवेश के लिए सबसे अच्छे गंतव्य के रूप में पेश किया जा सकेगा।

दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान एआई क्षेत्र के वैश्विक नेता एआई क्षेत्र के विकास के लिए अपने विचार, दृष्टिकोण और विचार साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में भविष्य के अवसरों और नए नवाचारों पर भी चर्चा होगी। प्रतिनिधि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में समाज पर एआई के प्रभाव, विनियमन और चुनौतियों के मुद्दों पर बहस करेंगे।

रेड्डी ने अधिकारियों को सौर ऊर्जा उत्पन्न करने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 05 सितंबर
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को राज्य में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया है।

श्री रेड्डी ने बुधवार रात यहां कहा, विभिन्न विभागों के स्वामित्व वाली सभी खाली पड़ी भूमि, जिसका उपयोग नहीं किया जा रहा है पर सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषक समुदाय को निःशुल्क सौर पंप सेट वितरित करके किसानों को सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए प्रोत्साहित करने के उपाय किए जाने चाहिए। इस दौरान

उन्होंने अधिकारियों को कोंडा रेड्डी गांव में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का आदेश देते हुए अधिकारियों से किसानों को सौर पंप सेटों से अधिशेष बिजली से आय उत्पन्न करने में मदद करने के लिए योजनाओं की परिकल्पना करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से महिला समूहों को प्रशिक्षण देने और उन्हें सौर सिलेंडर व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए भी निर्देश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि वन भूमि का उपयोग सौर ऊर्जा के लिए भी किया जा सकता है।उन्होंने हर साल 40 हजार मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए अधिकारियों से अतिरिक्त व्यय को कम करने के लिए उचित योजना बनाने निर्देश दिया। श्री रेड्डी ने कहा कि ओवरलोड की समस्या का स्थाई समाधान निकालें और निर्बाध विद्युत आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के बीच 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति का विश्वास पैदा करें और सुनिश्चित करें कि उपभोक्ताओं को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य भविष्य में सबसे अधिक मांग वाले बिजनेस हब के रूप में उभरेगा और भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी (आईटी) और उद्योग विभाग के समन्वय से एक कार्य योजना तैयार करेगी और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.